सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-337 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 01 जून 2025
04 जिलहिज्जा 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक : पीएम मोदी

■ नारी शक्ति को चुनौती दी, जो आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने पहुंचे हैं। उन्होंने जंबूरी मैदान में आयोजित एक प्रदर्शनी का दौरा किया, जो लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर और मध्य प्रदेश के विकास पर आधारित है। इसके बाद वे मंच पर पहुंचे और वहां उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री एक स्मारक डाक टिकट और 300 रुपये मूल्य का एक विशेष सिक्का जारी किया, जिस पर अहिल्याबाई होल्कर का चित्र अंकित होगा। पीएम मोदी ने कहा, पहलगाम में आतंकियों ने न केवल भारतीयों का खून बहाया, बल्कि हमारी संस्कृति पर हमला करने और समाज को बांटने की कोशिश की। उन्होंने नारी शक्ति को चुनौती दी, जो आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है।

पीएम ने कहा, सिंदूर हमारी परंपरा और नारी शक्ति का प्रतीक है। हनुमान जी ने राम रंग में रंगे होकर सिंदूर का श्रृंगार किया था। शक्तिपूजा में भी सिंदूर अर्पित किया जाता है। यह शौर्य का प्रतीक बन गया है।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल आतंकवाद-विरोधी अभियान है। पाकिस्तान ने सपने में भी नहीं सोचा था कि हमारी सेना सैकड़ों किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर देगी।

पीएम ने चेतावनी दी, ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रॉक्सी वार अब नहीं चलेगी। हम घर में घुसकर मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत का हर नागरिक कह रहा है कि गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक है। बीएसएफ की बेटियों ने कश्मीर से गुजरात तक मोर्चा संभाला और सीमा पार से होने वाली फायरिंग का जवाब दिया। उनकी वीरता को पूरी दुनिया देख रही है।

पीएम ने बताया, हमारे बड़े स्पेस मिशनों में महिला वैज्ञानिकों की बड़ी भूमिका है। चंद्रयान-3 में 100 से अधिक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर शामिल थीं। पीएम ने कहा, आज लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती 140 करोड़ भारतीयों के लिए प्रेरणा का अवसर है।

हेट स्पीच मामले में अब्बास और मंसूर दोषी करार, मऊ कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा

मऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ सदर के विधायक अंसारी को सीजेएम कोर्ट ने दोषी करार दे दिया गया है। मऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी और उनके चाचा मंसूर अंसारी को दो साल की सजा सुनाई है, साथ ही दोनों पर 2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट का लिया यह फैसला सीधे-सीधे अब्बास की विधायकी पर असर डालेगा। 3 मार्च 2022 में विधानसभा चुनाव के दौरान अब्बास अंसारी ने मऊ में आयोजित जनसभा में सरकार बनने के बाद अफसरों से हिसाब-किताब बकाबर की धमकी दी थी। इस भाषण को लेकर मऊ कोतवाली में सब इंस्पेक्टर गंगाराम बिंद ने एफआईआर उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

सजा के ऐलान के बाद अब्बास अंसारी ने मऊ की सीजेएम कोर्ट के फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है। उनका आरोप है कि कोर्ट में उनके पक्ष को पूरी तरह से नहीं

सुना गया। इसलिए, वे इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेंगे। सजा के ऐलान से पहले यह अटकलें थीं कि सजा की अवधि अब्बास अंसारी की विधायकी को प्रभावित कर सकती है। सवाल उठ रहे थे कि क्या उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द हो जाएगी? हालांकि, अब यह स्पष्ट हो गया है कि उनकी सदस्यता सुरक्षित रहेगी, क्योंकि दो साल से अधिक की सजा होने पर ही विधानसभा सदस्यता रद्द होती। मऊ की सीजेएम कोर्ट ने उन्हें ठीक दो साल की सजा सुनाई है, जिसके कारण उनकी विधायकी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हेट स्पीच मामला

वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान मऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अब्बास अंसारी ने कथित तौर पर कहा था कि सरकार बनने के बाद वे अधिकारियों को देख लेंगे। इस बयान के बाद उन पर आपराधिक धमकी, चुनाव अधिकारों का दुरुपयोग, सरकारी कार्यों में बाधा, सरकारी कर्मचारियों को धमकाने, धर्म-जाति के आधार पर वैमनस्य फैलाने और षड्यंत्र रचने जैसे आरोप लगाए गए थे। सीजेएम डॉ. केपी सिंह की कोर्ट ने इस मामले में अब्बास अंसारी और उनके चाचा मंसूर अंसारी को दोषी पाया और दोनों को दो साल की सजा के साथ 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

कोविड ने राजधानी में पकड़ी रफ्तार मरने वालों की संख्या हुई तीन

■ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 375 एक्टिव केस

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच गंभीर रूप से बीमार इसकी चपेट में आकर दम तोड़ना शुरू कर दिया है। बीते दो दिनों में दिल्ली में दो मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। वहीं इस साल कोरोना से दम तोड़ने वाले मरीजों की संख्या तीन हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना का नया वेरिएंट हल्का है, लेकिन गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए यह काफी खतरनाक है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिले डाटा के अनुसार दिल्ली में शनिवार को 71 वर्षीय पुरुष की मौत कोरोना से हुई। मरीज पहले से निमोनिया से पीड़ित था। मरीज की मौत के पीछे सेप्टिक शॉक के साथ तीव्र किडनी क्षति भी बताया जा रहा है। इससे पहले शुक्रवार को कोरोना के नए वैरिएंट से एक 60 साल की महिला ने दम तोड़ा। बताया जा रहा है कि महिला की मौत से पहले उसे उल्टी के साथ ही पेट में काफी दर्द की शिकायत हुई थी। बढ़ती समस्या को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां जांच के दौरान उसकी कोविड की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। बताया जा रहा है कि महिला को पहले से आंतों की भी समस्या थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 375 एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 81 नए मामले सामने आए। दिल्ली में एक जनवरी 2025 से अभी तक 266 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। बीते 24 घंटों में अस्पताल से 52 मरीजों को छुट्टी दी गई। दिल्ली में एक जनवरी 2025 से अभी तक तीन मरीज कोरोना के कारण दम तोड़ चुके हैं। बीते 24 घंटों में एक मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ा।

दिल्ली-महाराष्ट्र-पश्चिम बंगाल समेत 7 राज्यों में एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) देश के पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसी आतंकी गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं को लेकर 5 राज्यों में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, हरियाणा समेत कुल पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए की छापेमारी कुछ बड़े वित्तीय लेन-देन, टेरर फंडिंग और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े मामले में की जा रही है। हालांकि, एनआईए ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जिससे रहस्य और गहरा गया है। **गोरखपुर के खजनी में छापेमारी :** एनआईए की विशेष टीम शनिवार सुबह 4 बजे गोरखपुर जिले के खजनी क्षेत्र के रावतदारी गांव पहुंची। एनआईए की टीम ने गांव पहुंचकर पन्ना लाल यादव के घर पर अचानक छापेमारी शुरू कर दी। एनआईए की टीम को देखकर इलाके में सनसनी फैल गई।

आईपीएस अधिकारी की गिनती शासन के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में

राजीव कृष्ण होंगे यूपी के नए डीजीपी

■ वर्तमान में डीजी इंटेलिजेंस व पुलिस भर्ती बोर्ड के चेयरमैन जैसे दो पदों की जिम्मेदारी

लखनऊ। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण यूपी के नए डीजीपी नियुक्त किए गए हैं। शनिवार शाम उनके नाम पर मुहर लगी। इसके पहले दिन भर इस बात की चर्चाएं चलती रहीं कि वर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार की सेवाओं का विस्तार किया जा सकता है। वह 31 मई को रिटायर हो रहे हैं।

बीते एक सप्ताह से इस बात की अटकलें जोर-शोर से चल रहीं थीं कि वर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार का सेवा विस्तार हो सकता है। सूत्रों से मिली खबरों के अनुसार उनके विस्तार को बिल्कुल आखिरी समय पर घोषित किया जाना था। उसके उलट शासन के द्वारा राजीव कृष्ण को प्रदेश को नया डीजीपी बना दिया गया। डीजीपी के चयन के लिए राज्य सरकार ने पिछले वर्ष पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी जरूर दी थी, पर उसके तहत अब तक समिति का गठन भी नहीं किया गया है। ऐसे में प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार न मिलने की दशा में डीजी विजिलेंस राजीव कृष्ण को डीजीपी का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था।

अपने तीन दशक से अधिक लंबे करियर में राजीव कृष्ण ने कई अलग-अलग भूमिकाओं में काम किया है। उनकी छवि एक कर्मठ अधिकारी की रही है। वर्तमान में राजीव कृष्ण डीजी इंटेलिजेंस और पुलिस भर्ती बोर्ड के चेयरमैन जैसे दो पदों की जिम्मेदारियां एक साथ संभाल रहे हैं। राजीव कृष्ण की गिनती शासन के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में होती है।

प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को डीजीपी नियुक्त किया है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं। बता दें कि निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है।

मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को घोषणा की कि कांग्रेस सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की टिप्पणी के बाद एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा भारत की रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) द्वारा दिए गए साक्षात्कार के मद्देनजर कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल हैं जो पूछे जाने चाहिए। ये सवाल तभी पूछे जा सकते हैं जब संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। युद्ध का कोहरा अब छंट रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे लिखा कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। सीडीएस के साक्षात्कार के अनुसार, ÷हमने इसे बनाया, इसे ठीक किया, इसे सुधारा और फिर दो दिनों के बाद इसे फिर से लागू किया और अपने सभी जेट विमानों को फिर से उड़ाया, लंबी दूरी पर निशाना साधा÷। हम उनके दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हैं। हालाँकि, एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की माँग है। कांग्रेस पार्टी कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है। खड़गे ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम कराने के अपने दावे को फिर दोहराया है। यह शिमला समझौते का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के बार-बार किए गए दावों और अमेरिकी वाणिज्य सचिव द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर हलफनामे को स्पष्ट करने के बजाय, प्रधानमंत्री मोदी चुनावी तूफान में हैं, हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का व्यक्तिगत श्रेय ले रहे हैं, उनकी बहादुरी के पीछे छिप रहे हैं और सहमत युद्ध विराम की रूपरेखा को चकमा दे रहे हैं, जिसकी घोषणा विदेश सचिव ने 10 तारीख को ट्रंप के ट्वीट के बाद की थी। क्या अब भारत और पाकिस्तान फिर से एक हो गए हैं? युद्ध विराम समझौते की शर्तें क्या हैं? 140 करोड़ देशभक्त भारतीयों को यह जानने का हक है।

दो चुटकी सिन्दूर का महत्व आप क्या जानते हैं मोदीजी, संजय सिंह ने बीजेपी पर कसा तंज

नई दिल्ली। आप नेता संजय सिंह ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला किया और भाजपा के कथित घर-घर सिंदूर अभियान की आलोचना की। उन्होंने इसे एक राजनीतिक स्टंट बताया और इसे 'एक राष्ट्र, एक पति' योजना करार दिया। हालांकि, भाजपा ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया है कि पार्टी सिंदूर बांटने के लिए घर-घर जा रही है। संजय सिंह ने कहा, क्या चुटकी सिन्दूर का महत्व है आप क्या जानते हैं।

असम में विदेशी बताकर सीमा पार भेजने का आरोप

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि असम सरकार ने विदेशी होने के संदेह में लोगों को बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए जबरन हिरासत में लेना और सीमा पार भेजना शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई बिना नागरिकता की पुष्टि या न्यायिक आदेश के की जा रही है। यह याचिका ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन ने अधिवक्ता अदील अहमद के माध्यम से दाखिल की है।

इस याचिका में 4 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से दिए गए आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें कोर्ट ने असम सरकार को 63 घोषित विदेशियों को दो हफ्तों के भीतर उनके देश वापस भेजने को कहा था, जिनकी नागरिकता पहले से तय थी। लेकिन याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस आदेश का गलत इस्तेमाल करते हुए असम सरकार ने अब एक व्यापक और अंधाधुंध अभियान शुरू कर दिया है, जिसमें उन लोगों को भी पकड़कर सीमा पार भेजा जा रहा है जिनकी नागरिकता की जांच नहीं हुई है, न ही उनके पास अपनी बात रखने का अवसर है।

कर्नाटक में तंबाकू पर सख्ती, खरीदने की उम्र 18 से बढ़ाकर हुई 21 साल

बेंगलुरु। टकर्नाटक सरकार ने तंबाकू उत्पादों को लेकर एक सख्त कानून को अधिसूचित कर दिया है। इस नए कानून के तहत अब तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी गई है, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर तंबाकू का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह अधिसूचना 30 मई को जारी की गई, जब राष्ट्रपति ने 23 मई को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर प्रतिबंध और व्यापार, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) कर्नाटक संशोधन विधेयक, 2024 को अपनी मंजूरी दी।

नए कानून के अनुसार, अब कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक जगह पर तंबाकू का इस्तेमाल नहीं कर सकता। हालांकि, कुछ विशेष जगह जैसे, 30 कमरे या उससे ज्यादा वाले होटल, 30 या उससे ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता वाले रेस्टोरेंट, हवाई अड्डों - इन जगहों पर विशेष स्मोकिंग जोन बनाए जा सकते हैं।

यदि कोई हुक्का बार चलाता पाया गया, तो उसे कम से कम एक साल की जेल, जो बढ़कर तीन साल तक हो सकती है। इसके साथ ही कम से कम ?50,000 का जुर्माना, जो बढ़कर एक लाख रुपये तक हो सकता है।

हुक्का बार पर पूरी तरह प्रतिबंध

नए कानून की धारा 4 ए के तहत अब राज्य में हुक्का बार खोलना या चलाना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर या किसी और के नाम पर हुक्का बार नहीं खोल सकता, चाहे वो ईटिंग हाउस हो, पब हो, बार हो, रेस्टोरेंट हो या किसी भी नाम से चलने वाला कोई भी स्थान हो।

नए कानून के मुताबिक अब कोई भी 21 साल से कम उम्र का व्यक्ति तंबाकू या सिगरेट नहीं बेच सकता।

आपदा से निपटने की तैयारी : ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन

जम्मू। जिला प्रशासन बारामुल्ला ने आपदा प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शनिवार को इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम, बारामुल्ला में ऑपरेशन शील्ड नामक एक बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस अभ्यास में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सूचना व जनसंपर्क विभाग ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

मॉक ड्रिल से पहले डीएसपी मुख्यालय बारामुल्ला और डीएसपी डीएआर ने सभी भाग लेने वाली टीमों को ऑपरेशन के उद्देश्यों, उनकी भूमिकाओं और प्रोटोकॉल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस ब्रीफिंग ने नकली आपातकालीन परिदृश्य के दौरान समन्वय और स्पष्टता सुनिश्चित की। ड्रिल में एक उच्च-तीव्रता वाली आपदा स्थिति का अनुकरण किया गया, जिसमें निकासी, बचाव कार्य, चिकित्सा सहायता, भीड़ प्रबंधन और वास्तविक समय में संचार जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। सभी एजेंसियों ने त्वरित और कुशल प्रतिक्रिया के साथ अपनी तैयारियों का शानदार प्रदर्शन किया।

स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया इस अभ्यास की देखरेख बारामुल्ला के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सैयद अल्ताफ हुसैन मुसवी ने की। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और अन्य हितधारकों के स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। एडीसी ने ड्रिल के सुचारू निष्पादन की सराहना की और इस तरह के अभ्यासों की नियमित आवश्यकता पर जोर दिया।

साक्षात्कार

हमने अपनी गलतियों को पहचाना और किया सुधार

विमान गिरे यह अहम नहीं, क्यों गिरे यह महत्वपूर्ण : सीडीएस

सिंगापुर। ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ हाल के संघर्ष में लड़ाकू विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से छह भारतीय विमानों को मार गिराने के दावे को बिल्कुल गलत बताया है।

वहीं उन्होंने ब्लूमबर्ग टीवी को दिए साक्षात्कार में कहा कि यह ज्यादा जरूरी है कि हम यह समझें कि हमारे विमान क्यों गिरे, ताकि आगे की रणनीति बेहतर बनाई जा सके। जनरल चौहान ने कहा, मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि विमान क्यों गिरे, न कि यह कि वे गिरे। उन्होंने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ विमान जरूर गिरे, लेकिन भारत ने इससे सीख ली और दो दिन के अंदर सुधार कर फिर से अपनी रणनीति को लागू किया। हमने अपनी गलतियों को पहचाना और सुधार किया

उन्होंने बताया कि, हमने अपनी रणनीतिक गलतियों को पहचाना, उन्हें ठीक किया और दो दिन बाद फिर से एयर ऑपरेशन शुरू किया। इस

बार हमने लंबी दूरी से लक्ष्य भेदे। वहीं जब जनरल चौहान से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान ने भारत के छह लड़ाकू विमान मार गिराए, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा, यह दावा बिल्कुल गलत है।

इससे पहले, भारतीय वायुसेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशन्स एयर मार्शल एके भारती ने भी 11 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि लड़ाई में नुकसान होना सामान्य बात है, लेकिन हमारे सभी पायलट सुरक्षित घर लौटे। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने पूरी ताकत से काम किया और दुश्मन को करारा जवाब दिया। विमान गिरे यह अहम नहीं, क्यों गिरे यह महत्वपूर्ण। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के उस दावे का खंडन किया है, जिसमें उसने दावा किया है कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान ने भारत के छह लड़ाकू विमान को मार गिराए है। इस दौरान सीडीएस ने कहा- हम अपनी गलती समझने और सुधारने में सक्षम है और ऑपरेशन सिंदूर में हमने सटीक और प्रभावी जवाब दिया। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ हाल के संघर्ष में लड़ाकू विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से छह भारतीय विमानों को मार गिराने के दावे को बिल्कुल गलत बताया है।

एयर मार्शल ने भी स्वीकारी थी नुकसान की बात

इससे पहले, भारतीय वायुसेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशन्स एयर मार्शल एके भारती ने भी 11 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि %लड़ाई में नुकसान होना सामान्य बात है, लेकिन हमारे सभी पायलट सुरक्षित घर लौटे।% उन्होंने यह भी साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने पूरी ताकत से काम किया और दुश्मन को करारा जवाब दिया। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पाहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं।

राज्यपाल दौरा प्रशासन ने कसी कमर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

डीएम-एसपी ने ली बैठक

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 02 जून को जनपद लखीमपुर खीरी के दौरे पर आ रही है। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की बैठक की शुरुआत में सीडीओ अभिषेक कुमार ने राज्यपाल के 03 जून के मिनट-टु-मिनट कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। डीएम के निर्देश पर परियोजना अधिकारी यूके सिंह ने कार्यक्रम की तैयारियों की प्रगति साझा की बैठक में रूट प्लान, पुलिस व्यवस्था, ग्राम पंचायत बलेरा में प्रस्तावित मुख्य मंच, सांस्कृतिक मंच, पंडाल, एवं प्रदर्शनी स्टालों से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। डीएम-एसपी ने वन विभाग के अधिकारियों से दुधवा टाइगर रिज़र्व में प्रस्तावित बैठक व अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए समय से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए डीएम ने विभिन्न विभागों जैसे कृषि, सहकारिता, एनआरएलएम, समाज कल्याण, उद्योग, आयुष, स्वास्थ्य एवं बाल विकास द्वारा लगाए जाने वाले स्टालों को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए। साथ ही, शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों का चयन एवं वितरण प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ सोरीश सहाय, संजय बिसवाल, सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह पीडी एसएन चौरसिया सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर, अमृत सरोवर का निरीक्षण एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शनिवार को अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग उत्तर प्रदेश सरकार ओम प्रकाश राजभर जनपद लखीमपुर खीरी पहुंचे, जहां उनके आगमन पर स्थानीय प्रशासन द्वारा उनका स्वागत किया।कैबिनेट मंत्री ने अपने भ्रमण की शुरुआत जिला पंचायत के मोहम्मदाबाद स्थित अमृत सरोवर के निरीक्षण से की। उन्होंने सरोवर की संरचना, सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव की स्थिति का अवलोकन किया और स्वच्छता तथा संरक्षण के प्रति संतोष व्यक्त किया।भ्रमण के उपरान्त मंत्री ने अध्यक्ष, जिला पंचायत, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जागन सिह,डीपीआरओ विशाल सिंह, डीपीओ/ प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण लवकुश भार्गव के साथ विभागीय योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गयी बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने जनपद में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक शीघ्रता, पारदर्शिता, और प्रभावशीलता के साथ पहुंचे मंत्री ने निर्देशित किया कि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित किया जाए, ताकि सरकार की जनहितकारी योजनाओं का प्रभाव व्यापक रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन उपलब्ध बजट के अनुरूप समयबद्ध एवं नियोजित ढंग से होना चाहिए, जिससे विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो।

सपा कार्यालय लोहिया भवन पर धूमधाम से मनाई गई महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई, उनकी प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रंद्धाजलि दी। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहिया भवन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अहिल्याबाई होलकर के विचारों और उनके कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई गोष्ठी का संचालन पार्टी के जिला महासचिव अंसार महलूद ने किया।गोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने कहा कि अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं से बाहर जाकर भूखों के लिए अन्न क्षेत्र खोले, पियासो के लिए हजारों प्याऊ बनवाए, सड़के बनवाई, घाट बनवाए। उन्होंने अपना पूरा जीवन दुखियों की सेवा करने में गुजार दिया। यह हिंदू मंदिरों की एक महान निर्माता थी उन्होंने पूरे भारत में सैकड़ो मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण किया। आज वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके विचार हमारे बीच मौजूद हैं। हम उनके आदर्शों पर चलकर समाज सेवा कर सकते हैं।इस अवसर पर गोष्ठी को पूर्व एम0एल0सी0 शशांक यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मो0 कयूम खां, अशोक कश्यप, प्रवीन यादव, इशरार अहमद, शहनवाज, संजीव वर्मा, मदन गोपाल, विनय मिश्रा, मो. आरिफ, भरत लाल कश्यप, विमल राज, राजनरायन तिवारी, इमरान रजा, सुभाष कश्यप, दीपक रस्तोगी, रविशंकर वर्मा, मोहित वर्मा, राहुल सिंह, शेखावत अली, सिकन्दर, धर्मेन्द्र राजवंशी, उमेश यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

01 नफर वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी अभियुक्त लल्लू पुत्र मेवालाल निवासी ग्राम जोधपुर थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी (सम्बन्धित मु0नं0 606/20 अ0सं0 24/20 धारा 420/406/504/506 भादवि थाना फूलबेहड़ खीरी) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है।

पाल समाज ने हर्षोल्लास से मनायी अहिल्याबाई होलकर की जयंती

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) युवा पाल समाज सेवा एवं उत्थान समिति व अखिल भारतीय पाल महासभा के संयुक्त तत्वाधान में पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। इस दौरान महानगर में भव्य शोभा यात्रा भी निकाली गयी। इस अवसर पर महापौर डॉ.अजय सिंह ने जल्द ही नगर में श्लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर एक प्रमुख चौक का निर्माण कराये जाने की घोषणा की।

पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर युवा पाल समाज सेवा एवं उत्थान समिति, उत्तर प्रदेश और अखिल भारतीय पाल महासभा के संयुक्त तत्वावधान में एक ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ प्रातः 10 बजे गोपाल मंदिर, खलासी लाइन से हुआ और जो घंटाघर से होते हुए जनमंच सभागार में सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में घोड़े, रथ, बैंड, ढोल, ट्रैक्टर और सांस्कृतिक झांकियों की अद्भुत छटा देखने को मिली। जनमंच सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अर्जुन पुरस्कार विजेता व राष्ट्रीय एथलीट बहन प्रीति पाल ने कहा कि हमें माता अहिल्याबाई के जीवन मूल्यों त्याग, ईमानदारी और धर्मपरायणता को अपनाकर समाज और राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी गाँव में एक सामान्य लेकिन धर्मपरायण परिवार में हुआ था। वे जन्म से ही शिवभक्त थीं। उनका जीवन त्याग, सेवा, और धर्म के प्रति अद्वितीय समर्पण का प्रतीक रहा। वे शासन चलाने के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण व जनकल्याण कार्यों में अग्रणी रहीं।

सोमवार से कार्य शुरु नहीं किया तो कंपनी होगी ब्लैक लिस्ट

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरी ने हकीकत नगर में सी एम ग्रिड के तहत सड़क निर्माण का कार्य कर रही कांट्रैक्टर कंपनी को सीधे-सीधे दो टूक कहा है कि या तो वह सोमवार से सड़क निर्माण का कार्य शुरु दे अन्यथा कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए उसके खिलाफ एफआईआर करायी जायेगी। नगरायुक्त शिपू गिरी ने शनिवार की दोपहर नगर निगम निर्माण विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर सीएम ग्रिड के तहत कलक्ट्रेट तिराहे से हकीकत नगर होते हुए दीवानी तिराहे तक बन रही सड़क का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने रोड मैप पर जानकारी देते हुए बताया कि 416 मीटर सीवर लाइन तथा 200 मीटर स्टॉम वाटर डेऊन का कार्य हो चुका है, अब जीएसबी डालकर समतलीकरण का कार्य किया जाना है। क्षेत्रीय पार्षद अमित त्यागी एवं हकीकत नगर के व्यापारियों-राजीव खेड़ा, रोहित घई, संदीप सेतिया, संजय सिंह, राजेश व ब्रजेश आदि ने नगरायुक्त को बताया कि काफी समय से सड़क पर कार्य बंद पड़ा है और मिट्टी खोदकर दुकानों के सामने ढेर लगा दिए गए है जिसके कारण व्यापार तो ठप हो ही गया है, सड़क से उड़कर धूल भी मुंह में जा रही है। व्यापारियों ने नगरायुक्त को बताया कि वर्षा हो जाने से भारी कीचड़ सड़क पर हो जाता है तथा सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से लोगों का चलना दूभर हो गया है। इस पर नगरायुक्त ने ठेकेदार कंपनी के वहां मौजूद सुपरवाइजर को दुकानों के सामने जमा मिट्टी दो दिन के भीतर उठवाने तथा धूल से बचाव के लिए टैंकर से छिड़काव कराने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने कांट्रैक्टर कंपनी के प्रोपराइटर को हकीकत नगर से ही फोन पर सीधे-सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि वे सोमवार से मानक के अनुरुप सड़क निर्माण का कार्य शुरु कर दे, अन्यथा उनकी कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए उनके खिलाफ एफआईआर करायी जायेगी। उन्होंने पार्षद व क्षेत्रीय दुकानदारों को आश्वस्त किया कि सोमवार से कार्य शुरु करा दिया जायेगा। नगरायुक्त ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि यदि कांट्रैक्टर कंपनी सोमवार को कार्य शुरु नहीं करती है तो निगम द्वारा गड्ढे भरने तथा सड़क समतलीकरण आदि का कार्य शुरु करा दें और कंपनी के बिल से उस पर आने वाले व्यय को काट लें। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह, अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव, सहायक अभियंता विपुल शर्मा के अलावा अवर अभियंता आदि शामिल रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महान शासिका अहिल्याबाई होलकर का जन्म दिवस

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) महाविद्यालय में महान शासिका अहिल्याबाई होलकर का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 हेमन्त पाल ने देवी अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई होलकर एक दूरदर्शी और बहादुर योद्धा थीं। उनका शासनकाल न्यायप्नियता व शसक्त सैन्यशक्ति के लिए प्रसिद्ध था, उन्होंने बुद्धिमत्तापूर्ण व न्यायोचित ढंग से मालवा पर शासन किया था। इसी क्रम में सांस्कृतिक समिति की संयोजक प्रो0 नीलम त्रिवेदी ने अहिल्याबाई के मानवीय, उदार एवं धार्मिक पक्ष से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो0 सुभाष चन्द्रा ने अहिल्याबाई के द्वारा किये गये लोकहितकारी कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने राज्य व राज्य की सीमाओं से बाहर जलापूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर बावड़ियों, निर्धन एवं निराश्रितों के लिए आश्रय स्थलों का निर्माण कराया था। धर्म एवं संस्कृति के पुनुरुत्थान के लिए उच्चकोटि के विद्वानों को संरक्षण दिया तथा मन्दिरों व शिवालयों का निर्माण कराया। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 संजय कुमार ने अहिल्याबाई के शासनकाल की राजनैतिक समीक्षा करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में व्यवस्थित राजनीतिक ढाँचे का विकास हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

कांग्रेसियों ने मनाई अहिल्याबाई होलकर की जन्म जयंती

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद। युवा कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में महारानी अहिल्याबाई होलकर की जन्म जयंती मनाई गई। कांग्रेसियों ने महारानी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। युवा कांग्रेस कमेटी के विधानसभा अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल ने उनके जीवन काल पर प्रकाश डालते हुए बताया की अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड कस्बे के ग्राम चांडी में हुआ था। अब इस जिले को अहिल्यानगर कहा जाता है। 1733 में उनका विवाह इंदौर के महाराजा मल्हार राव होलकर के पुत्र खांडेराव होलकर से हुआ। तब उनकी उम्र महज आठ साल थी। खंडेराव उनसे दो वर्ष बड़े थे। यह बाल विवाह था। इसलिये अहिल्याबाई विवाह के चार वर्ष तक मायके में ही रहीं। 1737 में उनका गौना हुआ। अब वे एक सामान्य सैनिक की पुत्री से राजवधू बन गई थीं। उनका व्यक्तिगत जीवन विपत्तियों से भरा रहा है। उन पर दुःख और शोक के मानों पहाड़ टूटे, पर वे स्थिर रहीं। जब मात्र 29 वर्ष की थीं, तब पति का निधन हो गया। फिर ससुर और संरक्षक मल्हारराव जी का निधन हो गया। फिर पुत्र का निधन, फिर दौहित्र नत्थो का निधन, फिर दामाद का और फिर अपने पति की चिता पर बेटी का सती होना सब उन्होंने अपनी आंख से देखा था।÷ जब खांडेराव होलकर का निधन हुआ तो मल्हारराव जी ने अहिल्याबाई को सती होने से रोका और राजकाज से जोड़ा और तत्पश्चात उन्होंने होलकर वंश की कमान संभाली थी। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी प्रजा को अपनी संतान से भी ज्यादा प्यार किया। उनका सादगीपूर्ण जीवन, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पण ऐसा था कि उन्हें द फिलॉसफर क्वीन की उपाधि दी गई। उन्होंने महिलाओं के संपत्ति का अधिकार दिया था, साथ ही उन्हें सशक्त बनाने के लिए अस्त्र शस्त्र की शिक्षा दिलवाती थी। अहिल्याबाई ने 13 अगस्त 1795 को अपने जीवन की अंतिम सांस ली। पूर्व नगर अध्यक्ष एम अकरम खां ने उन्हें नमन कर उनके जीवनकाल पर प्रकाश डाला और उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकाली जनजागरूकता रैली

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर नगर की प्रमुख शिक्षण संस्था सत्युग आश्रम इण्टर कॉलेज परिसर से तम्बाकू सेवन रोकथाम के लिए एक जागरूकता रैली निकाली गयी। जिसमें आमजन को तम्बाकू व नशीले पदार्थो के सेवन न करने के लिए प्रेरित किया गया और छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ भी दिलायी गयी। सत्युग आश्रम इंटर कॉलेज प्रांगण से निकाली गयी जागरूकता रैली का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक श्री राजीव गुम्बर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, अध्यापकों और कार्यक्रम में सहयोगी अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को तम्बाकू सेवन न करने के लिए शपथ ग्रहण कराई गयी।

अमित मेडिकल की ओर से कलमकारों को किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद। अमित कुमार वर्मा, (अमित मेडिकल) की ओर से हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर पत्रकारों को सम्मानित किया गया! इस मौके पर पत्रकार साथियों ने अपने-अपने विचार रखें इसमें पत्रकार मुशर्रफ अली ने कहा हमें निष्पक्ष और निडर होकर गरीबों की आवाज बुलंद करनी चाहिए जिससे उनका उनका हक़ मिल सके,टी एस मलिक ने पत्रकारों को बधाई देते हुए एकजुट होकर रहने के लिए कहा! पत्रकार अंकित वर्मा ने इस मौके पर पत्रकारों को बधाई देकर कहा एकता में ही जान है इसलिए सभी पत्रकार साथी मिलजुल कर! पत्रकार सरफराज अहमद ने कहा जब-जब कलम पर पहरा होगा, पत्रकारों का आंदोलन गहरा होगा! प्रोग्राम की आयोजक अमित कुमार वर्मा ने कहा पत्रकार सूरज की तरह चमकने वाला आईना है जैसे सूरज सबको रोशनी देता है वैसे ही पत्रकार समाज को रोशन करता है! इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार टी एस मलिक, मुशर्रफ अली, सरफराज़ अहमद, अंकित शर्मा, डॉ मोहम्मद इकराम, नरेंद्र कुमार, अंकित वर्मा, अपना दल पार्टी के कार्यकर्ता सूर्य प्रताप, पंकज कुमार वर्मा, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे!

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने को डिजिटल सिनेमा में होगा हैल्प लाइन नम्बर का प्रदर्शन

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) जनपद में स्थित समस्त डिजिटल सिनेमा व मल्टीप्लेक्स के प्रत्येक शो में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने तथा जागरूकता बढ़ाए जाने के तहत हेल्प लाइन नंबर का निःशुल्क प्रदर्शन किया जायेगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में सहायक आयुक्त, राज्य कर एवं प्रभारी पूर्व मनोरंजन कर कार्य डीके सिंह ने जनपद के जीएनजी एंटरप्राइजेज मल्टीप्लेक्स, राकेश सिनेमा (रोलिंग हिल्स), कल्पना सिनेमा, चौधरी एसएस मल्टीप्लेक्स, विजय टॉकिज, अमन पैलेस के स्वामी, प्रबंधक, संचालक एवं लाइसेंसी को निर्देश दिए कि मादक पदार्थो की तस्करी की गतिविधियों की रिपोर्टिंग के लिए मानस हैल्पलाईन नं0 1933 के बारे में जागरूकता बढ़ाये जाने के उद्देश्य से जनपद में अवस्थित समस्त डिजिटल सिनेमा व मल्टीप्लेक्स के प्रत्येक शो में निःशुल्क प्रदर्शन सुनिश्चित कराया जाए।

पोक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी को भेजा जेल

सहारनपुर। थाना बेहट प्रभारी सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक करन नागर, महिला उपनिरीक्षक मनोरमा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर पोक्सो एक्ट में वांछित संदीप पुत्र संतीश निवासी ग्राम मौहल्ला बड़ी माजरी थाना बेहट को टोली से कलसिया जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया।

नगर पालिका परिषद के चैयरमेन ने किया कलमकारों को सम्मानित

पत्रकार के बिना अधूरा समाजः चैयरमैन

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद। नगर पालिका परिषद नजीबाबाद के चैयरमेन मुअज्ज़म खान इंजीनियर ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर नगर के पत्रकारों पालिका परिषद में शील्ड देकर सम्मानित किया! इस मौके पर पत्रकारों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए जिसमें पत्रकार शहजाद मलिक ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना है और हमें अपने हित की लड़ाई एक जुट होकर लड़नी चाहिए! वरिष्ठ पत्रकार एजाज़ अहमद ने पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों को मुबारकबाद देते हुए कहा निष्पक्ष होकर पत्रकारिता करें आपको सम्मान ही सम्मान मिलेगा! वहीं वरिष्ठ पत्रकार इकबाल हिंदुस्तानी ने अपने शेर के साथ कहा जिन पत्थरों को हमने बोलनी की अदा सिखाई और जब उनको बोलना आया तो हमीं पर बरस पड़े, उन्होंने कहा कि हम साल में 365 दिन हम पत्रकारिता करते हैं तो 1 दिन हमें अपने लिए भी निकालना चाहिए जिससे कि हममे और हमारी लेखनी में कहां और क्या ख़ामियां है अगर है तो उसको दूर करें, और ऐसे मौके पर एकजुट होकर प्यार मोहब्बत के साथ खुशियां बांटें! वरिष्ठ पत्रकार इरफान अंसारी ने भी सभी पत्रकारों को बधाई दी, और एकजुट होकर रहने की सलाह दी! नगर पालिका परिषद के बड़े बाबू ने पत्रकारों की हौसला अफज़ाई करते हुए कहा पत्रकार समाज का आईना है जो रोज़ मर्रा दुनिया में हो रही गतिविधियों को समाज के सामने लाते हैं! वही इस प्रोग्राम के आयोजक चैयरमैन मुअज्ज़म खां इंजीनियर ने कहा कि कलमकार देश की रीढ़ और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है जिसके बिना सर्व समाज अधूरा है एक पत्रकार ही है जो अपनी - अपनी जान को जोखिम में डालकर दिन भर की गतिविधियों को हमारे सामने लाते हैं और दुनिया में हो रही अच्छाई और बुराई को उजागर करते हैं इतना ही नहीं सरकारी योजनाओं से लेकर सभी सुविधाएं जनता तक पहुंचाने का कार्य पत्रकार ही करते हैं! पत्रकार के बिना नेता बनना भी आसान नहीं है क्योंकि पत्रकार ही एक ऐसी कड़ी है जो हमारी ख़ामियां और अच्छाइयां जनता के सामने लाने का कार्य करते है! इसीलिए हमें हमे सभी पत्रकारों का सम्मान करना चाहिए और ऐसे मौकों को पर पत्रकारों को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई करनी चाहिए! उन्होंने आगे कहा कि वह पत्रकारों को सहयोग के लिए मैं हमेशा तैयार रहूंगा! कार्यक्रम की अध्यक्षता इरफान अंसारी एवं संचालन अफजाल

शैलेंद्र चौधरी कार्यालय पर अहिल्याबाई की जयंती की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम किया

अवधनामा संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर जिले के अपना दल एस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी के द्वारा उनके कार्यालय पर अहिल्याबाई की जयंती की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी जी ने कहा कि अहिल्याबाई का जन्म मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गाँव में हुआ था जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के अहमदनगर में पड़ता है। दस-बारह वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ। उनतीस वर्ष की अवस्था में विधवा हो गईं। पति का स्वभाव चंचल और उग्र था। वह सब उन्होंने सहा। फिर जब बयालीस-तैंतालीस वर्ष की थीं, पुत्र मालेराव का देहान्त हो गया। जब अहिल्याबाई की आयु बासठ वर्ष के लगभग थी, दौहित्र नत्थू चल बसा। चार वर्ष पीछे दामाद यशवन्तराव फणसे न रहा और इनकी पुत्री मुक्ताबाई सती हो गई, दूर के सम्बन्धी तुकोजीराव के पुत्र मल्हारराव पर उनका स्नेह था; सोचती थीं कि आगे चलकर यही शासन, व्यवस्था, न्याय और प्रजारंजन की डोर सँभालेगा पर वह अन्त-अन्त तक उन्हें दुःख देता रहा। राज्य की चिन्ता का भार और उस पर प्राणों से भी प्यारे लोगों का वियोग। इस सारे शोक-भार को अहिल्याबाई का शरीर अधिक नहीं संभाल सका। और 13 अगस्त सन् 1795 को उनकी जीवन-लीला समाप्त हो गई। अहिल्याबाई के निधन के बाद महाराजा तुकोजी राव ने राज्य की शासन व्यवस्था को संभाला।

इस अवसर पर राहुल शर्मा, पवन चौधरी जिला अध्यक्ष पंचायत मंच, वकील अहमद, जिला उपाध्यक्ष अयूब अहमद, सूर्य प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष आटी सेल, अमित और राजीव, डॉक्टर देवेंद्र साहब सिंह प्रदीप, सरदार रक्षपाल सिंह वकील अहमद, दीपक जाटव, अमित गुर्जर, अनूप बाल्मीकि, अमन सरदार कुलदीप सिंह, सरदार हरे सिंह,कपिल भाई, इमरान, नरेश नरेंद्र, आदि उपस्थित रहे!

रास्ते की भूमि पर अवैध अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र मेहरूलकुंडल में रास्ते की भूमि पर एक मनबढ़ द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण करा लेने के विरोध में दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रधान प्रेमचंद यादव ने कहा कि गाटा संख्या 70 भूलेख खतौनी में आबादी दर्ज है। इस भूमि से पूरे गांव के लोगो का आना जाना लगा रहता है।

वर्तमान समय में एक मनबढ़ सत्ता पक्ष के एक नेता के सहयोग से रास्ते की भूमि में अवैध निर्माण कराकर रास्ते को बंद कर रखा हैं। जिससे ग्रामीणों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग किया हैं। वहीं शिकायत के बाद एसडीएम के निर्देश पर पहुंचे नायब तहसीलदार के सामने भी अवैध कब्जा करने वाला मनबढ़ दबंगई दिखाता रहा लेकिन मौके पर अधिकारी कोई निर्णय नहीं ले पाए। इस संदर्भ में एसडीएम दीपक कुमार गुप्ता ने कहा की मौके पर नायब तहसीलदार को भेज कर रिपोर्ट मांगी गई है। प्रदर्शन करने वालो में शिव शंकर, ज्ञानचंद, संदीप, नागेन्द्र प्रसाद, अमरनाथ, रामपलट, सुभाष चंद, अष्टभुजा, चंदन सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

न्याय, सुशासन और जनसेवा की प्रतीक हैं लोकमाता अहिल्याबाई : विधायक

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। लोकमाता पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत सद्भाव मंडपम में नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक और पालिकाध्यक्ष सहित भाजपाइयों ने अहिल्याबाई को नमन किया और उनके विचारों को आत्मसात कर समाज सेवा करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मातृशक्ति को सम्मानित भी किया गया। क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन के मुख्य आतिथ्य एवं पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, ईओ मोनिका उमराव, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ऊषा गुप्ता, वयोवृद्ध भाजपाई सर्वाचरण वाजपेयी, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के विशिष्ट आतिथ्य में संजोए गए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा, अहिल्याबाई लोकनीति, नारी सशक्तिकरण एवं जनसेवा के लिए सभी की प्रेरणास्रोत हैं। उनके आदर्शों पर चलकर समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए सभी को संकल्प लेना होगा।

उन्होंने न्यायप्रिय शासन चलाकर जनकल्याण के लिए जो कार्य किए हैं वह अतुलनीय और प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम में शामिल मातृशक्ति को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया एवं लोकमाता के जीवन दर्शन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं गईं।

संचालन मनीष नगरिया ने किया। इस मौके पर शंभूदयाल स्वर्णकार, राजेश्वरी यादव, अर्चना सोनी, कृष्णा झा, सभासद सीमा अहिरवार, बादाम कुशवाहा, रविकांत कुशवाहा, सुनील शर्मा, नरेश वर्मा, धर्मेंद्र राठौर, बाबूराम पाल, आनंद गुप्ता, शिवसिंह, अनिल पटेल, मयंक मोहन, गौरव सोनी, बृजेंद्र कुशवाहा, प्रदीप वर्मा, आशुतोष मिश्रा, राघवेंद्र निरंजन, राकेश अग्रवाल, डॉ. वसीम आदि रहे। विकास खंड के संयोजकत्व में भी जन्म जयंती व महिला सम्मेलन अभिलाषा गेस्ट हाऊस में मनाई गई। विधायक ने कहा, अहिल्याबाई, रानी लक्ष्मीबाई, रानी झलकारी बाई, रानी दुर्गावती, रानी पद्मावती आदि का अनुकरण कर आज महिलाएं विविध क्षेत्रों में देश का मान बढ़ा रहीं हैं। 20 महिलाओं को कार्य क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दो महिलाओं को पीएम आवास की चाभी भी सौंपी गई। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख रानी देवी, प्रतिनिधि सत्येंद्र निरंजन शीलू, बीडीओ सर्वेश कुमार वर्मा, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सर्वेश निरंजन, नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, राजेंद्र निरंजन चमरसेना, दशरथ पटेल, विकास पटेल धनौरा आदि रहे। संचालन इंजीनियर राजीव रेजा ने किया।

स्वर्ण पदक विजेताओं को खुशबू मिश्रा ने किया सम्मानित

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद के कस्बा कायमगंज में नेशनल चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक मिलना सभी के लिए गर्व की बात -शिल्की मिश्रा। खुशबू मिश्रा ने अपने एनजीओ के साथ स्वर्ण पदक विजेताओं को किया सम्मानित - खुशबू मिश्रा एवं एनसीसी लेफ्टिनेंट शिल्पी मिश्रा ने कैडेट्स के साथ 47वीं राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता ध्रुव शुक्ला, अंजू यादव, युवराज गंगवार का माल्यार्पण कर स्वागत किया और मिठाई खिलाई।इस अवसर पर ध्रुव शुक्ला के पिता राजकिशोर शुक्ल और मम्मी सीमा शुक्ला का भी माला पहनाकर स्वागत किया। चिराग मिश्रा ने केक काटकर सभी को खिलाया।शिल्पी मिश्रा ने जिला सचिव को उपहार स्वरूप टी शर्ट भेंट कर इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए अग्रिम बधाई दी और जनपद में टीम विस्तार के साथ नियमित अभ्यास कराने पर जोर दिया। ध्रुव शुक्ला ने बताया कि इस समय जनपद में लगभग सौ खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं। युवाओं को जागरूक कर विस्तार किया जाएगा। साहसी बालिका संस्था एनजीओ की खुशबू मिश्रा ने कहा कि हमें ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए उनकी तन मन धन से मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम में युक्ता शुक्ला, निकिता, कशिश आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में विश्व तंबाकू दिवस पर राज किशोर शुक्ल ने दिलाई शपथ

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद के विकासखंड कायमगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्रधानाध्यापक ने दिलाई शपथ - शासन के निर्देश पर स्कूलों में ग्रीष्मावकाश होने के बाबजूद परिषदीय विद्यालयों को खोलकर विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल ने स्कूल पहुंच कर अभिभावकों को तंबाकू के प्रयोग से होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर सभी को तंबाकू न प्रयोग करने की शपथ दिलाई। सत्यवती, सत्यभान, ध्रुव शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

गाय को चार पहिया अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मौके पर पहुंचे पशु चिकित्साधिकारी ने घायल गाय का उपचार किया

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के इन्हौना रोड पर औसेरी का पुरवा मजरे मोन गांव के पास शनिवार को सुबह लगभग 7 बजे खेतों की तरफ चरने जा रही गाय को एक चार पहिया अज्ञात वाहन ने सड़क पार करते समय जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप कर घायल होकर वहीं गिर पड़ी ग्रामीणों की मदद से किसी तरह उसे रोड से पटरी पर ले जाया गया, उसके बाद तत्काल सूचना ग्राम प्रधान को दी गई। ग्राम प्रधान ने पशु चिकित्साधिकारी को फोन करके घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्साधिकारी ने घायल गाय का उपचार किया। आपको बता दें कि, गांव निवासी कौशल ने अपनी गाय खेतों में चरने के लिए 7 बजे खोली थी, और जैसे ही वह इन्हौना मार्ग पार कर ही रही थी कि, इन्हौना की तरफ से आ रहे एक चार पहिया अज्ञात वाहन ने गाय को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गाय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर गांव वाले एकत्रित हो गए और इसकी जानकारी ग्राम प्रधान को दी गई। ग्राम प्रधान पति अमरेश कुमार ने पशु चिकित्साधिकारी को तत्काल फोन करके घटना की जानकारी दी।

पशु चिकित्सा अधिकारी ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर गाय का इलाज किया

महराजगंज, रायबरेली। महराजगंज कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है। पकड़ा गया आरोपी कुछ दिनों से फरार चल रहा था, जिसकी पुलिस को तलाश थी। आपको बता दें कि, महराजगंज पुलिस क़ो दुष्कर्म के वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में उस समय सफलता हाथ लगी, जब वह कहीं भागने की फिराक में कैर गांव के पास नहर पुल के पास खड़ा होकर किसी साधन का इंतजार कर रहा था। जैसे ही मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस को यह पता चला कि, दुष्कर्म का वांछित आरोपी राकेश उर्फ बाबर पुत्र नंदकिशोर कैर नहर पुल के पास कहीं जाने की फिराक में खड़ा है, वैसे ही थाना अध्यक्ष जगदीश यादव के नेतृत्व में उप निरीक्षक रोहित कुमार, आरक्षी उदित राज के साथ मौके पर पहुंचकर उसे चारों तरफ से घेर कर गिरफ्तार कर लिया। मामले में कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि, दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी राकेश उर्फ बाबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान योजना के अंतर्गत एक विशेष कृषि जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बस्ती अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन व कृषि निदेशालय एवं कृषि मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में जनपद के विकास खण्ड रुधौली के ग्रामसभा बखरिया में विकसित कृषि संकल्प अभियान योजना के अंतर्गत एक विशेष कृषि जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीकों, योजनाओं एवं प्राकृतिक खेती की पद्धतियों से अवगत कराना है। कार्यक्रम के निरीक्षण एवं मार्गदर्शन हेतु शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी टी.एम. त्रिपाठी, अपर निदेशक कृषि (कृषि रक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ तथा जनपद स्तरीय नोडल अधिकारी अशोक गौतम, उप कृषि निदेशक, ने ग्रामसभा का भ्रमण किया। दोनों अधिकारियों ने खेतों और किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर शासन द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी एवं उनके लाभों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने कृषि रक्षा रसायनों पर मिलने वाले अनुदानों, उनके वैज्ञानिक उपयोग एवं किसानों को समय पर उपलब्ध कराए जा रहे संसाधनों की जानकारी साझा की।

जनपद के आकांक्षात्मक विकास खण्डों का नोडल अधिकारियों द्वारा निरीक्षण

उरई (जालौन)। जनपद के आकांक्षात्मक विकास खण्डों में शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारियों ने 05 प्रमुख विषयगत क्षेत्रों स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएं, आधारभूत अवसंरचना तथा सामाजिक विकास के अंतर्गत निर्धारित 50 संकेतकों (इंडीकेटर्स) के आधार पर किए जा रहे कार्यों का स्थलीय एवं भौतिक निरीक्षण किया। रामपुरा विकास खण्ड के लिये नामित नोडल अधिकारी श्री जंग बहादुर यादव, अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त, राजस्व परिषद, ने विकास खण्ड के ग्राम मजीठ एवं टीहर में विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत सचिवालय, आरआरसी केन्द्र तथा जन सेवा केन्द्र द्वारा दी जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

भाजपा नेता विकास राजपूत के कार्यालय पर अहिल्याबाई होलकर जयंती पर भव्य आयोजन

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। सातनपुर मंडी रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं समाजसेवी विकास राजपूत के कार्यालय पर आज लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं समाजसेवी विकास राजपूत, एवं भाजपा की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती बबीता पाठक ने संयुक्त रूप से पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर एनडीए गठबन्धन के सभी नेता पहुंचे समाजसेवी विकास राजपूत के कार्यालय। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, करणी सेना के जिलाध्यक्ष ठाकुर मंथन सिंह, जिला महासचिव ठाकुर प्रदीप सिंह, अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सचिव सुरजीत कटियार, ठाकुर दीपक सिंह, यश श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, विकास पाठक, भगवान सिंह, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष अतुल बाथम, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिल कश्यप, वीरेंद्र कश्यप सहित कई गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

पूर्व मंत्री सर्वेश अंबेडकर की मौजूदगी में सपा कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर जयंती कार्यक्रम संपन्न हुआ

अवधनामा संवाददाता

फर्रुखाबाद। आज समाजवादी पार्टी कार्यालय, फर्रुखाबाद में अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी एवं सदर प्रभारी डॉ. दिलीप यादव रहे उन्होंने जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव सहित अन्य नेताओं के साथ अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में डॉ. दिलीप यादव ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा द्वारा निकाली जा रही रैलियों का उद्देश्य केवल राजनैतिक स्वार्थ है, जबकि उनके कार्यों से होल्कर समाज को कोई लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठ की राजनीति कर रही है, जिसे जनता भलीभांति समझ चुकी है, और 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेकर हमें एक-एक बूथ पर मेहनत करनी होगी। डॉ. यादव ने कहा कि नेताजी (स्व. मुलायम सिंह यादव) ने सभी समाजों को जोड़ने का काम किया था। केवल मुस्लिम और यादव समाज से सरकार नहीं बनती, बल्कि समस्त ओबीसी समाज को एकजुट करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी का ÷पढ़ा का संकल्प÷ एक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहा है, जिसका परिणाम हमें 2024 में दिखाई दे चुका है और 2027 में इसका प्रभाव और व्यापक रूप से देखने को मिलेगा। इसके लिए हमें सभी समाजों को जोड़कर सार्थक राजनीति करनी होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि नए मतदाताओं, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पार कर चुके युवाओं एवं नवविवाहित महिलाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से करें। सदर विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक कर बूथ स्तर की सक्रियता पर बल दिया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने पेंशन बंद कर दी युवाओं को संविदा पर 4 साल की नौकरी का झुनझुना पकड़ा दिया और किसानों की उपेक्षा की है।

राष्ट्रीय शिविर में शामिल होंगे एमजीयूजी के तीन एनसीसी कैडेट

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तीन एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) कैडेट, सीमा दर्शन टूर एंड ट्रैक राष्ट्रीय शिविर बरेली में शामिल होंगे। 1 से 8 जून तक आयोजित राष्ट्रीय शिविर में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से कुल पांच कैडेट का चयन राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है जिनमें से तीन एमजीयूजी के हैं। एमजीयूजी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय के तीन कैडेट लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट अरुण विश्वकर्मा और आलोक दीक्षित बटालियन का प्रतिनिधत्व करेंगे। एमजीयूजी के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने राष्ट्रीय शिविर में चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है कैडेट्स अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर नई उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में सैकड़ों बच्चों का हुआ सुवर्णप्राशन

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में शनिवार को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का लाभ शहर ही नहीं, दूरदराज़ से आए 16 वर्ष से कम आयु के सैकड़ों बच्चों ने लिया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि सुवर्णप्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक विधि है। यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बार-बार होने वाले सर्दी, खांसी व अन्य संक्रमणों से बचाने, बुद्धि, पाचन व शारीरिक बल को सुदृढ़ करने के लिए पुष्य नक्षत्र में दी जाती है। यह आयुर्वेदिक टीकाकरण विधि बच्चों के समग्र विकास हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह सेवा प्रत्येक पुष्य नक्षत्र को निःशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाती है। सुवर्णप्राशन संस्कार आयुर्वेद विज्ञान का एक अभूतपूर्व योगदान है, जो आज की पीढ़ी को स्वस्थ और सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, एवं शिशु व बाल रोग विभाग (आयुर्वेद) के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. श्रीलक्ष्मी व डॉ. की सक्रिय सहभागिता रही।

पुष्य नक्षत्र में हुआ सुवर्णप्राशन का आयुर्वेदिक टीकाकरण

कर्नलगंज में द जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया हिंदी पत्रकारिता दिवस

गोंडा। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में नगर कर्नलगंज के चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में हिंदी पत्रकारिता दिवस पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। यह दिन हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव का प्रतीक है, जब 1826 में पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से पहला हिंदी समाचार पत्र 'उदंत मार्तंड' प्रकाशित किया था। इस अवसर पर आयोजित समारोह में पत्रकारों, साहित्यकारों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमामयी बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार पवनदेव सिंह ने की।

किसानों की भूमि में हो रहे अवैध खनन को लेकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र के बरौली में किसानों के भूमि में हो रहे अवैध खनन को लेकर दर्जनों की संख्या में किसानों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। और एसडीएम सहजनवा को ज्ञापन सौंप कर कारवाई करने की मांग किया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 825 कई हिस्से में बंटा हुआ है। इस भूमि में करीब 60 डिसमिल से अधिक भूमि अन्य लोगों का हैं। जो दबंगई के बल पर अन्य किसानों के भूमि में अवैध खनन कर मिट्टी बेच रहे है। विरोध करने पर मारपीट पर आमादा है। इस संदर्भ में एसडीएम दीपक कुमार गुप्ता ने कहा कि किसानों की शिकायत मिली है। नायब तहसीलदार को निर्देश दिया गया है। पुलिस बल के साथ जाकर भूमि को चिन्हित कर रिपोर्ट मांगा गया हैं। प्रदर्शन करने वालो में विनोद उपाध्याय, जय प्रकाश, राम नारायण, विजेंद्र, दयानंद नवीन, देवानंद, धर्मेंद्र, चिराग, सुखपाल, श्रीराम सहित अनेक किसान मौजूद थे।

हाइवे के किनारे झूल रहा है तार, विभाग कर रहा है हादसे का इंतजार

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा नगर पंचायत हाइवे के किनारे मुरारी इंटर कालेज के पास जर्जर बिजली का तार जमीन से कुछ दूरी पर झुल रहा है।जिसके कारण हमेशा हादसे की आशंका बना हुआ है।स्थानीय लोगों ने झुलते तारों को ठीक कराने की मांग की है। जुड़ियान बिजली घर कस्बा स्थित हाइवे के किनारे उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति देने के लिए एलटी तार की सप्लाई की गयी है। तार जर्जर होकर काफी दिनों से झूल रहे है। लेकिन विभाग उसे ठीक नहीं करा पा रहा है। स्थानीय अजीत यादव, सर्वेश पांडेय, सुरज सिंह, आनन्द पांडेय, अजय शुक्ल समेत अन्य ने बताया हाइवे के किनारे मुरारी इंटर कालेज है। जहा आसपास करीब दो हजार बच्चे पडते है।स्थानीय लोग भी हाइवे के किनारे से ही आते जाते है। काफी दिनों से एलटी सप्लाई का जर्जर तार जमीन से मात्र चार पांच फीट की दूरी पर झूल रहा है। जिसके कारण हमेशा हादसे की आशंका बनी हुई है।साथ झूलते तारों के टकराने से फाल्ट की समस्या हो रही है। जिससे लोग भीषण गर्मी में परेशान भी हो रहे है।विभाग के अधिकारीयों कई बार शिकायत कर तारों को ठीक करने की मांग हुई लेकिन लापरवाही का आलम यह था कि आजतक ठीक नहीं हुआ। जिससे लगता है विभाग के लोग हादसे का ही इंतजार कर रहे है।अवर अभियंता आरके सिंह ने कहा झूलते तारों को जल्द ही ठीक करा दिया जायेगा।

परसपुर में 14 वर्षीय बच्चे की धारदार हथियार से निर्मम हत्या

गोंडा अवधनामा संवाददाता। जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के धोबही गांव में 14 वर्षीय बच्चे प्रदीप की धारदार हथियार से हत्या किए जाने की दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। प्रदीप, जो उमरीबेगमगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव का निवासी बताया जा रहा है,अपने चाचा के साथ धोबही गांव गया था। वहां संदिग्ध परिस्थितियों में उसका शव बरामद हुआ। जिसके बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। परिजनों का आरोप है कि प्रदीप की हत्या धारदार हथियार से की गई और उसके शव को फेंक दिया गया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने प्रदीप के पेट पर धारदार हथियार से वार किया,जिससे वह गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

कार्यालय नगर पंचायत खीरी
जनपद-खीरी, (उ0प्र0) 262702

पत्रांक- 895/न0पं0खीरी0/ई-निविदा-सूचना/2025-26 दिनांक- 31.05.2025

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत खीरी द्वारा ''राज्य वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत'' प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित निर्माण/विकास कार्य कराने हेतु ई-टेन्डर के माध्यम से दिनांक-02.06.2025 से दिनांक-21.06.2025 समय-11:00 बजे पूर्वाह्न तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनके निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जो निर्धारित समयान्तर्गत डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं, तदोपरान्त प्राप्त निविदाओं को दिनांक-21.06.2025 को समय-04:00 बजे अपराह्न टेण्डर कमेटी द्वारा खोला जाएगा, अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्य दिवस में उसी समय निविदाएं खोली जाएंगी।

नोट : कार्यों का विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित आवश्यक नियम व शर्ते वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत खीरी
जनपद-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत खीरी
जनपद-खीरी

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय
टिकरा, बिसवाँ, सीतापुर - 261201

आवश्यकता है

कला संकाय - स्नातक

सहायक आचार्य - कला संकाय (बी0ए0) हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, राजनीति शास्त्र एवं समाज शास्त्र विषय हेतु।

विज्ञान संकाय - परास्नातक

सहायक आचार्य - विज्ञान संकाय (एम.एस-सी0) जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व रसायन विज्ञान विषय हेतु।

योग्यता एवं वेतनमान यू.जी.सी. / राज्य सरकार एवं लखनऊ वि.वि., लखनऊ के मानकानुसार

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन प्रार्थना पत्र समस्त शैक्षिक अभिलेखों की प्रमाणित प्रतिलिपियों एवं चार नवीनतम फोटो ग्राफ के साथ 31.05.2025 तक रजिस्टर्ड डाक द्वारा या सीधे महाविद्यालय कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में जमा कर सकते है।

प्रबन्धक : 9450795313, 8299494262

सूचना

दि. 30.5.2025 को मैं क़रीब 2 बजे दिन सिविल कोर्ट से एक्टिवा द्वारा घर जा रहा था कोर्ट रोड़ के पास मेरा बैग कहीं गिर गया है। बैग में असल बैनामा दि.29. 7.2005 जो बही सं.1 जिल्द सं. 885 पृष्ठ 183 से 204 क्रमांक 3908 पर सब रजिस्ट्रार ऑफिस में दर्ज है बैनामे का कोई व्यक्ति दुरूपयोग ना कर पाए इसलिए सूचना दी जा रही है यदि किसी को मिले तो संपर्क करें।

अजय कुमार पुत्र चमन लाल नि.बी.10 केशव नगर,नुमाईश कैम्प, कोतवाली नगर, सहारनपुर मो.नं. 9837003949

सूचना

मैं अख्लाक अहमद खान पुत्र इरशाद अहमद नि. गली नं-2 मदीना मस्जिद के सामने, किला नवाब गंज कोतवाली नगर, सहारनपुर सूचित करता हूं कि मेरा पुत्र शाबान व पुत्रवधु श्रीमति गुलअफशा हमारे कहने सुनने में नहीं है अक्सर हमसे दुर्व्यवहार करते है। अतः मैंने पुत्र शाबान व श्रीमति गुलअफशा को उनके गलत/बुरे आचरण के कारण अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बे दखल कर उनसे सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं अपने किसी भी कार्य हेतु वोह खुद ज़िम्मेदार होंगे।

संघर्षशील साथी को दी गई विदाई

अयोध्या में एनआरएमयू नेता अश्वनी तिवारी लालू के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। नेशनल रेलवे मज़दूर यूनियन (एनआरएमयू) के मंडल उपाध्यक्ष कामरेड अश्वनी कुमार तिवारी %लालू% के सेवानिवृत्त होने पर रेलवे कर्मचारियों और यूनियन पदाधिकारियों ने एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। इस गरिमामयी समारोह का आयोजन अयोध्या रेलवे परिसर स्थित एक सभागार में किया गया, जहां बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी, यूनियन प्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) और एनआरएमयू के राष्ट्रीय महामंत्री शिव गोपाल मिश्र रहे, जिन्होंने श्री तिवारी के लंबे संघर्ष, नेतृत्व और संगठन के प्रति समर्पण को सराहा। उन्होंने कहा कि अश्वनी तिवारी न केवल एक कर्मठ कर्मचारी रहे, बल्कि संगठन के हितों की रक्षा में भी उन्होंने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई।सेवानिवृत्त के बाद नई जिम्मेदारी शिव गोपाल मिश्र ने घोषणा की कि अब जबकि श्री तिवारी रेलवे सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, एआईआरएफ उन्हें सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के लिए कार्यरत संगठन की ज़िम्मेदारी सौंप रहा है। इस नई भूमिका में वह देशभर के लगभग 14 लाख सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं और उनके अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं पर फोकस

अपने संबोधन में श्री मिश्र ने वर्तमान समय में रेलवे कर्मचारियों को हो रही समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि संगठन विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों की मांगों, सुविधाओं और अधिकारों को लेकर संघर्षरत है। इस दिशा में एनआरएमयू की भूमिका लगातार सक्रिय और प्रभावी रही है। श्री तिवारी का योगदान अविस्मरणीय

समारोह में विभिन्न यूनियन नेताओं और सहकर्मियों ने अश्वनी तिवारी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व, साहस और संगठनात्मक समझ, यूनियन के लिए प्रेरणास्रोत रही है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सैकड़ों कर्मचारियों के हित में संघर्ष किया और संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

सम्मान और स्मृतिचिह्न भेंट

अभिनंदन समारोह के अंत में श्री तिवारी को सम्मान पत्र और स्मृतिचिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह के दौरान भावुक क्षण भी देखने को मिले, जब उनके साथियों ने पुराने संघर्षों और यादों को साझा किया।यह आयोजन न सिर्फ एक सम्मान समारोह था, बल्कि यह संगठनात्मक एकता, संघर्ष और समर्पण की मिसाल भी बनकर उभरा।

सीएम योगी के प्रस्तावित दौरे से पहले जिलाधिकारी ने किया स्थलों का निरीक्षण

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित अयोध्या दौरे की तैयारियों के तहत जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बीती देर शाम विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्री राम जन्मभूमि परिसर के प्राण प्रतिष्ठा स्थल, राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल, मणिरामदास छावनी के पास धर्म मंडप, और पुष्प वाटिका हेलीपैड के समीप नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे प्लांटेशन स्थल की स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी नगर, उप जिलाधिकारी सदर समेत कार्यदायी संस्था के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला महिला चिकित्सालय में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिला महिला चिकित्सालय अयोध्या में ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ योजना के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवजात बालिकाओं के साथ केक काटकर %कन्या जन्मोत्सव% के रूप में की गई। इस अवसर पर उपस्थित 24 नवजात बच्चियों को बेबी किट, फीडिंग बोतल, डायपर सहित अन्य आवश्यक सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को कन्या भ्रूण हत्या के दुष्परिणामों, बालिकाओं के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को समाप्त करने, तथा लड़कियों को शिक्षा एवं समान अवसर देने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में सदर विधायक के प्रतिनिधि, जिला विकास अधिकारी महेंद्र देव पांडेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी कुमार, जिला चिकित्सालय से सीएमएस डॉ. विभा एवं डॉ. आशा राम उपस्थित रहे। महिला कल्याण विभाग अयोध्या से हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन की जिला मिशन समन्वयक श्रीमती वंदना तिवारी, वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर श्रीमती प्रभा मणि पाल, परामर्शदाता प्रतिभा पांडेय, इंदु गौड़ व विपिन कुमार सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।इसके अतिरिक्त चाइल्डलाइन से प्रीति तिवारी और सामाजिक सेवा समिति से कविता मिश्रा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और बालिका सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

पत्रकार दानिश के नेतृत्व में रविन्द्र का देवा में जोरदार किया स्वागत

देवा बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा भारत की तिरंगा शौर्य यात्रा व पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष में दिल्ली से लखनऊ होते हुए जनपद बाराबंकी मे शौर्य यात्रा रैली के साथ बाराबंकी के कोऑपरेटिव बैंक में पत्रकार सभा का संबोधन कर जनपद के तेज तर्रार साहसी पत्रकारों को सम्मानित कर सभा संबोधित किया इसके साथ ही से देवा शरीफ कस्बा पहुंचे अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा का स्वागत वरिष्ठ पत्रकार दानिश के नेतृत्व में कौमी कौमी एकता गेट पर प्रशासन की मौजूदगी में सुरक्षा के व्यवस्था के साथ कस्बा देव में फूल मालाओं व नारों के साथ जोश से स्वागत किया गया आहूजा के अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा का काफिला कौमी एकता गेट से से मजार पर दर्शन करने के बाद पत्रकार दानिश वारसी के आवास से होते हुए शादाब कमाल शिवली के प्लांट पर रवींद्र मिश्र ने पत्रकारों के साथ कार्यकर्ताओं कस्बा वासियों को भी संबोधित किया इसके साथ ही कस्बा के पत्रकार हुमायूं कबीर, राजकुमार श्रीवास्तव पूर्व सभासद, अयाज वारस, हरीश सोनी व कस्बे के मोहम्मद अनीस भंडारी, मोहम्मद सलीम सल्लू, मोहम्मद मारूफ, सोना, तुफैल, रियाज अहमद, शाहबाज अहमद, मोहमद वारिस आदि के साथ, महिला कार्यकर्ता, महिला नेत्री जीनत फातिमा आदि महिलाओं व तमाम कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ पत्रकार दानिश वारसी के नेतृत्व में रविंद्र मिश्रा का कस्बा देवा पाक सरजमीन पर स्वागत के साथ अभिनंदन किया इसके साथ ही रविंद्र मिश्रा ने लखनऊ जिला उपाध्यक्ष पद पर रह रहे वरिष्ठ पत्रकार दानिश वारसी को ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन में प्रदेश सचिव नियुक्त करने के साथ मुबारकबाद भी दी पत्रकार हुमायूं कबीर ने शायराना अंदाज में रविंद्र मिश्रा का सम्मान किया रविंद्र मिश्रा ने हुमायूं कबीर की शायराना अंदाज पर उनके गले मे माला डालकर सम्मानित भी किया साथी पत्रकारों के साथ हर कदम पर ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन हर कदम सहयोग के लिए तत्पर है इसके साथ ही लोगों की समस्याओं के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार से अवगत कराने के लिए भी तत्पर है इसके बाद काफिला वापस दिल्ली के लिए रवाना हुआ

हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास व पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने किया मां राधिका होटल का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। शहर में आतिथ्य सेवा को नया आयाम देते हुए ÷मां राधिका होटल÷ का भव्य शुभारंभ किया गया। होटल का उद्घाटन हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास एवं हेमंत दास के करकमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री तेज नारायण पवन पांडेय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिक्षक नेता एवं सपा शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दानबहादुर सिंह द्वारा संचालित है। होटल के उद्घाटन अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षा जगत से जुड़े लोग, राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान महंत संजय दास ने कहा कि अयोध्या एक तीर्थस्थल ही नहीं, अब एक वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल बन चुका है, ऐसे में यहां उच्च स्तरीय सुविधाओं से युक्त होटलों की आवश्यकता है। पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने दानबहादुर सिंह को इस पहल के लिए बधाई दी और इसे रोजगार सृजन का भी एक सशक्त माध्यम बताया।

उद्घाटन के बाद अतिथियों को होटल का भ्रमण कराया गया और सभी को जलपान भी कराया गया। कार्यक्रम में सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच अयोध्या की संस्कृति और विकास के नए स्वरूप की झलक देखने को मिली।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर 'अहिल्या सम्मान' से नारी शक्ति का सम्मान

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यालय सहादतगंज में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 21 मई से 31 मई तक चलने वाले त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत यह आयोजन भारतीय संस्कृति, नारी सशक्तिकरण और जनसेवा के प्रतीक अहिल्याबाई को समर्पित रहा।कार्यक्रम में पूर्व महानगर अध्यक्ष महिला मोर्चा रीना द्विवेदी ने पाँच वरिष्ठ महिला कार्यकर्ताओं को 'अहिल्या सम्मान' से नवाजा गया। सम्मानित महिलाओं में शकुन्तला त्रिपाठी, मालती चौहान, इन्द्रासेन, माधुरी सेन और शशिरानी शर्मा शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा, रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन नारी सशक्तिकरण और सेवा भाव का आदर्श है। उन्होंने जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जो आज भी भारतीय संस्कृति की प्रेरणास्रोत धरोहर हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल ने कहा, रानी अहिल्याबाई का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है। भाजपा सदैव महिलाओं की भागीदारी को सम्मान देती है और यह सम्मान समारोह उसी विचार का प्रतीक है।पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा, अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान विभूतियों के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सशक्त नेतृत्व केवल शासन में ही नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति के संरक्षण में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। आज के समय में उनके आदर्शों को अपनाने की विशेष आवश्यकता है। कार्यक्रम में कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनमें डा. राकेश मणि त्रिपाठी, महानगर महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, तिलकराम मौर्या, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, चन्द्रभान पासवान, राम मोहन भारती, अखंड प्रताप सिंह डिम्पल, बब्लू मिश्र, फयाराम वर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज मिश्र, गोसाईगंज चेयरमैन डा. विजय लक्ष्मी जायसवाल, प्रतिमा शुक्ला और प्रसूनलता प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

कृषि संकल्प अभियान के तहत विधायक ने किया कृषक मेले का उद्घाटन

बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) प्री-खरीफ सीजन के तहत चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तीसरे दिन 31 मई को जनपद के 9 ग्रामों में गोष्ठियों का आयोजन किया गया। तीन टीमों ने किसानों को खरीफ फसलों, प्राकृतिक खेती, मृदा परीक्षण, फसल चक्र और मिलेट्स फसलों के उत्पादन पर प्रशिक्षण दिया। विकास खंड हैदरगढ़ के ग्राम चिरैया में विधायक दिनेश रावत की उपस्थिति में कृषि निवेश मेला भी आयोजित हुआ। मेले में उप कृषि निदेशक श्रवण कुमार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. अश्वनी कुमार सिंह समेत 500 से अधिक किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों को कृषि निवेश उपलब्धता, विभागीय योजनाएँ, उर्वरक संतुलन और आईपीएम विधियों की जानकारी दी गई। यह अभियान 12 जून 2025 तक जनपद की 135 न्याय पंचायतों के चयनित ग्रामों में जारी रहेगा। 01 जून को भी 09 ग्रामों में गोष्ठियाँ आयोजित की जाएंगी।

समर कैंप में लेखाधिकारी संतोष ने बच्चो का उत्साह बढ़ाया

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। देवा के राजकीय हाईस्कूल मित्तई में चल रहे समर कैंप के 11वें दिन का आयोजन शनिवार को उल्लासपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। विशेष अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के वित्त एवं लेखाधिकारी संतोष कुमार मौर्य ने कैंप का निरीक्षण कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रधानाध्यापिका दीपमाला वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथि का स्वागत किया। कैंप में बच्चों ने योग, व्यायाम तथा रसोई क्रियाकलाप में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को इडली, ढोकला, केक व टमाटर सूप बनाना सिखाया गया। बच्चों के आग्रह पर लेखाधिकारी महोदय ने स्वयं केक काटकर सभी को प्रोत्साहित किया। कलात्मक गतिविधियों में बच्चों ने पेंटिंग, कैरी बैग, वेस्ट मटेरियल आर्ट, मिट्टी की मूर्तियाँ, ब्लॉक पेंटिंग जैसी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। लेखाधिकारी श्री मौर्य ने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की। खेल प्रतियोगिताओं में भी श्री मौर्य ने बच्चों के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की आरोग्य वाटिका में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने प्रेरक संदेश में उन्होंने कहा हर दिन कुछ नया सीखें और पूरी लगन के साथ कार्य करें। नियमित प्रयास से ही सफलता मिलती है। प्रधानाध्यापिका दीपमाला वर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार प्रकट किया।

दुकान खुलते ही आबकारी विभाग की छापेमारी, ओवररेटिंग पर सख़्ती

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी के निर्देश पर 31 मई 2025 को जिला आबकारी अधिकारी बाराबंकी ने फतेहपुर तहसील की शराब दुकानों पर औचक छापेमारी की। आबकारी निरीक्षक गजेन्द्र के साथ की गई इस कार्रवाई में देशी शराब दुकान अनवारी, कम्पोजिट शॉप अनवारी, देशी शराब दुकान कुर्सी व कम्पोजिट शॉप कुर्सी का निरीक्षण किया गया।छापेमारी से पूर्व गोपनीय टेस्ट परचेजिंग कराई गई, जिसमें कहीं भी ओवररेटिंग नहीं पाई गई। दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय मिले और मदिरा की बिक्री पीओएस मशीन से ही करने के निर्देश दिए गए। स्टॉक रजिस्टर अद्यतन पाया गया और स्टॉक का मौके पर मिलान कराया गया। दुकान परिसरों की सफाई व्यवस्था पर भी जांच हुई। गंदगी मिलने पर कम्पोजिट शॉप कुर्सी व अनवारी को नोटिस जारी किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मदिरा बिक्री में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साइबर सेल की कार्रवाई पीड़िता को वापस मिली 30,937 की रकम

बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) सोशल मीडिया के ज़रिए हो रहे साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बाराबंकी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में थाना मसौली क्षेत्र की निवासी आरिफा बानो पुत्री मुजम्मिल हासमी के साथ इंस्टाग्राम पर क्यूआर कोड भेजकर 30,937 रुपये की ठगी की गई थी। सूचना ऑनलाइन 1930 हेल्पलाइन के माध्यम से साइबर क्राइम थाना बाराबंकी को प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में त्वरित कार्रवाई की गई।

साइबर सेल द्वारा तत्काल संबंधित बैंक व मर्चेंट से समन्वय कर खाता होल्ड कराया गया और सम्पूर्ण रकम 30,937 आवेदिका के खाते में सुरक्षित वापस कराई गई। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी की किसी भी घटना की तत्काल सूचना 1930 हेल्पलाइन नंबर या साइबर सेल को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पुलिस का ऑपरेशन निगरानी 102 अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट

बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जनपद में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु ऑपरेशन निगरानी चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एनडीपीएस, गोवध, चोरी, लूट, डकैती, हत्या व अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त 102 अभ्यस्त अपराधियों की नई हिस्ट्रीशीट खोलकर उनकी सख्त निगरानी शुरू कर दी गई है। जनपद के सभी थानों को अपने क्षेत्र के सक्रिय व पेशेवर अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध हिस्ट्रीशीट खोलने व निरोधात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। अब तक थाना असन्द्रा में सबसे अधिक 14, कोतवाली नगर व रामनगर में 9-9, देवा में 7 व अन्य थानों में भी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि जनपद में अपराध या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट, गुण्डा एक्ट, जिला बदर व कुर्की जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओपन जिम से कैदियों का स्वास्थ होगा दुरुस्त

जिला कारागार का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिला कारागार का शनिवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने सामान्य बैरक, महिला बैरक, कारगर चिकित्सालय, पाकशाला व जेल परिसर आदि की व्यवस्था परखा। जिलाधिकारी श्री शर्मा ने बंदियों की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करते हुए समस्या के गुणवत्तापूर्ण व नियमानुसार निस्तारण हेतु जेल अधीक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने बंदियों की विधिक समस्याओं के समाधान हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से समन्वय करते हुए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर में निर्मित ओपेन जिम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक के साथ किया। जेल अधीक्षक ने बताया कि बंदियों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत ओपेन कारागार मुख्यालय द्वारा कराया गया है। वर्तमान में जेल में कुल 675 बंदी निरुद्ध थे। इनमें 582 पुरुष बंदी और 42 महिला बंदी हैं, जबकि विदेशी बंदी 07 हैं। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक आशीष रंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जयंती पर अहिल्याबाई होल्कर की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

नपा महराजगंज द्वारा आयोजित हुआ सम्मेलन

अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। पुण्यश्लोक लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर नगरपालिका परिषद महाराजगंज द्वारा वृहद स्तर पर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ संजय पांडेय ने किया जबकि संचालन जिला महामंत्री ओम प्रकाश पटेल ने किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ला ने लोक माता अहिल्या बाई होलकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि जब देश में विदेशी आक्रांताओं के द्वारा मंदिर ध्वस्त किये जा रहे थे तब रानी अहिल्याबाई ने बिना भय के

बिना किसी राजनीतिक समर्थन के उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का विराट कार्य अपने हाथों में लिया था। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण के लिए जीवन समर्पित कर दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल ने कहा कि ने कहा कि लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के शौर्य, न्याय, सेवा, त्याग, बलिदान के बारे में जितना कहा जाय कम होगा। सम्मेलन को कार्यक्रम के जिले संयोजक जिला महामंत्री बबलू यादव, वरिष्ठ नेता अजय कुमार श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह ,प्रमुख प्रतिनिधि इंजी विवेक गुप्ता, चेयरमैन प्रतिनिधि अजय मधेशिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, डी सी एफ चेयरमैन अशोक तिवारी, जिला मंत्री आशुतोष शुक्ला गौतम तिवारी सरोज पांडेय,मौजूद रहे।

तिराहे पर हाईमास्ट लाइट लगाने की मांग

मिठौरा (महराजगंज। अवधनामा संवाददाता) उपनगर मिठौरा ब्लॉक के बगल में मोरवन रोड तिराहा पर ग्रामीणों ने हाईमास्ट लाइट की मांग की हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अंधेरा होने से तिराहे पर दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। समाजसेवी सुनील कुमार ने बताया कि यह तिराहा न केवल सबसे व्यस्त स्थल है, बल्कि आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग भी यहीं से होकर गुजरता है। शाम ढलते ही पूरा क्षेत्र -अंधेरे में डूब जाता है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अंधेरे में हो रही हैं दुर्घटनाएं, राहगीरों के लिए खतरा बना रहता है। मिठौरा ब्लॉक तिराहा के ग्रामीण एवं राहगीरों संजय कुमार गुप्ता दिग्विजय मौर्य उपेंद्र निगम बृजेंद्र निगम मनोज पाठक दिलीप मणि पांडेय संजय निगम आदि लोगो ने बताया कि चौराहे पर रोशनी की बहुत कमी है। हाईमास्ट लाइट लग जाने से ये सब समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

महामंत्री गोविंद शुक्ल का हुआ जोरदार स्वागत

अवधनामा संवाददाता

नौतनवा (महराजगंज)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व सदस्य विधान परिषद गोविंद शुक्ल का महराजगंज जनपद में प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह के नेतृत्व में फरेंदा छतरी पुल के नीचे जोरदार स्वागत किया। शुक्ल के आगमन से एक घंटे पूर्व ही भाजपा कार्यकर्ता छतरी पुल के नीचे एकत्रित होकर भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद ,जिंदाबाद व गोविंद शुक्ला का स्वागत है के नारे लगा रहे थे तभी पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह के साथ माननीय विधान परिषद सदस्य व प्रदेश महामंत्री गोविंद शुक्ला का काफिला पुल के नीचे पहुंचता है जहां उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया जाता है। स्वागत करने वालों में पूर्व विधायक शिवेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, फरेंदा चेयरमैन प्रतिनिधि राजेश जायसवाल, बृजमनगंज चेयरमैन राकेश जायसवाल सहित मंडल अध्यक्षों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

भटगंवा में ट्रांसफार्मर जलने से विद्युत आपूर्ति ठप, ग्रामीण परेशान

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज विद्युत वितरण उपखंड के अंतर्गत ग्राम भटगंवा में बीते शुक्रवार की रात लगभग 2 बजे अज्ञात कारणों से एक 63 केवीए का ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल उठा। इस घटना के बाद से ही गांव के अधिकांश घरों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई, जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विद्युत केंद्र पर सूचना देने के बाद शनिवार सुबह 12 घंटे के भीतर गांव में नया ट्रांसफार्मर तो लगा दिया गया, लेकिन तकनीकी कारणों के चलते खबर लिखे जाने तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई थी। विभागीय जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह से आपूर्ति बहाल होने की संभावना बताई जा रही है। शनिवार को तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर होने के बावजूद, स्थानीय विद्युत कर्मी तपिश भरी गर्मी में लगातार आपूर्ति बहाल करने के लिए काम करते रहे, जिसके परिणाम स्वरूप नया ट्रांसफार्मर जल्द ही लग गया। हालांकि, अभी भी बिजली न होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। गांववालों का कहना है कि बिजली न होने से उनके दैनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई में भी दिक्कत आ रही है। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस मौके पर विद्युत कर्मियों में राहुल त्रिपाठी, रमजान, पप्पू, तौफीक, खुशबू, शीबू आदि उपस्थित है।

निरीक्षण के दौरान बीईओ ने बच्चों के साथ विभिन्न खेलों में लिया भाग

भनवापुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के निरीक्षण में बीईओ ने दिया आवश्यक दिशा निर्देश

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। भनवापुर विकास खंड के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित समर कैंप का शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी भनवापुर राजेश कुमार ने निरीक्षण किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय महतिनिया खुर्द में निरीक्षण के दौरान बच्चे विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करते नजर आए। यहां आयोजित खेलों में बच्चों के साथ बीईओ ने भी हिस्सा लिया।

निरीक्षण में शिक्षामित्र राम सहाय व कमलेश कुमारी उपस्थित मिली । निरीक्षण उपरांत बच्चों द्वारा की जा रही गतिविधियों में भी प्रतिभाग किया गया। संविलियन विद्यालय भनवापुर में बच्चों द्वारा प्रातः कालीन सभा में प्रार्थना के बाद समर कैंप की शुरुआत की गई। इसके बाद बच्चों द्वारा योगाभ्यास किया गया। कैम्प में तैनात शिक्षामित्र राम कुबेर व राम मूरत यादव द्वारा बच्चों को चित्रकला के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी तैनात शिक्षक समय से समर कैंप में भाग लेते हुए बच्चों को आमंत्रित करें।

प्रतिदिन टोली बनाकर बच्चों को कैंप में बुलाए। क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय चौखड़ा का भी निरीक्षण खंड शिक्षा अधिकारी भनवापुर द्वारा किया गया। यहां पर दिनेश राम प्रधानाध्यापक, संतोष कुमार अनुदेशक, कृष्ण गोपाल अनुदेशक उपस्थित मिले। यहां बच्चे खेलों में प्रतिभाग करते नजर आए। कैंप में गीत संगीत खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा करने के उद्देश्य से जीवन कौशल के विकास पर भी जोर दिया गया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि प्रतिदिन सुबह 7 से 10 बजे तक समर कैंप का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालय में अनुदेशकों एवं शिक्षामित्र की तैनाती की गई है। 21 मई से 10 जून तक समर कैंप आयोजित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों में सामाजिक चेतना खेलकूद, कला, सांस्कृतिक गतिविधियां करा कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

सचिव, नगर विकास उप्र शासन अजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में चौपाल का आयोजन

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। सचिव, नगर विकास उप्र शासन अजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 की उपस्थिति में शनिवार को ग्राम पंचायत नगवा, विकास खण्ड बांसी में पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल कार्यक्रम में सचिव, नगर विकास अजय कुमार शुक्ल द्वारा ग्राम वासियों से जानकारी प्राप्त की गयी कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ का लाभ मिल रहा है,? ग्राम वासियों द्वारा अवगत कराया गया कि लाभ मिल रहा है। इसके अलावा विभागवार जानकारी प्राप्त किया गया। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पानी का कनेक्शन दिये जाने का निर्देश दिया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग व अन्य सम्बन्धित विभाग की समीक्षा की गयी। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिये जाने का निर्देश दिया गया। सचिव, अजय कुमार शुक्ल ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। समाज के अन्तिम व्यक्ति को योजनाओ का लाभ मिले। अजय कुमार शुक्ल द्वारा पंचायत भवन में बने पंचायत सहायक के कक्ष को भी देखा गया।

अहिल्या बाई होल्कर के 300वीं जन्म जयंती पर छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार वितरण का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पुण्य श्लोक अहिल्या बाई होल्कर के 300वीं जन्म जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान के अध्यक्षता में संगोष्ठी एवं अहिल्याबाई होल्कर की जीवन प्रशासनिक दक्षता इन संस्कृत योगदान पर आधारित एक प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम व्यक्ति और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया एवं प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम व द्वितीय स्थान पाने वाले निधि यादव व अंश यादव को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा ने कहा अहिल्याबाई के जीवन और कार्य वर्तमान समाज के लिए अनुकरणीय है अहिल्याबाई ने समाज के साथ पूरे देश में धार्मिक क्षेत्र में असाधारण एवं साहसिक कार्य किया था रानी अहिल्याबाई होल्कर हम सभी की आदर्श पुरानी अहिल्याबाई होल्कर का शासन लोक कल्याणकारी और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह ने रानी अहिल्याबाई के जीवनी के बारे में बताते हुए कहा अहिल्याबाई ने विकट परिस्थितियों में साम्राज्य और संस्कृति को जिस तरह से बचाया था वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा नारी उत्थान की अप्रतिम प्रतीक, कुशल प्रशासक, परम शिवभक्त, वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300 वीं जयंती पर उनको नमन राष्ट्रीय प्रतीकों की पुनर्स्थापना एवं लोक-कल्याण हेतु उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव हम सब के लिए प्रेरणा-पुंज रहेंगे। सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा त्याग व न्याय की प्रतिमूर्ति एवं महिला सशक्तिकरण व धर्म रक्षा हेतु अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाली कुशल शासिका रानी अहिल्याबाई जी द्वारा राष्ट्र एवं धर्म के उत्थान हेतु किये गए अद्वितीय कार्य हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्षगण नरेंद्र मणि त्रिपाठी, लाल जी त्रिपाठी, पूर्व जिपं.अध्यक्ष साधना चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी, रामनिवास यादव, कार्यक्रम संयोजक/जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, सह संयोजक सचिदानंद चतुर्वेदी, शिव प्रकाश, जिला महामंत्री विपिन सिंह, मधुसूदन अग्रहरि, विजयकांत चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष तेजू विश्वकर्मा, गौरी शंकर, जिला मंत्री अजय उपाध्याय, जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, नगर अध्यक्ष महेश वर्मा, चेयरमैन अजय गुप्ता, भाजपा नेता अरविंद उपाध्याय, मंगल चौरसिया व अनुराग गगन आदि लोग उपस्थित रहे।

देह व्यापार की शिकायत पर तहसील प्रशासन व पुलिस ने छापा मारकर किया स्मिता लाज सील

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में बोरा पेट्रोल पंप के सामने स्थित चर्चित स्मिता लाज पर शनिवार को

उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ राहुल सिंह के निर्देश पर नायब तहसीलदार महबूब अंसारी व शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ छापा मारा।वैध कागजात न मिलने पर उपस्थित पंजिका को अपने कब्जे में लेकर स्मिता लाज को सील कर दिया। मजिस्ट्रेट ने लाज पर मौजूद संचालक अमन मिश्रा से पूछा कि लाज में कुल कितने कमरे हैं।बिना आधार व पहचान के बाहरी लोगों को कैसे कमरा दिया जाता है।लाज के मालिक के बारे में पूछने पर बताया कि मालिक मनोज चौबे नेपाल में रहते हैं और इसकी देखरेख मैं करता हूं। स्मिता लाज के रजिस्ट्रेशन कागजात न दिखा पाने पर थाना प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने रजिस्टर को कब्जे में लेकर पूरे लाज की तलाशी ली कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ।तीन तल पर स्मिता लाज के सभी कमरों को बगल में एक नर्सिंग होम को किराए पर दिया गया था इसका भी कोई लिखा-पढ़ी व कागजात नहीं मिला। इस संबंध में एसडीएम शोहरतगढ़ राहुल सिंह ने कहा कि काफी दिनों से इस लाज में देह व्यापार का धंधा मिलने की शिकायत मिल रही थी।लाज मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सचिव नगर विकास विभाग की अध्यक्षता में हुआ चौपाल का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बांसी के ग्राम पंचायत नगवा में शनिवार को सचिव, नगर विकास विभाग अजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता और जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर की उपस्थिति में चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में नगर विकास सचिव अजय कुमार शुक्ला ने सरकार द्वारा लागू योजनाओं के बारे में गांव के लोगो से जानकारी प्राप्त किया।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा विभागवार जानकारी प्राप्त किया गया। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पानी का कनेक्शन दिए जाने का निर्देश दिया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग व अन्य सम्बन्धित विभाग की समीक्षा किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिए जाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। समाज के अन्तिम व्यक्ति को योजनाओ का लाभ मिले। इसके बाद उन्होंने पंचायत भवन में बने पंचायत सहायक के कक्ष को देखा। तत्पश्चात पश्चात प्राथमिक विद्यालय, नगवा निरीक्षण किया गया।।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में बने शौचालय को देखा गया। इसके साथ ही मिड-डे मील शेड को भी देखा गया तथा समर कैम्प के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया।इस दौरान गर्भवती महिलाओ की गोदभराई तथा बच्चो का अन्नप्रासन्न कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रजत कुमार चौरसिया, एस डी एम बांसी शंशाक शेखर राय, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बीएस यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

सर्किल दर से उचित मुआवजा दिलाये जाने की मांग करते हुए पीड़ित ने लगाई डीएम से न्याय की गुहार

शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा बनचौरा गांव का रहने वाला है पीड़ित किसान

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा बनचौरा निवासी राम बहादुर पुत्र साधू सरन ने सरयू नहर खंड बांसी के जिम्मेदारों पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर डॉ राजा गणपति आर को लिखित शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित किसान का कहना है कि गाटा संख्या 155 जिसका वह संक्रमणीय भूमिधर है । उक्त गाटे में पीड़ित सह खातेदार है। उक्त गाटा संख्या में खातेदार भगौती व दूधनाथ अपना - अपना हिस्सा नहर विभाग को वैनामा कर चुके है। वहीं पीड़ित किसान की भूमि भी नहर विभाग द्वारा उपरोक्त 0.04375 रक्बा उसके हिस्से से की जा रही है। पीड़ित किसान के मुताबिक नहर विभाग द्वारा अत्यधिक भूमि किसान के रक्बे से लेने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप है कि विभाग द्वारा बिना किसी सर्वे व पैमाइश के जबरदस्ती भूमि ली जा रही है। उक्त अनियमितता के सम्बन्ध में पीड़ित किसान ने पूर्व में भी कई बार शिकायती पत्र दे चुका है। लेकिन अभी तक उसे न्याय नही मिला है। पीड़ित किसान का कहना है कि उसकी जमीन पक्की सड़क से सटा हुआ है, लेकिन उसे नजरंदाज करते हुए जिम्मेदारों द्वारा लगातार मनमानी की जा रही है। पीड़ित किसान ने मीडिया के माध्यम से सरयू नहर परियोजना द्वारा ली जा रही भूमि की निष्पक्ष जांच कराकर, पक्की सड़क पर स्थित भूमि के अनुसार नहर विभाग द्वारा अधिग्रहीत भूमि का उचित मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है।

सहदेईया गांव के श्रीराम जानकी गुरुकुलम के नवनिर्मित भवन के प्रांगण में वृक्षारोपण

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। शनिवार को तहसील क्षेत्र के सहदेईया गांव में श्रीराम जानकी गुरुकुलम के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन जन कल्याण समिति के सचिव सच्चिदानन्द मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। वृक्षारोपण में चितवन, और नीम के कुल 3 पौधे लगाए गए। वहीं गुरुकुल में अध्ययन रत वटुकों को पर्यावरण संरक्षण के नियम बताए गए व पर्यावरण के संरक्षण हेतु संकल्प दिलाया गया। वहीं जन कल्याण समिति के सचिव सच्चिदानन्द मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सपथ दिलाई। श्रीराम जानकी गुरुकुलम के संस्थापक बृजेश पाठक ने कहा कि देश में महामारी के समय में देखने को मिला कि पेड़ पौधों का महत्व कितना है आक्सीजन सिलेंडर का महत्व लोगों को समझ में आया ऐसे में यदि लोग पौधे नहीं लगाते हैं तो इससे भी विकट स्थिति आने वाले दिनों में हो सकती है। सच्चिदानन्द मिश्रा ने कहा कि शुद्ध हवा के लिए हमें पौधे लगाते रहना चाहिए और उनका विशेष रूप से संरक्षण करना चाहिए, आज के समय में पेंड काटने पर लोगों का जोर है ना कि पौधरोपण व उनके संरक्षण का मेरा सभी जनपद वासियों से निवेदन है कि वर्ष में वें कम-से-कम एक पौधा जरुर लगाएं और उनका संरक्षण करें जिससे पर्यावरण के क्षेत्र में अच्छा बदलाव देखने को मिल सके और गांव ,शहर सभी हरा भरा रहे जिससे लोगों को स्वच्छ हवा व छांव मिल सके और लोग स्वस्थ रह सकें। उनकी देखभाल की जिम्मेदारी गांव वालों की होगी अन्यथा कोई भी यदि पौधों को नुक्सान पहुंचाता है तो उन पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसलिए गांव को हरा भरा बनाने के लिए जो पौधे लगाए जाएं उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। वहीं गांव के युवाओं ने पौधरोपण व उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर दिनेश चतुर्वेदी, संदीप राजपूत,संदीप मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

नपं बढ़नी में चेयरमैन की अध्यक्षता में हुआ महिला सशक्तिकरण का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत चेयरमैन सुनील अग्रहरि की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, गोरखपुर क्षेत्र शिवनाथ चौधरी ने कहा कि महापुरुष किसी वर्ग विशेष के नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए होते है। कहा कि भारत की संस्कृति सदैव समृद्धिशाली रही है। कहा कि देवी अहिल्या बाई होलकर एक दूरदर्शी महिला होने के साथ ही जनसेवा उनके रोम रोम में बसा हुआ था जिसके बावत उन्होंने तीर्थ स्थलों पर 100 से अधिक धर्मशालाओं का निर्माण कराया तथा स्त्री शिक्षा पर विशेष बल दिया। इस अवसर कार्यक्रम आयोजक व चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए उन्हें साल भेट कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने उपहार स्वरूप नगर की दर्जनों महिलाओं को शादी प्रदान किया। उक्त अवसर पर राज कुमार सिंह (राजू शाही जी), सभासद कन्हैया मित्तल सभासद निजाम अहमद, सभासद निसार अहमद, आलोक मद्धेशिया, राजू गौतम,शिव पूजन काका, विजय काका, सोमई गौतम जरामराज कन्नौजिया, विजय, भोला अग्रहरी, सचिन मित्तल सुनील रावत, ऋषभ मोदनवाल आदि लोग मौजूद रहे।

जलालपुर ब्लॉक सभागार मे मनायी गयी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

जलालपुर अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। जलालपुर ब्लॉक सभागार में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी (जिला प्रभारी, अयोध्या) ने रानी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा वे एक ऐसी लोकमाता थीं, जिन्होंने राजसिंहासन पर रहकर भी प्रजा को परिवार के समान माना। उन्होंने धर्म, न्याय और सेवा को शासन का आधार बनाया। उनकी गाथा केवल इतिहास नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की जीवंत मिसाल है। कार्यक्रम में जिला मंत्री व सह-संयोजक पंकज वर्मा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम किशोर राजभर, संयोजक सुरेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि, वरिष्ठ नेता मानिकचंद सोनी, नगर महामंत्री विकाश निषाद, चंद्रमणि द्विवेदी, सभासद आशीष सोनी, साधु यादव, विपिन पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सामाजिक कार्य, न्याय व्यवस्था एवं धर्मिक आस्था जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बाईक से जा रहे युवक के सांड से भिड़ जाने से हुई मृत्यु

जलालपुर अंबेडकरनगर। शुक्रवार की रात बाइक से जा रहे युवक की सांड से भिड़ जाने के चलते मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। घटना जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के हैदराबाद गांव के निकट एक भट्टे के पास रात करीब 11 बजे घटित हुई । कटका थाना क्षेत्र के हैदराबाद गांव निवासी सत्यम उर्फ बांबी पुत्र राजेंद्र प्रसाद 25 वर्ष रात 11 बजे अपनी अपाचे बाइक से कहीं जा रहा था तभी हैदराबाद गांव के निकट सरैया रिंकू सिंह भट्ठे के पास एक सांड से भिड गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची जलालपुर पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर जलालपुर ले आई जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया मृतक दैनिक मजदूरी कर जीवन यापन चलाता था यह चार भाइयों में तीसरे नंबर था।

बकरीद को लेकर चेयरमैन शबाना नाज़ ने की अपने अधीनस्थ व सभासदो के साथ बैठक

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। आगामी त्योहार बकरा ईद पर्व को लेकर नगर पालिका परिषद टाण्डा चेयरमैन श्रीमती शबाना नाज़ ने नगर पालिका परिषद टाण्डा के अधिकारियों/कर्मचारियों सभासदों के साथ बैठक कर नगर त्योहार को किस तरह से सकुशल सम्पन्न करना है जिसके लिए बैठक किया त्योहार के अवसर पर बिजली पानी त्योहार पर निकलने वाले मल को किस तरह से सुरक्षित करना है इधर उधर न फेका रहे साथ ही नगर की साफ-सफाई प्रकाश पानी चूने का छिड़काव आदि समस्या पर अधिकारियों कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया साथ ही नालियों पर किए गए अतिक्रमण हटाने निर्देश दिया जिससे त्योहार के समय पर किसी तरह की बाधाएं ना उत्पन्न हो सके जिससे त्योहार पर नाली नालो में पानी का बहाव ठीक से हो सके चेयरमैन श्रीमती शबाना ने नगर पालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है की नगर क्षेत्र में कही पर गंदगी बर्बाद नहीं की जाएगी। रजिस्ट्री से सम्बंधित पूछताछ किया बैठक के अंत में भी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शबाना नाज़ आगामी पर्व पर तीनो तक नगरक्षेत्र में लगातार साफ-सफाई व्यवस्था चूने व एंटीलार्वा तथा रोड लाइटें वाटर सप्लाई आपूर्ति में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी साथ ही उन्होंने कुर्बानी के मल को निस्तारित करने गढ्ढे व्यवस्था के बारे में जानकारी लिया और शीघ्र गढ्ढों की खुदाई जिसके साथ बैठक में नगर पालिका परिषद टाण्डा के राजस्व बढ़ोतरी पर चर्चा की गई जिसमें मुख्य बिंदु टैक्सी स्टैंड की नगर पालिका कर्मियों द्वारा वसूली पर वसूली में कमी और स्टैंड के ठेके की नीलामी पर चर्चा की गई।

सचिव नगर विकास ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश शासन अजय कुमार शुक्ला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल का निरीक्षण किया। अजय कुमार शुक्ला आई ए एस के साथ, डॉ राजा गणपति आई ए एस आर, जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर मुख्य चिकित्साधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ रजत कुमार चौरसिया ने निरीक्षण कर जाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल मे मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति, अधीक्षक डॉ राजीव कुमार रंजन ने सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला जी को बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल मे सभी मरीजों को निःशुल्क दवाये ई डी एल के सापेक्ष दी जा रहीं है वही अजय कुमार शुक्ला जी ने एंटी स्नेक वेनम, ए आर वी की भी जानकारी लिया, साथ ही अस्पताल मे शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के अंर्तगत जनपद का पहला प्रधानमंत्री ज़न औषधि केंद्र भी स्थापित किया गया है जिससे सस्ती जेनेरिक मेडिसन भी मरीजों को मिल रहा है इसकी भी जानकारी अधीक्षक द्वारा दिया गया। इसके साथ ही वार्ड मे हीट वेव मे अस्पतालों मे दिए गए दिशानिर्देश के अनुसार मरीजो को कूलर की व्यवस्था भी की गयी है, वार रूम से सभी गर्भवती महिलाओं को फोन कर उनको सुरक्षित प्रसव की जानकरी और उच्च जोखिम वाली महिलाओं को देख भाल हेतु सूचना मे वार रूम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिससे मातृ मृत्यु दर मे गिरावट आयी है द्य प्रसव कक्ष मे गर्भवती महिलाओ को अच्छी सुविधा के साथ साथ नवजात की भी देख भाल की व्यवस्था के लिए एन बी एस यू की सुविधा उपलब्ध है और साथ ही साथ ऑपरेशन से प्रसव की सुविधा भी दी जाती है। ओ पी डी के साथ साथ इमर्जेंसी मे लगे मॉनिटर से जल्द से जल्द गंभीर मरीजों का चिन्हित कर उचित उपचार और जांच सुविधाओं की जानकारी अधीक्षक द्वार दी गयी। अस्पताल निरीक्षण कर अधीक्षक के कार्यो की तारीफ भी सचिव नगर विकास और जिलाधिकारी ने किया।

लालू का डेमेज कन्ट्रोल

बेटा तेज प्रताप पहली बार राजनीति में 2015 में चुनाव लड़े और पिता तथा नितीश के प्रभाव में चुनाव जीत कर स्वस्थ्य मंत्री बने। वह शुरू से ही पिता और पार्टी के लिये असहज स्थिति पैदा करते रहे है। जब मंत्री बने थे तो सारी फाइले लालू ही निपटाते थे, अफसरों को वही आदेश देते थे। इस बार अपनी प्रेमिका को लेकर विवाद में आये है परिवार ने उन्हें परिवार से बेदखल कर दिया, लालू ने पार्टी से निकाल दिया। बिहार में असेम्बी चुनाव होना है, गठबन्धन में लालू पुत्र को सीएम बनाने के लिये दबाव बनाने लगे है पर कांग्रेस ने कह दिया है वह पिलग्गू नही रहेगी। तेज प्रताप की शादी बिहार के पूर्व सीएम दरोग राय की पौत्री से हुई थी पर शादी असफल रही। हालाकि यह प्रकरण तेज प्रताप का व्यक्तिगत है पर जिस तरह का ऐक्शन हुआ है उससे साफ जाहिर है कि जिस तरह ऐक्शन हुआ है उसकी परछाई लालू परिवार पर और उसकी सियासत पर पड़ने वाली है। पार्टी के सदस्यों में भी इस प्रकरण को लेकर आक्रोश है। परम्परा गत समर्थक उनको कार्यवाइयों से असन्तुष्ट है। पार्टी में अपने कद को लेकर सन्तुष्ट नही है। 2020 के चुनाव में लालू ने उन्होंने आभास दिया कि तेज प्रताप को अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है। पर भाइयों के बीच उत्तराधिकार को लेकर लड़ाइयों सतह पर आती रहती है। लालू को अपने सहयोगी दल को तेज प्रताप के उत्तराधिकारी बनाने की कोशिश में कुछ मुशकिले आ रही है।

पिछले चुनाव में आरजेडी 75 सीटों पर चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी थी। पार्टी वही दबदबा अभी भी गठबन्धन में बनाये रखना चाहती है। पर सबसे बड़ा विरोध कांग्रेस की ओर से आ रहा है। वह बराबरी का दर्जा चाहती है। कांग्रेस इसे लेकर अपनी पार्टी मे कुछ बदलाव किये है। अब आरजेडी के सामने सीट बटवारे को लेकर चुनौती खड़ी हो गई है। बिहार में वामदल और मुकेश सहानी जैसे वीआईपी जैसे घटक दलों का भी दबाव है। महा गठबन्धन की तुलना में भाजपा में सामंजस्य दिख रहा है। भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि सीएम नितेश के नाम पर ही वह चुनाव लड़ेगी। पर इससे पद नहीं समझना चाहिये कि भाजपा ने सीट बटवारें का कोई फार्मूला तय हो चुका है। नितीश प्रभावशाली नेता है उनका पुत्र भी इस समय कुछ गतिशिलता दिखा रहा है। पर अभी तक नितीश पर न तो परिवारवाद का आरोप है न उन पर कभी कोई भ्रष्टाचार का छींटा पड़ा है। दिर्धकालिक राजनीतिक जीवन में बड़ी बात है। पर बिहार में नीतीश और भाजपा के गठबन्धन में कोई परेशानी नजर नहीं आ रही है।

लालू की पार्टी और परिवार में समस्याये कई है रह रहकर सतह पर आ जाती है। तेज प्रताप ने 2019 चुनाव के ठीक पहले एक अलग मोर्चा बना लिया था। परिवार के लिये लालू असहजता पेश करते रहते है। एक तो लालू और परिवार की राजनीति और व्यक्तिगत जीवन में असहजता आती रहती ही लालू का शासनकाल बिहार राज्य का एक काला अध्याय है। उस काल को याद कर लोग सिहर उठते है। लोग अपने घर सामने चेन खीच देते थे और उतर जाते है। लालू पर सबसे बडा आरोप चारा घोटाला का है। लालू की मुशकिले बढ़ गई है पर कोई हल निकाल ही लेगे। सबको विश्वास है वह कहते है हम मर्यादा के रक्षक है भक्षक होते तो क्या होता। लालू अपनी चुनौतियां को लेकर चर्चा में है उन्हें पार्टी रहना अच्छा लगता है। एकतो पढ़ाई की कम है। पढ़ाई के दिनो में बस कन्डक्टरों को धमकाते थे मार भी देते थे। मुख्यमंत्री बने तो कन्डक्टर से मांफी मांग थी। वैसे लालू में संवेदन शीलता कम दिखती है। पर है मस्त मौला कभी भगवान के आदेश पर मुर्गा खाना छोड़ देते है तो फिर भगवान के आदेश पर मुर्गा खाना शुरू भी कर देते है। अब देखना है बिहार चुनाव में वे किस पायदान पर रहते है। आजकल स्वस्थ्य की समस्या से भी जूझ रहे है।

मातृ- पितृ प्रथम गुरु भगवन् तुल्य

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

मातृ पितृ दिवस जिसे मातृ पितृ पूजन दिवस भी कहा जाता है। इस दिन सभी धर्मों के बच्चे अपने माता-पिता की पूजा करते हैं और उन्हें तिलक, माला चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। इसे कई लोग परिवार के सदस्यों के बीच बंधन को मजबूत करने और बच्चों में सम्मान, आज्ञाकारिता और विनम्रता जैसे अच्छे मूल्यों को आत्मसात करने के तरीके के रूप में देखते हैं। लोक निर्देश निदेशालय के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के स्थान पर माता-पिता पूजा दिवस के रूप में मनाया जाता है। माता-पिता को स्कूलों में आमंत्रित किया जाता है । जहां उनको पुष्पा हार पहनाकर चरण स्पर्श और मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर में सभी माता-पिता को सम्मानित करने के लिए हर साल एक जून को वैश्विक मातृ-पितृ दिवस मनाता है। भारतीय संदर्भ में पौराणिक काल में श्रवण कुमार का उदाहरण स्वर्ण अक्षरों में अंकित है,जो युगो युगो से माता पिता के प्रति संतान का दायित्व और माता पिता की महत्ता को सर्वोत्तम रूप से महिमामंडित करता है। श्रवण कुमार अपने अंधे माता पिता को अपने कंधों में रखे कांवर में बिठाकर पैदल ही तीर्थ यात्रा और माता पिता की सेवा के लिए अथक परिश्रम करते हैं। ऐसी संतान पाकर माता-पिता भी कृत कृतार्थ हो जाते हैं। अगर श्रवण कुमार नहीं होते तो शायद रामायण भी रामायण नहीं होती। रामायण की कथा के मूल में श्रवण कुमार ही तो हैं। श्रवण कुमार का रामायण की कथा से बहुत ही गहरा महत्वपूर्ण संबंध है। जब भगवान राम के पिता महाराज दशरथ ने जंगल में आखेट के समय धोखे से श्रवण कुमार पर शब्दभेदी बाण चला दिया, जिससे श्रवण कुमार की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु पूर्व श्रवण कुमार अपने माता पिता को लेकर काफी व्यथित होते हुए महाराज दशरथ को यह? श्राप दे देते हैं कि तुम भी अपनी संतान के वियोग में तड़पोगे और मृत्यु को प्राप्त होगे राजन,जैसे कि आज मेरे मृत्यु पश्चात मेरे माता-पिता भी मेरे वियोग में तड़प तड़प कर जान दे देंगे। (टीप :-इस उद्धरण में कुछ मत भिन्नता है! कुछ धार्मिक ग्रंथों में राजा दशरथ को श्राप देने के विषय में अलग-अलग मत हैं, अर्थात इस मत में कहा गया है कि, पुत्र की मृत्यु हो जाने पर उसके शोक में श्रवण के माता-पिता ने राजा दशरथ को श्राप दिया था) इसी श्राप के कारण ही राजा दशरथ को अपनी प्रिय संतान श्री राम का वियोग सहना पड़ा और श्री राम भगवान को चौदह वर्ष वनवास मैं जाना पड़ा। वे अगर बनवास ना जाते तो ना तो माता सीता का हरण होता और ना लंका युद्ध होता और न ही रावण का वध होता। और यह सब ना होता तो रामायण की कथा कैसे बनती ।खैर हम वापस वर्तमान की ओर आते हैं। वैश्विक मातृ-पितृ दिवस, अपने बच्चों के पालन-पोषण और सुरक्षा में परिवार की प्राथमिक जिम्मेदारी को सम्मानित और प्रतिष्ठ करता है. इसलिए, यह दिन अपने बच्चों के लिए सभी माता-पिता की निस्वार्थ प्रतिबद्धता को स्वीकार करता है, जिसमें इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन बलिदान शामिल हैं। वैश्विक मातृ-पितृ दिवस बच्चों के पालन-पोषण में माता पिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है. दुनिया भर में सभी माता-पिता को सम्मानित करने के लिए 2012 में महासभा द्वारा इस दिन को नामित किया गया था.एक छ जून 2022 को विश्व के कई देशों में मातृ - पितृ दिवस मनाया जा रहा है। मातृ दिवस के पूरक उत्सव के रूप में पिता दिवस दुनियाभर के पिताओं के सम्मान में मनाया जाता रहा है। यह एक तरह से पितृत्व के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

भारत किस तेजी से पसंदीदा मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 85 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचा है। इससे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के नित नए अवसर मिल रहे हैं। मेडिकल टूरिज्म बाजार सालाना 12 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। इस गति से हम आगे बढ़ते रहे तो 2034 तक यह सालाना 4.27 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच सकता है। मोदी सरकार ने 2024 में 4.63 लाख मेडिकल वीसा जारी किए थे।

भारत के मेडिकल टूरिज्म बाजार का लगातार हो रहा विस्तार

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

मेडिकल टूरिज्म के जरिए विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आते हैं। इससे देश का आर्थिक विकास तेज होगा। विदेशी मरीजों को आकर्षित करने के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार सुधार किया जाता है, जिसका फायदा भारतीय मरीजों को भी मिलेगा। मेडिकल टूरिज्म के बढ़ने से अस्पतालों, होटलों, ट्रैवल कंपनियों, ट्रांसपोर्ट और गाइड सेवाओं में रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। भारत योग, आयुर्वेद और सस्ते लेकिन उच्च गुणवत्ता वाले इलाज के लिए प्रसिद्ध है। न्यू इंडिया के साथ आधुनिक तकनीक को अपना रहा हमारा देश कई मामलों में विकसित देशों को पीछे छोड़ चुका है। मेडिकल भी एक ऐसा ही सेक्टर हैं, जिसे कोरोना काल के बाद से वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान मिल रही है। मोदी सरकार की विजनरी नीतियां बड़ी वजह बन रही हैं कि पिछले कुछ वर्षों में दूसरे देश से इलाज कराने के लिए भारत आने वाले लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ गई है। सीडीसी की एक रिपोर्ट बताती है कि मेडिकल टूरिज्म में ज्यादातर लोग कॉस्मेटिक सर्जरी, फर्टिलिटी ट्रीटमेंट, डेंटल केयर, ऑर्गन और टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन और कैंसर का इलाज करवाते हैं। इनमें से तमाम सर्जरी का इलाज पश्चिमी देशों की तुलना में भारत में कम है। तकनीकी रूप से भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां बेहतर टेक्नोलॉजी से लैस अस्पतताल, कुशल डॉक्टर्स व लाखों की संख्या में प्रशिक्षित नर्स हैं। भारत में इन्फनर्टिलिटी के उपचार की लागत विकसित देशों की तुलना में एक चौथाई है। आईवीएफ और एआरटी सेवाओं ने भारत को इन्फरर्टिलिटी के उपचार के लिए पहली पसंद बना दिया है। विशेषज्ञ डॉक्टर और ई-मेडिकल वीजा जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इसे एशिया में सबसे तेजी से बढ़ रहे चिकित्सा पर्यटन स्थलों में से एक बनने में मदद कर रही हैं। केंद्र सरकार देश को चिकित्सा पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। पर्यटन मंत्रालय भारत को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में समग्र रूप से विस्तार दे रहा है। देश में वर्तमान समय में संचालित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के भाग के रूप में चिकित्सा पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों को बढ़ावा दिया जाता है।

भारत किस तेजी से पसंदीदा मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 85 हजार करोड़ रूपए तक पहुंचा है। इससे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के नित नए अवसर मिल रहे हैं। मेडिकल टूरिज्म बाजार सालाना 12 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। इस गति से हम आगे बढ़ते रहे तो 2034 तक यह सालाना 4.27 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच सकता है। मोदी सरकार ने 2024 में 4.63 लाख मेडिकल वीसा जारी किए थे। हालांकि, क्रिसिल रिसर्च के अनुसार बड़ी संख्या में मरीज टूरिस्ट वीसा पर आ रहे हैं। 2024 में 73 लाख विदेशी इलाज के लिए आए।

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तकनीकी उन्नति और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती पहुंच से सर्जिकल बाजार को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। इसमें कहा गया है कि देश का स्वास्थ्य क्षेत्र बड़े बदलावों से गुजर रहा है, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती सर्जिकल प्रक्रियाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में हर साल लगभग तीन करोड़ सर्जरी की जाती हैं, जिसमें सामान्य सर्जरी और प्रसूति एवं स्त्री रोग सबसे प्रमुख स्पेशलिटी के रूप में उभर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में रोबोटिक सर्जरी को अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी स्वास्थ्य सेवाएं तेजी से पहुंच रही हैं, जिससे अधिक लोगों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस बदलाव का एक बड़ा कारण मेडिकल टूरिज्म का बढ़ना भी है। भारत में कई विदेशी मरीज सर्जरी करवाने आ रहे हैं क्योंकि यहां उन्हें कम लागत में बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सर्जिकल बाजार फिलहाल 55 अरब डॉलर का है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। तकनीकी प्रगति और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के कारण इस क्षेत्र में और तेजी आने की उम्मीद जताई गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2025-26 पेश करते हुए भारत में टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलों की घोषणा की। हील इन इंडिया पहल के तहत, सरकार मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट सेक्टर के साथ सहयोग करेगी। जिसकी वजह से भारत अफोर्डेबल और हाई क्वालिटी हेल्थ केयर सर्विस के लिए एक पसंदीदा देश बनेगा।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में रोबोटिक सर्जरी का बाजार 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2029 तक इसका मूल्य 68 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। इसी तरह, सर्जिकल इम्प्लांट (शरीर में लगाए जाने वाले कृत्रिम अंग या उपकरण) और डिस्पोजेबल चिकित्सा उपकरणों का बाजार 2030 तक 88,700 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इनमें से घाव प्रबंधन सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र माना जा रहा है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उसने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) करने के उद्देश्य से इच्छुक ऐसे लोगों के लिए भारत का आधिकारिक पोर्टल लॉन्च किया है, जो भारतीय चिकित्सा सुविधाओं एवं उपचार का लाभ उठाना चाहते हैं। यह पोर्टल अंतरराष्ट्रीय मेडिकल टूरिस्ट की भारत में यात्रा की जानकारी और रोगी के आने-जाने के कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने में सहायता करता है। मोदी सरकार ने चिकित्सीय उपचार सेवा का लाभ उठाने वाले विदेशी नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 167 देशों के लिए ई-मेडिकल वीजा/ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा सुविधा का विस्तार किया है। मोदी सरकार ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे का निर्माण के लिए लोन की सुविधा के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। देश के कई प्रमुख अस्पतालों ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में निवेश किया है। अब दंत प्रत्यारोपण तथा कॉस्मेटिक सर्जरी जैसी विशेष शल्य चिकित्सा सुविधाएं अब इन टियर-2 और टियर-3 शहरों में उपलब्ध हो चुकी हैं। सस्ता और बेहतर इलाज मिलने के चलते इन शहरों में विदेशों से भी लोग आ रहे हैं। बता दें कि मेडिकल टूरिज्म के माध्यम से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा अर्जित किया जा सकता है। इसके अलावा चिकित्सा पर्यटन से नये रोजगारों का सृजन भी होता है। इससे कम लागत पर उच्च स्वास्थ्य सुविधाओं की नैदानिक परिणामों के साथ उच्च गुणवत्ता वाले उपचार प्राप्त किया जा सकता है।

रूस-भारत और रूस-पाकिस्तान संबंधों में बदलाव

रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ प्रस्तावों पर वोटिंग से दूरी बनाए रखी है। हालांकि यह रूस के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन भारत की तटस्थता और वैश्विक मंचों पर शांति की अपील ने रूस को यह सोचने पर मजबूर किया है कि भारत पश्चिमी दबाव में उसका खुलकर समर्थन नहीं कर रहा। रूस की अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण दबाव में है।

आलम रिज़वी

भारत के बीच दशकों पुरानी दोस्ती विश्व की भू-राजनीति में एक मिसाल रही है। सोवियत संघ के समय से लेकर वर्तमान रूस तक, दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, और कूटनीति में गहरा सहयोग बनाए रखा है। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि रूस और भारत के बीच दूरी बढ़ रही है, जबकि रूस और पाकिस्तान के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं। इस लेख में हम इन बदलावों के कारणों और उनके संभावित प्रभावों का के बारे में जानेंगे।

रूस और भारत के बीच दूरी के कारण : भारत ने हाल के दशकों में अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ अपने रक्षा और आर्थिक संबंधों को मजबूत किया है। क्वाड (त्त्तह्डुस्र) और इंडो-पैसिफिक रणनीति में भारत की सक्रिय भागीदारी, साथ ही अमेरिका से रक्षा सौदों में वृद्धि, ने रूस को यह संदेश दिया है कि भारत पश्चिमी देशों के करीब जा रहा है। उदाहरण के लिए, भारत ने अमेरिका से ड्रोन और अन्य हथियार खरीदे, जो पहले रूस से लिए जाते थे। रूस इसे अपनी रणनीतिक साझेदारी के लिए चुनौती के रूप में देख सकता है।

रूस-चीन गठजोड़ और भारत-चीन तनाव : रूस और चीन के बीच बढ़ता सहयोग भारत के लिए चिंता का विषय है, खासकर तब जब भारत और चीन के बीच सीमा विवाद (जैसे गलवान घाटी संघर्ष) तनावपूर्ण रहे हैं। रूस ने भारत-चीन तनाव में तटस्थता अपनाने की कोशिश की है, लेकिन उसकी चीन के साथ बढ़ती निकटता भारत को असहज कर रही है। भारत नहीं चाहता कि रूस चीन का खुलकर समर्थन करे, लेकिन रूस की तटस्थता को भारत कमजोर समर्थन के रूप में देखता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ प्रस्तावों पर वोटिंग से दूरी बनाए रखी है। हालांकि यह रूस के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन भारत की तटस्थता और वैश्विक मंचों पर शांति की अपील ने रूस को यह सोचने पर मजबूर किया है कि भारत पश्चिमी दबाव में उसका खुलकर समर्थन नहीं कर रहा। रूस की अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण दबाव में है। ऐसे में रूस नए व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारों की तलाश में है। भारत के साथ व्यापार बढ़ रहा है, लेकिन रूस को अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ संबंधों को विविधता देने की जरूरत महसूस हो रही है।

रूस और पाकिस्तान के बीच हाल के वर्षों में आर्थिक सहयोग बढ़ा है। 2023 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार एक अरब डॉलर तक पहुंचा, जो अब तक का सबसे अधिक है। हाल ही में, रूस और पाकिस्तान के बीच 2.6 बिलियन डॉलर के स्टील प्लांट समझौते की

खबरें सामने आई हैं। यह समझौता रूस की आर्थिक मजबूरी और पाकिस्तान की सस्ते संसाधनों की जरूरत को दर्शाता है

रूस अफगानिस्तान में अपनी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रहा है। तालिबान से प्रतिबंध हटाने और 'मॉस्को फॉर्मेट' जैसे मंचों के माध्यम से रूस ने पाकिस्तान के साथ क्षेत्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी है। यह भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि भारत भी अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति बनाए रखना चाहता है।

रूस और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा वार्ता और संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभ्यासों में वृद्धि हुई है। यह सहयोग दक्षिण एशिया में रूस की नई रणनीति को दर्शाता है, जहां वह भारत के साथ अपनी पारंपरिक दोस्ती को बनाए रखते हुए पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहता है।

पश्चिम के साथ पाकिस्तान के कमजोर संबंध

अमेरिका और पाकिस्तान के बीच 2011 के बाद से संबंधों में दरार आई है, खासकर ओसामा बिन लादेन की हत्या के बाद। इसने रूस को पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने का अवसर दिया है। रूस ने इसे अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक मौके के रूप में देखा। भारत-रूस संबंधों की मजबूती के बावजूद चुनौतियांभारत और रूस के बीच संबंध अभी भी मजबूत हैं। रक्षा क्षेत्र में रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है, और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा जैसे प्रोजेक्ट्स दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने का प्रयास हैं। ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों पर भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। हालांकि, रूस की पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकियां और भारत की पश्चिमी देशों के साथ निकटता ने एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण बनाया है। प्रभाव और भविष्यभारत की कूटनीतिक चुनौती- भारत को रूस के साथ अपनी पारंपरिक दोस्ती को बनाए रखते हुए पश्चिमी देशों के साथ संबंधों को संतुलित करना होगा। रूस की पाकिस्तान के साथ नजदीकियां भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती हैं, खासकर कश्मीर जैसे मुद्दों पर।

क्षेत्रीय स्थिरता

रूस का पाकिस्तान के साथ सहयोग दक्षिण एशिया में नए भू-राजनीतिक समीकरण बना सकता है। यदि रूस और पाकिस्तान के बीच सैन्य या रणनीतिक सहयोग बढ़ता है, तो यह भारत-पाकिस्तान तनाव को और जटिल कर सकता है।

भारत की गैर-पश्चिमी, लेकिन पश्चिम-विरोधी नहीं, नीति उसे रूस और पश्चिमी देशों के बीच एक सेतु की भूमिका देती है। भारत को इस स्थिति का उपयोग रूस को अपने पक्ष में रखने और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा।

निष्कर्ष

रूस और भारत के बीच दूरी और रूस-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों के पीछे वैश्विक भू-राजनीति में बदलाव, आर्थिक जरूरतें, और क्षेत्रीय रणनीतियां प्रमुख कारण हैं। भारत को अपनी कूटनीति को और अधिक सक्रिय और संतुलित करने की आवश्यकता है ताकि वह रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक दोस्ती को बनाए रखे और साथ ही क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना कर सके। रूस की तटस्थता और पाकिस्तान के साथ सहयोग भारत के लिए चेतावनी है कि उसे अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को और स्पष्ट करना होगा।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं।

ललित गर्ग

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है 'माता-पिता का पालन-पोषण'। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते

विश्व माता-पिता दिवस

हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार किस सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीडन् का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ÷सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं।

मुठभेड़ में अन्तर्राज्जीय गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के जिला सागर बण्डा के रहने वाले हैं बदमाश, कच्छा-बनियान पहनकर गौर कालोनी में चोरी की नीयत से घुसे थे बदमाश

अवधनामा संवाददाता

■ महरौनी पुलिस, स्वाट व एसओजी टीम को मिली सफलता

ललितपुर। तीस मई की रात ढ़ाई बजे कैलगुवां रोड स्थित गौर कालोनी में आधा दर्जन से अधिक लोग जो कि अर्द्धनग्न अवस्था में चहल कदमी करते सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गयी थी। इस घटना को पुलिस की सतर्कता से टाल भले ही दिया था, लेकिन मामले में पुलिस ने कड़ी मेहनत करते हुये पूरे मामले का भाण्डाफोड़ कर दिया। महज 36 घण्टे में ही पुलिस ने चहलकदमी कर चोरी की नीयत से घर के ताले तोड़ने वाले बदमाशों के अन्तर्राज्जीय गिरोह के तीन बदमाशों को मुठभेड़ में धर दबोचा है। तीनों बदमाशों को फायरिंग के दौरान पैर में गोली लगी है, जिसके चलते तीनों घायल हो गये और तीनों को उपचार के लिए पुलिस द्वारा जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां तीनों का उपचार किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि गौर कालोनी में बीती तीस मई की रात अज्ञात बदमाश जिनकी संख्या 6 से 7 बतायी जा रही है ने बनियान और चड्डी पहनकर मुंह पर कपड़ा बांधकर चहल कदमी की थी। कालोनी में रहने वाले तिलक सिंह के यहां चोरी करने की नीयत से गेट पर लगा ताला भी काट दिया था। हालांकि गृह स्वामी की सूझबूझ से उन्होंने तत्काल पुलिस को डायल 112 पर सूचना दी और पुलिस की सतर्कता से बदमाश गाड़ी का सायरन सुनकर भाग खड़े हुये। हालांकि इस गिरोह की चहलकदमी का पूरा मामला वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की गैंग का पर्दाफाश करने की पड़ताल शुरू कर दी। एसपी मो. मुश्ताक के आदेश, एएसपी अनिल कुमार व सीओ सदर व महरौनी के निकट पर्यवेक्षण में महरौनी पुलिस ने एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ संयुक्त टीम के जरिए कार्यवाही करते हुये तीन बदमाशों को आता देखा और उन्हें रोकने का प्रयास किया। लेकिन बुलैरो सवार तीनों बदमाशों ने गाड़ी रोकते हुये नीचे उतरकर पुलिस पर फायरिंग कर दी। जबावी कार्यवाही करते हुये पुलिस ने बदमाशों पर फायर झोंक दिया, जिससे तीनों बदमाशों को पैर में गोली लगी और वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। तीनों बदमाशों के नाम म.प्र. जिला सागर अंतर्गत थाना बण्डा के ग्राम शाहगढ़ निवासी बुन्देल सिंह पुत्र गोपाल सिंह गौर, रेश पाल पुत्र देशमुख गौंड़ व सूरज पुत्र संतोष गौड़ बताये गये हैं। पुलिस ने तीनों बदमाशों के पास से एक सफेद रंग की बुलैरो, तीन देशी तमंचा, तीन खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया है।

यह हुयी थी एफआईआर दर्ज

गौर कालोनी निवासी तिलक सिंह पुत्र भैंरो प्रसाद ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 30 मई की रात करीब 2.30 बजे कुछ अज्ञात लोगों ने उनके घर के गेट पर लगे ताले को काटकर चोरी की नीयत से अंदर घुस आने का प्रयास किया गया। बदमाशों के घर में घुसने की सूचना डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी, जिस पर पुलिस सायरन बजाते हुये कालोनी में आयी। सायरन सुनकर और पुलिस को आता देख बदमाश भागने में कामयाब हो गये। पुलिस ने तिलक सिंह की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305, 331 (4), 62 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली।

इनका कहना है

" गौर कालोनी में बदमाशों की चहल कदमी और चोरी की नीयत से तिलक सिंह के घर के दरबाजे का ताला काटने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस की सतर्कता से चोरी की घटना को रोका गया और पुलिस ने मामले की जांच करते हुये मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। **-मो.मुश्ताक-** एसपी, ललितपुर

बिहार चुनाव, जातीय जनगणना और पसमांदा आरक्षण पर एआइपीएमएम ने की चर्चा

21 मई को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में होगी संगोष्ठी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज (एआइपीएमएम) ने एक जूम मीटिंग आयोजित की, जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव, दिल्ली में प्रस्तावित जातीय जनगणना, और पसमांदा आरक्षण पर विस्तृत चर्चा हुई।

मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष परवेज हनीफ ने बिहार विधानसभा चुनाव में पसमांदा समाज की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए कहा सभी राजनीतिक दलों से पसमांदा प्रत्याशियों को टिकट देने और उनकी सामाजिक-आर्थिक मांगों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा हमारा संगठन गैर-राजनीतिक होने के नाते सभी योग्य पसमांदा प्रत्याशियों का समर्थन करेगा।

मीटिंग के संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद युनुस ने कहा 21 मई 2025 को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में संगोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें जातीय जनगणना और पसमांदा आरक्षण पर चर्चा होगी। संगठन ने पसमांदा बिरादरियों से अपनी विशिष्ट जाति दर्ज करने की अपील की और गलत प्रचार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया हमदर्दत एवं अन्य मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों में पसमांदा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग उठाई गई है। उन्होंने कहा एआइपीएमएम पसमांदा समुदाय (मुस्लिम आबादी का 85 प्रतिशत) के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन ने राजनीतिक भागीदारी, जातीय जनगणना, और शैक्षिक आरक्षण के माध्यम से पसमांदा विमर्श को मजबूत करने की रणनीति बनाई है। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज बिहार विधानसभा चुनाव में पसमांदा समाज की सक्रिय भागीदारी, जातीय जनगणना, और शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण की मांग को लेकर कटिबद्ध है। संगठन सभी राजनीतिक दलों से पसमांदा समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व देने की अपील करता है।

संभल के मौहम्मद साद ने पंजा कुश्ती में जीते दो मेडल

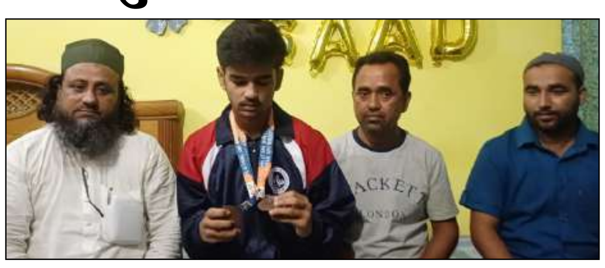

अवधनामा संवाददाता

संभल। सम्भल के पंजा खिलाड़ी ने मध्य प्रदेश मे दो मेडल जीतकर सम्भल के झण्डे गाढ़ दिये हैं। परिवार मे खुशी का माहौल है और लोग बधाईयां देने के लिए पहुंच रहे हैं।

बताते चलें कि बीते 25 मई 2025 से 28 मई तक मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में 47 वीं आर्म रैसलिंग चौंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन उत्तर प्रदेश की टीम से खेलते हुए जिला संभल के खिलाड़ियों ने सात गोल्ड मेडल चार सिल्वर मेडल तथा चार ब्रॉन्ज मेडल जीते। जिसमें एक नाम है मोहम्मद साद का। मिशन इंटरनेशनल एकेडमी के मोहम्मद साद ने नेशनल पंजा कुश्ती अपने दोनों हाथों का जौहर दिखाया और दोनों ही मेडल पर कब्ज़ा जमा लिया। संभल के मोहल्ला दीपा सराय ठंडी कोठी के निकट रहने वाले मोहम्मद साद का परिवार के लोगों ने मुंह मीठा कराकर खुशी का इज़हार किया। बताते चलें कि मोहम्मद साद ने राइट और लेफ्ट हैंड दोनों में ब्रोंज मेडल जीतकर परिवार का नाम रोशन किया है।

उपभोक्ता के खाते से काटे 5900 आयोग ने लगाया 10000 रु का जुर्माना

संभल। बहजोई निवासी हृदेश अग्रवाल का भारतीय स्टेट बैंक शाखा बहजोई में एक सी सी खाता है जिसका नियमानुसार संचालन किया जाता हैं बैंक ने परिवादी के खाते से ई एम चार्ज के नाम प पर उनके खाते से 5900रु की कटौती कर ली जिसकी शिकायत उन्होंने बैंक प्रबंधक से की और बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य में के सी सी खाते से ई एम चार्ज नहीं लिया जा सकता उसके खाते से गलत रूप से चार्ज की कटौती की गई है तो शाखा प्रबंधक द्वारा उनकी कोई बात नहीं सुनी तब उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया तो उन्होंने शाखा प्रबंधक के लिए एक नोटिस हृदेश अग्रवाल की समस्या को लेकर बैंक को भेजा परंतु बैंक ने उसका कोई उत्तर नहीं दिया तो लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट द्वारा एक परिवाद जिला उपभोक्ता आयोग में दाखिल किया।

विश्व दुग्ध दिवस : अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन एवं ई-पत्रिका 'दुग्ध संवाद' का लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसन्धान संस्थान (दुवासु), मथुरा के अंतर्गत डेयरी विज्ञान महाविद्यालय द्वारा एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय की ई-पत्रिका 'दुग्ध संवाद' का भी भव्य लोकार्पण किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भारत सहित विदेशों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से शिक्षाविद्, छात्र, शोधार्थी एवं डेयरी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ सम्मिलित थे।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर देश दीपक सिंह ने बताया कि ई-पत्रिका का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार मदान द्वारा किया गया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने कहा कि दूध सम्पूर्ण आहार है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी है। साथ ही, यह ग्रामीण भारत की आर्थिक रीढ़ भी है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा के प्रोफेसर डॉ. जयेंद्र अमामचार्ला रहे। उन्होंने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में डेयरी उद्योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि किस प्रकार दूध न केवल स्वास्थ्य और पोषण के लिए बल्कि आर्थिक उन्नति के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डेयरी विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. रश्मि सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विश्व दुग्ध दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं में दूध और डेयरी उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन संकाय के अधिष्ठाता, वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, छात्र एवं शोधार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य डेयरी के पोषणात्मक, सामाजिक एवं आर्थिक महत्व के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था, जिसे इस आयोजन ने पूर्णतः सफलतापूर्वक प्राप्त किया। इस सफल अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार एवं ई-पत्रिका लोकार्पण समारोह के आयोजन सचिव डॉ. दीपक मीना रहे, जिन्होंने संपूर्ण कार्यक्रम की योजना, समन्वयन एवं संचालन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

इंडियन सोशल साइंस अकादमी की कार्य परिषद के सदस्य बने डॉ मुहम्मद नईम

झाँसी (अवधनामा संवाददाता)। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी के समाज कार्य विभाग के पूर्व समन्वयक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ मुहम्मद नईम को देश की सामाजिक विज्ञान की अग्रणी संस्था 'इंडियन सोशल साइंस अकादमी' की कार्य परिषद के वार्षिक निर्वाचन में निर्विरोध सदस्य निर्वाचित किया गया हैं। ज्ञात हो इंडियन सोशल साइंस अकादमी पिछले पचास वर्षों से सम्पूर्ण भारत वर्ष के शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक विज्ञान को बढ़ावा देने को लेकर सक्रिय है। अकादमी का प्रयास है कि विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान को मनुष्य और समाज के लिए उपयोगी बनाया जाना चाहिए। कार्यपरिषद में जौनपुर विवि के पूर्व कुलपति प्रो आर आर यादव, प्रो जी डी शर्मा, प्रो एन पी चौबे, प्रो एच डी मिश्र, प्रो मनोहर लाल, प्रो अरुण कुमार, प्रो राना प्रताप सिंह, आदि निर्वाचित किए गए। डॉ मुहम्मद नईम की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कम्पोजिट विद्यालय में हुआ ग्रीष्मकालीन शिविर

ललितपुर (अवधनामा संवाददाता)। कंपोजिट आदर्श विद्यालय नगर क्षेत्र में शासन की मंशा के अनुरूप विद्यालय में बच्चों को ग्रीष्मकालीन शिविर में विभिन्न व्यक्तित्व विकास से संबंधित कार्यों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करवाई जा रही है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अलका अग्रवाल के निर्देशन में विद्यालय की अनुदेशिका दिव्या रिछारिया एवं सविता विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन बच्चों को सुबह में योगासन के माध्यम से खेलकूद के माध्यम से उनके दिनचर्या प्रारंभ करवाई जा रही है। उसके पश्चात बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार कल पेंटिंग नृत्य आदि बहुत से ऐसे कार्य जिम बच्चों की रुचि है उनके माध्यम से उनको नित प्रति सुबह 8 बजे से लेकर अपराह्न 12 बजे तक प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस कार्य में बच्चों की सहभागिता एक रोचक विषय है। क्योंकि प्रतिदिन लगभग छात्र-छात्राएं उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं तथा अभिभावकों की भी रुचि होने के कारण वह अपने बच्चों को नियमित विद्यालय में भेज रहे हैं।

आसपा व भीम आर्मी छोड़ बसपा में हुए शामिल

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। जनपद मथुरा में बीएसपी का बढ़ता हुआ कारवां आगामी 2027 में सरकार बनाने की तरफ आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी के सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ताओं ने बहन जी में आस्था रखते हुए नरेश सिंह बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष मथुरा के नेतृत्व में सैकड़ो नेताओं को बीएसपी की सदस्यता ग्रहण कराई गई सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से सोनू बौद्ध पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोवर्धन जिला अध्यक्ष भीम आर्मी मथुरा, राजेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष भीम आर्मी, शिवकुमार विधानसभा अध्यक्ष भीम आर्मी, सुरेंद्र रावत विधानसभा उपाध्यक्ष अजय समाज पार्टी गोवर्धन, आकाश युवा नेता भीम आर्मी नितिन आजाद समाज पार्टी, कृष्णकांत सेक्टर अध्यक्ष गोवर्धन आजाद समाज पार्टी, निरंजन सिंह सेक्टर अध्यक्ष भीम आर्मी, धर्मेंद्र वरिष्ठ नेता आजाद समाज पार्टी, पुष्पेंद्र सेक्टर सचिव गोवर्धन,इरफान खान सेक्टर उपाध्यक्ष गोवर्धन आजाद समाज पार्टी ,दिगंबर सिंह वरिष्ठ कार्यकर्ता भीम आर्मी सहित सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ग्रहण कि साथ ही हर्ष व्यक्त करने वालों में आगरा मंडल प्रभारी देवी सिंह कुंतल, दारा सिंह आजाद, गोवर्धन सिंह,जिला प्रभारी हेमेंद्र कुमार , विवेक सिंह ,जिलाध्यक्ष नरेश सिंह, उपाध्यक्ष नवल शर्मा महासचिव पवन बघेल कोषाध्यक्ष मोहम्मद उमर फारुकी, जिला कार्यकारिणी सदस्य मुख्तियार सिंह, ओम प्रकाश बघेल,रामबाबू गौतम, कुंदन बघेल, बबूल, प्रताप, चंद्रपाल प्रधान मनोज रावत आदि ने स्वागत कर हर्ष व्यक्त किया।

एलपीजीसीएल में भविष्य निधि जागरूकता सत्र, पीएफ संबंधित समस्याओं का हुआ समाधान

अवधनामा संवाददाता

■ निधि आपके निकट अभियान का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

ललितपुर। ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में भविष्य निधि संगठन कानपुर द्वारा निधि आपके निकट अभियान का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस अभियान के अंतर्गत भविष्य निधि जागरूकता सत्र तथा पीएफ संबंधित समस्याओं के समाधान सत्र का आयोजन भविष्य निधि कार्यालय कानपुर के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 कर्मचारी एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान भविष्य निधि विभाग के अधिकारियों द्वारा भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम 1952 के अंतर्गत संचालित लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और उपस्थितजनों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का तत्परता से समाधान किया गया। सत्र के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में सभी प्रतिभागियों की पीएफ से संबंधित समस्याओं का समाधान भविष्य निधि अधिकारियों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में न केवल कर्मचारियों के बीच भविष्य निधि योजनाओं के प्रति जागरूकता को बढ़ाया, बल्कि संगठन की कर्मचारियों के कल्याण एवं पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को भी सशक्त किया। यह कार्यक्रम कर्मचारियों में भविष्य निधि योजनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान सभी पीएफ संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान कर, इसे एक सफल एवं सराहनीय पहल के रूप में चिन्हित किया गया। ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड इस सहयोग के लिए ईपीएफओ कानपुर का आभार व्यक्त करती है और भविष्य में भी इस प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान भविष्य निधि कार्यालय कानपुर से नोडल अधिकारी संजय कुमार वर्मा, वरिष्ठ सामाजिक सुरक्षा सहायक सुनील गुप्ता, सामाजिक सुरक्षा सहायक सचिन कुमार, एलपीजीसीएल से मानव संसाधन उप महाप्रबंधक सुजीत चंद्रा, प्रबंधक शम्भूनाथ मिश्रा शामिल रहे।

एंटी करप्शन टीम ने फिर एक बार मथुरा में की बड़ी कार्रवाई

मथुरा। मथुरा जनपद में सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है योगी सरकार की भ्रष्टाचार के ऊपर जीरो टॉलरेंस की नीति को सरकारी विभाग के कर्मचारी धता बताकर अपनी जेब गरम करने में लगे हैं,बीते माह पहले एंटी करप्शन टीम द्वारा छापे मारी कार्यवाही में डीपीआरओ को धर दबोचा था फिर एक बार मथुरा में ही एंटी करप्शन टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए राजस्व विभाग के निरीक्षक को धर दबोच लिया, टीम राजस्व विभाग के निरीक्षक को आगे की कार्यवाही के लिए अपने साथ ले गई। मथुरा को लगातार एंटी करप्शन विभाग को लगातार शिकायत मिल रही थी सदर तहसील में कार्यरत राजस्व निरीक्षक नरेंद्र सिंह तरकर जमीन की पैमाईश करने के नाम पर मोटी रकम की उगाही करता है। शिकायत मिलने पर विभाग ने जाल बिछा कर जांच की जिसमें शिकायत की पुष्टि हुई, मामले की पुष्टि होने के बाद आगरा से एक टीम मथुरा पहुंची।

कुछ लोग फैला रहे हैं कॉरिडोर को लेकर भ्रांतियां

अवधनामा संवाददाता

■ प्रमुख संतों ने कॉरिडोर व न्यास को लेकर बैठक कर की चर्चा

मथुरा। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और मंदिर न्यास बनाने के लिए लाए गए अध्यादेश को लेकर मंदिर सेवायतों द्वारा किए जा रहे विरोध को लेकर वृंदावन के प्रमुख संतो की एक आवश्यक बैठक शनिवार को चतुस्संप्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत लाडली दास महाराज की अध्यक्षता में परिक्रमा मार्ग स्थित चैतन्य कुटी आश्रम पर आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित सन्त महंतों ने बैठक में बताया कि मंदिर कॉरीडोर को लेकर चल रहे विरोध के मामले में वृंदावन के प्रमुख सन्त महंतों द्वारा शासन के समक्ष कुछ बातों को रखा गया है। जिसमें विशेष रूप से बनने वाले कॉरिडोर क्षेत्र में रहने वाले लोग, दुकानदार व गोस्वामी परिवारों का अहित न हो इसका ध्यान अवश्य रखा जाये। जिसमें प्रदेश शासन की तरफ से स्पष्टीकरण दिया जा चुका है फिर भी मंदिर कॉरिडोर को लेकर जो भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं, हमारा आग्रह है कि उन पर ध्यान न दिया जाए। इसके अन्तर्गत चाहे वो गोस्वामी परिवार हो या स्थानीय लोग व दुकानदार सभी के हितों पर ध्यान दिया जायेगा। इसके अलावा गोस्वामी परिवार जिस तरह सेवा कर रहा है, उसमें भी किसी प्रकार का फेरबदल नहीं किया जाएगा। सरकार की मनसा है कि सिर्फ बाहर से आने वाले श्रद्धालु भक्तों को बेहतर व्यवस्था दी जा सके इसका ध्यान रखा जायेगा। स्थानीय दुकानदार व गोस्वामी परिवारों के अधिकारों को छीनकर कोई कार्य नहीं किया जायेगा। इस मौके पर अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत हरिशंकर दास नागा, महंत फूलडोल बिहारी दास, जगद्गुरु भईया दास, महंत सुन्दर दास,महंत लाडली शरण, महंतअद्वैत मुनि, महंत भास्करानंद, महंत नवल गिरी, महामंडलेश्वर चित्त प्रकाशानंद महाराज आदि के अलावा प्रमुख संत इस बैठक में उपस्थित रहे ।

अहिल्याबाई की की जयंती पर निकाली गई रैली

अवधनामा संवाददाता

संभल। असमोली मढ़न,ग्राम गुमसानी में अहिल्या बाई जयंती के उपलक्ष में एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू ने किया। रैली गुमसानी से शुरू होकर सेंधरी, टांडा, असमोली आदि गांवों से होते हुए सम्भल राजमहल में संपन्न हुई।

रैली के दौरान लोगों ने महारानी अहिल्या बाई होलकर के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनकी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर लोगों ने महारानी अहिल्या बाई होलकर की जयंती के अवसर पर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की।रैली के समापन पर सम्भल राजमहल में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें महारानी अहिल्या बाई होलकर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महारानी अहिल्या बाई होलकर की जयंती के अवसर पर उनके आदर्शों और मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया।

सामाजिक संगठनों ने अहिल्याबाई को किया नमन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी महानगर इकाई द्वारा भारत की महान वीरांगना, धर्म एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति, एवं कुशल शासक महारानी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300 वीं जयंती पर डैम्पियर नगर स्थित अहिल्याबाई होलकर जी की प्रतिमा पर समाजवादियों ने माल्यार्पण कर नमन् किया साथ ही समाजवादी पार्टी की महानगर अध्यक्ष रितु गोयल व बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने संयुक्त रूप कहा कि रानी अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य को लूटने वाले आक्रमणकारियों से बचाने की कोशिश की। उन्होंने खुद युद्ध में सेनाओं का नेतृत्व किया। और तुकोजीराव होलकर को सेना प्रमुख नियुक्त किया। साथ ही अपने शासनकाल में रानी अहिल्याबाई होलकर ने हिंदू मंदिरों के साथ साथ कुंआ, तालाब व धर्मशालाओं का निर्माण कराया।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष रितु गोयल, वरिष्ठ सपा नेता विजेंद्र सिंह बघेल, पूर्व जिला महासचिव रणवीर सिंह धनगर, महानगर महासचिव अभिषेक यादव, उपाध्यक्ष सज्जन क्रांति, दाऊ दयाल शर्मा, भगवती चतुर्वेदी, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी, कोमल किशोर शर्मा, सैनिक प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष सुरेश यादव, राजीव यादव, मुकेश सैनी, राजू सिंह मास्टर, जय शर्मा, शिवम शर्मा, गिर्राज प्रसाद कश्यप, नेत्रपाल सिंह, मुकेश गोयल, निहाल सिंह उर्फ छोटू ठाकुर आदि मौजूद रहे। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन जनपद मथुरा एवं महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति मथुरा के संयुक्त तत्वाधान मे मातेश्वरी वीरांगना अहिल्याबाई होलकर जी के 300 वें जन्मदिवस पर कृष्णा नगर बिजली घर मथुरा में पुष्पांजलि सभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन साहित्यकार सीवी विकल जी की अध्यक्षता में और संचालन नरेश सर ने किया। पुष्पांजलि सभा में सर्वप्रथम मातेश्वरी अहिल्याबाई होल्कर के प्रतीकात्मक चित्र पर पुष्प अर्पित किए तत्पश्चात समाजसेवी रमेश सैनी एवं चित्रसेन मौर्य ने संयुक्त रूप से मातेश्वरी अहिल्याबाई होल्कर को पराधीन भारत में नारी सशक्तिकरण की अद्वितीय मिसाल बताकर उनके जीवन की प्रमुख घटना पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने बताया कि मातेश्वरी अहिल्याबाई ने अपने शासन परंपरागत तौर तरीके त्याग जनहित में समाज सुधार के कार्य करते हुए अंधविश्वास आडंबर एवं सामाजिक कृतियों के उन्मूलन हेतु प्रेरक कार्य किए थे। जो आज भी प्रासंगिक है। पुष्पांजलि सभा में मानसिंह राजस्थानी श्रीमती नगीना जी एवं समाजसेवी राजवीर सिंह आदि को स्मृति चिन्हभेंट कर एवं स्वाफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सी वी विकल, चित्रसेन मौर्य ,रमेश सैनी, श्रीमती नगीना,आकाश बाबू ,राजवीर सिंह ,सौदान सिंह, राजू सर, साबिर खान, नरेश सर, करण कुमार ,पुष्पेंद्र कुमार ,चांद मोहम्मद ,मानसिंह राजस्थानी, लक्ष्मण सैनी ,कालीचरण आदि आज मौजूद रहे। डैंपियर नगर पार्क स्थित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद बहुजन समाज पार्टी के तत्वधान में जिला कार्यालय भीम नगर सदर बाजार मथुरा में मालवा साम्राज्य इंदौर की महारानी लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई और जीवन पर प्रकाश डाला मुख्य अतिथि के रूप में पाधरे आगरा मण्डल प्रभारी देवीसिंह कुंतल ने अहिल्या बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया अहिल्या बाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए घाट बँधवाए कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया मार्ग बनवाए।

सपा ने कैम्प कार्यालय में लोकमाता होलकर की जयंती

अवधनामा संवाददाता

संभल। समाजवादी पार्टी ने बहजोई कैम्प कार्यालय पर लोकमाता अहिल्या बाई होलकर जी की 300 बी जयंती मनाई गई बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं पदाधिकारी ने लोकमाता अहिल्या बाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण कर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर मराठा शासिका थी और मालवा क्षेत्र की शासिका बनीं उन्होंने ने अपने राज्य में बहुत से परोपकार के कार्य किए अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया संगीता पाल प्रदेश सचिव ने विचार व्यक्त करते हुए कहा की लोकमाता अहिल्या बाई होलकर जी ने आपने राज्य में मन्दिर का एवं घाटों का निर्माण कार्य कराया समाजिक कार्य भी किए बैठक में विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरेशी अशोक राणा चेतन गुप्ता अमित प्रजापति राम निवास दिवाकर सुभाष पाल कमल शर्मा राहुल गुप्ता अशोक गुप्ता सुरज यादव मनोज शर्मा सत्यवीर सिंह यादव लवकुमार यादव जितिन शर्मा आदि नेता सम्मानित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरपीएफ जवान की रास्ते में हृदयगति रूकने से मौत

■ बेटे की मौत की खबर सुनकर एम्स में भर्ती पिता ने भी सदमे में दम तोड़ा

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। विकास खंड बीघापुर के गोसाईखेड़ा गांव में शुक्रवार को एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। बीमार पिता को देखने मुंबई से घर आ रहे आरपीएफ जवान जितेंद्र की अचानक सीने में तेज दर्द के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर जैसे ही रायबरेली एम्स में भर्ती पिता रामकुमार को मिली, उन्होंने भी सदमे में दम तोड़ दिया। इस दुखद घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को वृद्ध रामकुमार का अंतिम संस्कार बक्सर घाट पर गमगीन माहौल में किया गया। वहीं स्वजन ने बताया कि जवान जितेंद्र का शव देर रात तक घर पहुंचने की उम्मीद है। गांव के रहने वाले 70 वर्षीय रामकुमार पिछले छह दिनों से रायबरेली के एम्स में भर्ती थे। उनका 37 वर्षीय बेटा जितेंद्र मुंबई में आरपीएफकी 12वीं बटालियन में तैनात था। पिता की बीमारी की सूचना पर जितेंद्र गुरुवार सुबह मुंबई से फ्लाइट पकड़कर हैदराबाद एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जहां से उन्हें आगे दूसरी फ्लाइट लेनी थी लेकिन एयरपोर्ट पर ही सीने में तेज दर्द उठा और उन्हें तत्काल अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। हैदराबाद में रह रही बहन रूपा और रिश्तेदार रतीपाल अपोलो अस्पताल पहुंचे तो जवान बेटे की निःप्राण देह देख फफक पड़े। परिवार को सूचना दी गई। उसी वक्त रायबरेली में भर्ती रामकुमार को जब यह दुखद खबर मिली तो उन्होंने भी जीवन की अंतिम सांस ली। रामकुमार के तीन बेटों में जितेंद्र दूसरे नंबर पर थे। बड़े बेटे धर्मेंद्र और छोटे सत्येंद्र ने गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी की। दो बेटियों रूपा और मुन्नी की शादी हो चुकी है। जितेंद्र की पत्नी पूजा बेसुध है। उसका चार साल का बेटा अब अनाथ हो गया। बार-बार यही कहती रही अब किसके सहारे जियें? थानाध्यक्ष राहुल सिंह मौके पर पहुंचे और शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

विशेष सचिव ने संचालित योजनाओं की ली जानकारी

■ विकासखंड कबरई का विशेष सचिव द्वारा किया जा रहा तीन दिवसीय निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

महोबा। शासन के निर्देश पर जिले के विकासखण्ड कबरई में सरकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रगति व भौतिक सत्यापन के लिए उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव, नियोजन विभाग अमित सिंह बंसल ने शुक्रवार को विकासखण्ड कबरई क्षेत्र में निरीक्षण किया। तीन दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम एक जून तक चलेगा। जिसके तहत शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्बंधित विभागीय अधिकारियों के साथ शासन द्वारा निर्धारित सभी सूचकांकों पर स्थलीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने विशेष सचिव का बुके देकर स्वागत किया। उन्होने उपस्थित सभी अधिकारियों का परिचय प्राप्त करते हुए अवगत कराया कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिले के महत्वाकांक्षी विकासखण्ड कबरई में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत.प्रतिशत आच्छादन हो, वहां पर विभागों के रिक्त पदों पर अधिकारी व कर्मचारी तैनात हों और कोई भी पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। स्थलीय सत्यापन के लिए तीन दिवसीय भ्रमण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन को योजनाओं और विकास कार्यों सम्बंधी जो रिपोर्ट भेजी जाती है, वह स्थिति मौके पर भी होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान विकास खण्ड अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में नवजात शिशुओं की लम्बाई एवं वजन मापने के लिए क्रियाशील उपकरणों, बाल सुलभ पेयजल एवं बाल मैत्रिक शौचालय की स्थिति, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा, संगिनी एवं सुपरवाइजर की तैनाती, उपलब्धता की स्थिति का सत्यापन किया जाएगा, चिकित्सा इकाईयों.सीएचसी, पीएचसी आदि पर गर्भवती महिलाओं के चेक.अप की लाइन लिस्टिंग, सफाई, दवाइयों की उपलब्धता तथा चिकित्साधिकारियों की तैनाती, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व कम्पोजिट विद्यालायों में स्मार्ट क्लासरूम, सुलभ पेयजल, बिजली एवं क्रियाशील शौचालयों व शिक्षकों की उपलब्धता, ग्राम पंचायत, सचिवालय के माध्यम से जनमानस को उपलब्ध कराई जा रही जनसुविधाओं तथा पंचायत सहायक एवं डाटा एंट्री, कंप्यूटर ऑपरेटर की तैनाती,उपलब्धता की स्थिति, पोषण पुनर्वास केन्द्र, रिसोर्स रिकवरी सेंटर, स्वयं सहायता समूह, केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया जाएगा, इसलिए सभी सम्बंधित अधिकारी निर्धारित प्रारुप पर अपनी.अपनी सूचनाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त, राजस्व राम प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आशाराम, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम, जिला विकास अधिकारी पंकज यादव सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीवारों पर पेंटिंग कराने के दिए निर्देश

सचिव ने ब्लाक कबरई के आंगनबाड़ी केन्द्रों, शौचालय, पेयजल व दीवारों पर पेंटिंग से आच्छादित कराने के निर्देश दिये गए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रशंसा की। सचिव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आयुष्मान भारत योजनान्तर्गत गोल्डन कार्ड वितरण में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड कबरई में सभी विभागों के रिक्त चल रहे पदों की सूची उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये।

अमन का सन्देश जन जन तक पहुँचाएं धर्मगुरुः डीएम

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। बकरीद व अन्य त्योहारों के दृष्टिगत आज विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने जनपद के धर्मगुरुओं से संवाद किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कुर्बानी के बाद अवशेष को इधर उधर न फेकें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली के लटकते हुए तारों को ठीक किया जाये। नगर निकायों में पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। सफाई की उचित व्यवस्था की जाये। मस्जिदों में 65 डेसिबल से अधिक आवाज न रखी जाये। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सेवाओं को निर्बाध रखा जाये। सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी न दी जाये। अफवाहों से सभी लोग सावधान रहें। धर्म गुरु समाज में गंगा जमुनी तहजीब बनाये रखने में अपना सहयोग करें। अमन का सन्देश जन जन तक पहुँचाएं। मजिस्ट्रेट व पुलिस क्षेत्राधिकारी संयुक्त रूप से क्षेत्रों में भ्रमण करें। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि सभी लोग सौहार्दपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाएं। किसी घटना की दशा में पुलिस के नंबरों पर तत्काल फोन करें। सोशल मीडिया पर कोई भड़काऊ पोस्ट न करें। नमाज के दौरान शासन के निर्देशों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया जाये। लाउडस्पीकर की पहले से अनुमति प्राप्त कर ली जाये। धर्म गुरुओं ने भी अपने विचार रखे सभी ने शांति व्यवस्था बनाये रखने में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, अन्य अधिकारी व धर्मगुरु उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने मांगों के समर्थन में उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

■ ग्रामीणों की मांगों को लेकर किसान यूनियन ने दी आंदोलन की चेतावनी

अवधनामा संवाददाता

महोबा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के तत्वावधान में तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों की समस्याओं को लेकर छह सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर निस्तारण किए जाने की मांग की है। मांग पूरी न होने पर धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी गई। तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने उपजिलाधिकारी कुलपहाड़ अनुराग प्रसाद को छह सूत्री ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि ग्राम रिवई स्टेट, परापातर, टिगुरा, ब्यारजौ में सिंचाई के लिए विधुत लाइन नहीं है, कई बार लिखित मांग करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसे जल्द ही सिंचाई के लिए विद्युत लाइन खिंचवाई जाए। ग्राम टोला पांतर में गाटा संख्या 169 रकवा 0.939 की पत्थर गड्डी कराने के लिए कई बार निवेदन करने पर भी नहीं हुई। जिसकी जल्द ही पत्थर गड्डी कराई जाए। ग्राम रिवई के नदी वाले दो रास्तों एवं हनुमान मंदिर के रास्तों पर अवैध कब्जा हटाया जाए। ग्राम टोला पांतर में चकरोड संख्या 340 व 214 में दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जा को खाली कराया जाए। ग्राम रिवई में भारत सिंह पुत्र शिवलाल राजपूत के ग़लत विद्युत रीडिंग के बिल को सही कराकर कनेक्शन जोड़ा जाए। ग्राम रिवई स्टेट में सफाई कर्मी न होने के कारण गांव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जहां सफाई कर्मी की नियमित ड्यूटी लगाई जाए। उनका कहना है तीन साल से बराबर मांग की जा रही है, लेकिन इन समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया है। ज्ञापन मे बताया कि अगर तय समय सीमा पर निस्तारण नहीं किया गया, तो ग्रामीण धरना प्रदर्शन करने के लिए विवश हो जाएंगे। ज्ञापन देने वालों में तहसील अध्यक्ष कुलपहाड़ अशोक कुमार, प्रेम नारायण, चतुर्भुज राजपूत, मान बहादुर, रामकुमार, साधू राम रावत, मनमोहन, रामरतन, भारत आदि संगठन के लोग मौजूद रहे।

सीसीटीवी में कैद हुई ईको कार चोरी की वारदात, वीडियो वायरल

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर मोहल्ले में गुरुवार रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। रात करीब 2 बजे चोरों ने एक इको कार चोरी कर ली। हैरानी की बात ये है कि दोनों चोर बिना किसी जल्दबाजी के कार स्टार्ट करते नजर आए और चुपचाप गली से निकल गए। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है' कि दो युवक कार के पास आते हैं और कुछ ही मिनटों में कार स्टार्ट कर फरार हो जाते हैं। गली में लगे दूसरे कैमरे में चोरी की गई कार आगे जाती नजर आई। शुक्रवार को ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि गश्त नहीं होती जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। रात में खुलेआम वाहन चोरी होना अब आम बात बनती जा रही है। वाहन मालिक ने सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। सदर कोतवाल अवनीश सिंह के अनुसार सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रशासन ने प्रायवेट हॉस्पिटलों का औचक निरीक्षण किया

■ प्रायवेट हॉस्पिटलों के अभिलेखों व अन्य व्यवस्थाओं की गहनता से जॉच की

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत दिनों पूर्व विभिन्न सामाचार पत्रों में स्वास्थ्य विभाग के रहमो करम पर संचालित किये जा रहे मानक विहीन प्रायवेट हॉस्पिटलों के औचक निरीक्षण सहित जॉच किये जाने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। जिसे संज्ञान में लेकर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर छिबरामऊ तहसीलदार ने चिकित्सक व राजस्व कर्मी सहित पुलिस बल के साथ नगर के प्रायवेट हॉस्पिटलों के मानकों की गहनता से जॉच की। शनिवार को छिबरामऊ तहसीलदार अवनीश कुमार ने डॉ. राहुल मिश्रा सीएचसी छिबरामऊ, क्षेत्रीय लेखपाल कौशल पाण्डेय तथा उप निरीक्षक विनोद कुमार कश्यप की टीम ने नगर के नवजीवन हॉस्पिटल, मंगलम हॉस्पिटल, दीक्षित नेत्र चिकित्सालय, माई हॉस्पिटल, ताज हॉस्पिटल, सिद्धार्थ हॉस्पिटल, चांदनी हॉस्पिटल आदि का औचक निरीक्षण कर अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र, पेयजल शौचालय की जांच की निरीक्षण किया तथा ओपीडी रजिस्टर, आईपीडी रजिस्टर, ओटी रजिस्टर, बायोमेडिकल वेस्ट रजिस्टर की गहनता से जांच की तथा अस्पताल में जनरेटर, इनवर्टर की उपलब्धता व कार्य क्षमता की जांच की। ओटी टेबल तथा कितने एमबीबीएस डॉक्टर हैं, कितने वार्ड बॉय हैं, कितने स्टाफ नर्स हैं की जांच की। कितने आईसीयू में बेड हैं टोटल कितनी लेबर टेबल है सभी बिंदुओं की गहनता से जांच की

संक्षिप्त समाचार

बहलाकर भगा ले जाने का सनसनीखेज मामला

बिलग्राम, हरदोई। थाना बिलग्राम क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को बहलाकर भगा ले जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी को 28 मई की शाम करीब 6 बजे उनके ही गांव के निकटवर्ती क्षेत्र के एक युवक ने शादी का प्रलोभन देकर अपने साथ भगा लिया। पीड़ित पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की तलाश अपने सभी रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। हताश होकर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई हैं और जल्द ही लड़की को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और संदिग्ध स्थानों की तलाशी शुरू कर दी है।

विद्युत आपूर्ति के लिए नगर को दो फीडर में बांटा: एसडीओ

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु और निर्बाध बनाने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा नगर को तिर्वारोड एवं जीटीरोड दो अलग-अलग फीडर में विभाजित किया गया है। इस योजना को लागू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर और स्थिर बिजली आपूर्ति प्रदान करना है। शनिवार को यह जानकारी एसडीओ बृजेश कुमार सरोज ने दी। बताया कि नगर में लगातार बढ़ रही विद्युत खपत और लोड के कारण आए दिन तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही थीं। इन समस्याओं को दूर करने और फॉल्ट की स्थिति में जल्दी समाधान सुनिश्चित करने के लिए नगर को दो फीडर में बांटने का निर्णय लिया गया है। इससे एक क्षेत्र में फॉल्ट होने की स्थिति में दूसरा क्षेत्र प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने बताया कि दोनों फीडरों की लाइनें, ट्रांसफॉर्मर और संबंधित उपकरणों की जाँच कर ली गई है और आवश्यक सुधार भी कर दिए गए हैं।

आपदा प्रबंधन एवं दंगा की सूचना पर पहुंचने में देरी न हो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी ली। परेड में पुलिस लाइन का बल और विभिन्न थानों के पुलिसकर्मी शामिल हुए। एसपी भूकर ने पुलिस बल की तैयारियों और वर्दी की साज़-सज्जा का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पुलिस की भूमिका सिर्फ कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है। आपदा प्रबंधन दंगा नियंत्रण और जनता का विश्वास बनाए रखना भी पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों को दंगा नियंत्रण उपकरणों के उपयोग में दक्ष होने का निर्देश दिया। साथ ही भीड़ प्रबंधन की तकनीक पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने जवानों को सतर्कता और संवेदनशीलता से काम करने का संदेश दिया। परेड के बाद एसपी ने पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस लाइन ग्राउंड नए भवन, बैरक और परिवहन शाखा की समीक्षा की। निर्माण कार्यों के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन प्रदीप मौर्या, प्रतिसार निरीक्षक अब्दुल रशीद और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसपी ने साफ सफाई अनुशासन और संसाधनों के उचित उपयोग पर विशेष जोर दिया।

ड्रोन प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। जिला उद्योग केंद्र और डी.एस.एन.कॉलेज के भूगोल विभाग ने संयुक्त रूप से ड्रोन प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन कालेज सभागार में किया। यूपीकॉन और जनरल एरोनॉटिक्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में ड्रोन तकनीक के विविध पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर जनरल एरोनॉटिक्स के उपाध्यक्ष बिक्री एवं व्यवसाय विकास, दिनेश शर्मा ने ड्रोन को कृषि क्षेत्र के लिए एक आधुनिक तकनीक बताते हुए कहा कि यह भारतीय कृषि के स्वरूप को बदलने की क्षमता रखती है। जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक पी.सी.वर्मा ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत ऋण आवेदन की प्रक्रिया और प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजक और भूगोल विभाग के अध्यक्ष अनिल साहू ने भविष्य में भी जिला उद्योग केंद्र के साथ मिलकर इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। कार्यशाला में डी.एस.एन. कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रभारी अनिल कुमार और प्राचार्य प्रो. प्रदीप गुप्ता, डॉ. अंजना शुक्ला, डॉ. शैली गुप्ता, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ. विनय तिवारी, अनुराग सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

जेडी स्वास्थ्य ने निरीक्षण दौरान गंदगी पाए जाने पर जताई नाराजगी

■ निरीक्षण दौरान कोविड वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट और अन्य व्यवस्थाओं का जयजा लिया

अवधनामा संवाददाता

महोबा। जिले में कोरोना संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शासन के निर्देश पर शुक्रवार को संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य अभय प्रताप सिंह ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कोविड वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट और अन्य व्यवस्थाओं का भी जयजा लिया। संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य निरीक्षण दौरान जिला अस्पताल परिसर में स्थित ऑक्सीजन स्टोर रूम पहुंचे, जहां गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराज़गी जताई। उन्होंने सीएमएस को फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि साफ.सफाई और ऑक्सीजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं तत्काल सुधारें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दास्त नही की जाएगी। उन्होंने निरीक्षण दौरान पाया कि ऑक्सीजन प्लांट का जनरेटर अस्पताल में अन्य कार्यों के लिए भी प्रयोग में लाया जा रहा है। इस पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आपात स्थिति में ऑक्सीजन सप्लाई किसी भी हाल में बाधित नहीं होनी चाहिए। जनरेटर का प्राथमिक उपयोग ऑक्सीजन प्लांट के लिए ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कोविड वार्डों में जाकर ऑक्सीजन की आपूर्ति, उपकरणों की स्थिति और दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हर बेड पर ऑक्सीजन सप्लाई की नियमित उपलब्धता रहे और संबंधित कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से तैनात रहें। उन्होने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों में कोविड के नए मामले सामने आने के बाद शासन ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। जिला अस्पताल महोबा निरीक्षण भी इसी गरज से किया गया है। संभावित संक्रमण से पहले ही स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चाक.चौबंद रखने के निर्देश दिए।

एक्सप्रेस-वे निर्माण में काम कर रहे मजदूर को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

उन्नाव। हसनगंज थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर सोनिक क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य में लगे मजदूर कैलाश शंकर 50 की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। घटना गुरुवार रात की है। कैलाश शंकर शाहपुर तोदा गांव के रहने वाले थे जो थकान के कारण वह एक्सप्रेस-वे के किनारे सो रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया। जिसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक अपने परिवार का एक मात्र सहारा था। उनके परिवार में पत्नी और एक विवाहित बेटी है। कैलाश खेती-किसानी भी करते थे। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर मजदूरी शुरू की थी। गांव वाले उन्हें एक ईमानदार और मददगार व्यक्ति के रूप में जानते थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

कांग्रेसियों ने विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। भीषण गर्मी के मौसम में कई दिनों से विद्युत विभाग द्वारा की जा रही अघोषित विद्युत कटौती के चलते जहां एक ओर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में हाहाकार मच गया। वहीं दूसरी ओर इस जन समस्या के निस्तारण के लिए पूर्व प्रदेश सचिव उ.प्र. कांग्रेस कमेटी सहित नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एसडीओ को ज्ञापन सौंप कर समस्या के निस्तारण की मांग की है।

शनिवार को स्थानीय विद्युत उपखंड कार्यालय पहुंचे पूर्व प्रदेश सचिव उ.प्र. कांग्रेस कमेटी विजय मिश्र, नगर अध्यक्ष संजीव दुबे मुन्ना, पूर्व जिलाध्यक्ष उषा दुबे ने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ एसडीओ बृजेश कुमार सरोज को ज्ञापन सौंपने के उपरांत बताया कि विगत कई दिनों से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अत्यंत खराब स्थिति में चल रही है। बिजली की अघोषित कटौती तथा अनियमित वोल्टेज का सामना नगर व ग्रामीण क्षेत्र के लोग कर रहे हैं। इसकी वजह से हमारे दैनिक जीवन में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। बताया कि अघोषित विद्युत कटौती 10 से 12 घंटे की जा रही है। जिससे आवासीय क्षेत्र में रहने वाले सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, छात्र एवं पेशेवर लोगों को कामकाज में बहुत परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों की सिंचाई समय से ना हो पाने के कारण फसलें सूख रही है। लो वोल्टेज के कारण विद्युत उपकरण खराब हो रहे हैं। जिससे क्षेत्र का किसान आत्महत्या करने के लिए विवस हो गया है। उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवस्था में सुधार न होने की स्थिति में हम सभी कांग्रेसजन जनहित में धरना प्रदर्शन करने के लिए विवस होंगे। इस दौरान प्रबल प्रताप सिंह, जुगल किशोर पाठक, अमर तिवारी, बृजेश सिंह, विनय कुमार, दीपू यादव, शाहरुख, प्रेमचंद, अखिलेश, सानू, रामू त्रिपाठी, आशीष, अकरम, विवेक सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को कांग्रेसियों ने किया याद

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के 300वां जन्म दिवस पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर फूल मालायें पहनाकर और पुष्प अर्पित कर नमन किया। वही आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके द्वारा किये गए सामाजिक कार्यों को याद किया।

शनिवार को नगर के मोहल्ला अजयपाल नगर में स्थित जवाहर कक्ष में प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर जिलाध्यक्ष मो. शाकिर हुसैन एडवोकेट ने गोष्ठी को संबोधित करते हुये बताया कि लोकमाता अहिल्या बाई का जन्म आज ही के दिन 31 मई को हुआ था और सारा जीवन मानवता की सेवा में लगा दिया। इसलिए हम सब को समाज में मानवता के कार्य करना चाहिए ताकि उनके बताए गए मार्ग पर मजबूती से आगे बढ़ा जा सके और सदा गरीब मजलूम व बेसहारा लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जोनल प्रवक्ता विवेक नारायण मिश्र ने कहा कि माता अहिल्याबाई ने सदा गरीबों और बेसहारा लोगों की सेवा की भूखे को खाना खिलाया लोगों को पेंशन दी। गरीबों के लिए शिक्षा की समुचित व्यवस्था की और सारा जीवन मानव सेवा करती रहीं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई नगर निकायों की बैठक

■ सर्वे के अनुसार कूड़ा गाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेः अनुनय झा

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में नगर विकास व डूडा की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के टाइड व अनटाइड फंड में अवशेष धनराशि से विकास कार्य कराये जाये और कार्यों के लिए सभासदों से प्रस्ताव ले लिए जाएं तथा ऐसे प्रस्ताव लिए जाएं जो अन्य किसी योजना से आच्छादित न हो व वार्म व्हाइट लाइटें लगवाई जाएं तथा प्रतिष्ठानों का एक सर्वे करा लिया जाये तथा सर्वे के अनुसार कूड़ा गाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये, संसाधनों में वृद्धि की जाये। कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होने कहा कि नगर पालिका हरदोई क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड के लिए कम से कम एक फॉगिंग मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। अमृत-2 के अंतर्गत कार्यों को तेजी से कराया जाये। सभी नगर निकायों में जीआईएस सर्वे जल्द कराया जाये। मड पम्प की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। बारिश के दौरान जल निकासी की व्यवस्था अभी से कर ली जाये। इसके लिए डिजाइन तैयार कर ली जाये। शाहाबाद व पाली नगर पंचायत में नगर सृजन योजना के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार किये जाएं। स्कूलों व आँगनबाड़ी केंद्रों को भी प्रस्ताव में लिया जाये। वंदन योजना के अंतर्गत कार्यों को तेजी से कराया जाए। पात्र निकायों की ओर से वैश्विक नगरोदय के प्रस्ताव भेजे जाएं। नगर निकायों के आय के स्रोत बढ़ाये जाएं। निकायों में स्थित तालाबों की नीलामी का कार्य जल्द कराया जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेजस्वी प्रकाश जैसी ग्लोइंग स्किन चाहिए, तो एक्ट्रेस का बताया हुआ होममेड फेस पैक कैसे बनाएं

टेलीविजन इंडस्ट्री और बिग बॉस 15 फेम एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस अपनी बेदाग खूबसूरती के लिए फैंस के बीच सबसे ज्यादा पॉपुलर है। तेजस्वी की खूबसूरती के उनके फैंस भी दीवाने है। क्या आप भी उनके ग्लोइंग त्वचा का राज जानना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। तेजस्वी प्रकाश ने अपनी बेदाग खूबसूरत त्वचा का सीक्रेट सोशल मीडिया पर शेयर किया। अब आप भी दमकती त्वचा पाने के लिए घर पर बना सकते हैं यह सीक्रेट होममेड फेस पैक। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।

होममेड फेस पैक बनाने के लिए जरुरी चीजें

- दो बड़े चम्मच बेसन
- एक चम्मच दही

कैसे बनाएं ये फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए आपको सबसे पहले एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन और 1 चम्मच दही डालकर अच्छे से मिला लें। इस पैक को लगाने से कई फायदे मिलते हैं। जैसे कि बेसन एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट है। बेसन से त्वचा को साफ करने से त्वचा में रंगत आती है। इतना ही नहीं, बेसन त्वचा से मुंहासों, काले धब्बों और अनइवन स्किन टोन जैसी समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है।

फेस पैक को यूज करने का तरीका

इस फेस पैक को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद आप फेस पैक को पानी से धो लें।

दुल्हन को पसंद आती है ट्रेडिशनल मारवाड़ी मेहंदी डिजाइन, आप भी करें ट्राई

शादियों का सीजन शुरू हो चुका है और इसी के साथ होने वाली दुल्हन एक अच्छी मेहंदी आर्टिस्ट तलाश करना शुरू कर देती हैं। वैसे तो आपको अपने-अपने शहर में अच्छा मेहंदी आर्टिस्ट मिल जाएगा। लेकिन हाथों में कैसी ब्राइडल मेहंदी लगवानी है, उसके लिए अच्छी डिजाइंस की तलाश रहती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे मेहंदी डिजाइंस दिखाने जा रहे हैं, जो आजकल हर दुल्हन को पसंद आते हैं। साथ ही इन मेहंदी डिजाइंस को लगाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता है। आपको बता दें कि मेहंदी डिजाइंस को लेकर आजकल की दुल्हन बहुत ज्यादा सिलेक्टिव हो गई हैं। ब्राइडल को ज्यादा पारंपरिक डिजाइंस अच्छी नहीं लगती हैं और न ही उनको मेहंदी लगवाने के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं लगता है। ऐसे में दुल्?हन की मेहंदी को ट्रेडिशनल के साथ-साथ मॉर्डन टचअप देने के

लिए हम बहुत सारे एलिमेंट्स का इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से मेहंदी की डिजाइन यूनिक हो जाती है।

लेटेस्ट ब्राइडल मेहंदी डिजाइन

ब्राइडल के हाथ पर मेहंदी रचानी हो या फिर दूल्हे की भाभी लगानी हो, तो मारवाड़ी ट्रेडिशनल मेहंदी काफी अच्छी लगती है। आप घर में आई मेहंदी आर्टिस्ट को इन फोटोज को जरूर दिखाएं। इससे वह हाथों पर सुंदर मोर और दुल्हा-दुल्हन के पैटर्न वाली डिजाइन काफी अच्छी लगेगी।

ब्राइडल हिना डिजाइन

दुल्हन के हाथों पर मेहंदी लगानी है, तो वह इस तरह के दूल्हा-दुल्हन के पैटर्न वाली हिना डिजाइन वाली मेहंदी लगवा सकती हैं।

ट्रेडिशनल मेहंदी डिजाइन

यह मेहंदी डिजाइन सिर्फ ब्राइडल ही नहीं बल्कि शादी वाले घर में बहन और भाभियां भी खूब पसंद करती हैं। यह मेहंदी डिजाइन नई नवेली दुल्हन वाला इफेक्ट भी देती है।

फ्रंट हैंड मेहंदी डिजाइन

अगर आपको फ्रंट हैंड पर मेहंदी लगानी है, लेकिन आपको मिनिमल डिजाइन पसंद है। तो आप इस तरह क्रिएटिव तरीके से ब्राइडल पैटर्न को फ्रंट हैंड पर लगवा सकती हैं।

फुल हैंड मेहंदी डिजाइन

फूल-पत्तियों के साथ फुल हैंड हिना डिजाइन बेहद अच्छी लगती है और आप इसको आसानी से लगवा सकती हैं।

पिकॉक पैटर्न हिना डिजाइन

मोर के पैटर्न वाली फ्रंट हैंड हिना डिजाइन मेहंदी अट्रैक्टिव होने के साथ ही इसको लगाना भी काफी आसान है। इस मेहंदी डिजाइन को भी महिलाएं खूब पसंद करती हैं।

फ्रंट हैंड पिकॉक पैटर्न सिंपल डिजाइन

बता दें कि पिकॉक पैटर्न की सिंपल और आसानी सी लगने वाली यह मेहंदी डिजाइन ब्राइडल की मम्मी पर खूब जंचेगी। साथ ही इस डिजाइन को लगाने में अधिक मेहनत भी नहीं लगती है।

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए ट्राई करें ये कश्मीरी स्टाइल सूट, हर कोई करेगा ड्रेसिंग सेंस की तारीफ

पार्टी से लेकर ऑफिस तक में न्यू लुक पाने के लिए महिलाएं अक्सर सूट पहनना पसंद करती हैं। सूट में कई तरह की डिजाइंस और पैटर्न देखने को मिल जाते हैं। जिनको आप कई खास मौकों पर स्टाइल कर सकती हैं। लेकिन अगर आप किसी खास इवेंट पर न्यू और स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको कश्मीरी स्टाइल वाले सूट कैरी करने चाहिए। इस तरह के सूट पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं और आपको बेहद खूबसूरत लुक मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ कश्मीरी स्टाइल वाले सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको कैरी करने के बाद आपके लुक में चार चांद लग जाएंगे।

फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट

न्यू लुक पाने के लिए इस तरह के सूट बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस सूट में फ्लोरल डिजाइन में एम्ब्रॉयडरी वर्क किया है। इस सूट में पेंट स्टाइल में सलवार है, जो आपके लुक को स्टाइलिश बनाने का काम करेगा। इस तरह

के सूट के साथ नेट का दुपट्टा या शॉल कैरी कर सकती हैं। मार्केट में आपको 2,000 रुपए तक में इस तरह का सूट मिल जाएगा। वहीं आप इस सूट के साथ बालों में बन बना सकती हैं और ज्वेलरी में झुमकी कैरी कर सकती हैं। एम्ब्रॉयडरी सूट में आपको तमाम तरह के ऑप्शन मिल जाएंगे। इसमें आपको सिंपल डिजाइन वाला सूट भी मिल जाएगा। लेकिन इस तरह के सिंपल सूट में जो दुपट्टा है, उसमें एम्ब्रॉयडरी की गई है। यह आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा और आप इसको ऑफिस या फिर किसी खास इवेंट में कैरी कर सकती हैं।

सीक्विन वर्क कश्मीरी सूट

अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आप इस तरह के सीक्विन वर्क कश्मीरी सूट भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आपको कई तरह के कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। इस सूट को आप किसी पार्टी या फिर शादी आदि में स्टाइल कर सकती हैं। आप मार्केट से इस तरह के सूट 1,500 से 3,000 तक में खरीद सकती हैं। इसके साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप कस्टमाइज्ड जूती वियर कर सकती हैं।

प्रिंटेड कश्मीरी सूट

बता दें कि न्यू लुक पाने के लिए यह प्रिंटेड कश्मीर सूट भी बेस्ट है। इस सूट में आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। ऑफिस या किसी पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह का सूट वियर कर सकती हैं। वहीं आप मार्केट या फिर ऑनलाइन भी इस तरह के सूट सस्ते दामों पर ले सकती हैं। प्रिंटेड कश्मीरी सूट के साथ आप सिंपल ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं और फुटवियर में फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं। प्रिंटेड सूट में आप व्हाइट कलर के कश्मीरी सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। यह न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। वहीं आप इसमें ग्रीन कलर के प्रिंटेड सूट का भी चुनाव कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। जिनको आप खास मौके पर स्टाइल कर अपने लुक को बेस्ट बना सकती हैं।

चमकती त्वचा पाने के लिए चावल के आटे में मिला लें यह एक चीज फिर देखें चमत्कार, पहले इस्तेमाल से दिखेंगा ग्लो

पुरुष हो या महिला हर किसी को बेदाग त्वचा की चाहत रहती है। हर किसी को क्लियर स्किन जरुर चाहिए। आजकल की खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह स्किन प्रॉब्लम देखने को मिलते है। कई महंगे-महंगे स्किन प्रोडक्ट्स और स्किन केयर सब ट्राई कर लिया लेकिन मनचाह रिजल्ट भी नहीं मिला। इसलिए आप नेचुरल चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। चावल का आटा स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है और स्किन केयर में इसका काफी यूज किया जाता है। इसके प्रयोग से आप कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

पिंपल के दाग को साफ करता है

अगर आप मुहांसों के दाग को साफ करना चाहते हैं, तो आप कैस्टर ऑयल में फैटी एसिड, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन ई होता है जो स्किन की मरम्मत करने और दाग-धब्बों को

मिटाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए ऑर्गेनिक अरंडी का तेल और 2 बड़े चम्मच चावल का आटा। इसे फेस पैक को बनाने के लिए चावल के आटे में तेल मिला लें। फिर इस पोस्ट को मुहांसे के दाग पर लगाकर धीरे-धीरे मालिश करें। 30 मिनट बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

डार्क सर्कल होंगे दूर

डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए आपको चाहिए चावल में एक चुटकी हल्दी और टमाटर का रस मिलाएं। अब आप चावल के आटे और हल्दी का फेस पैक अपने काले घेरों पर लगाएं और 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। इन तीन चीजों में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं।

हाइपरपिगमेंटेशन की दिक्कत भी होगी दूर

हाइपरपिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने के लिए चावल का आटा खूब काम आ सकता है।इस फेस पैक को बनाने के लिए नींबू और चावल के आटे का इस्तेमाल करें। दोनों चीजों मिलाने के बाद गुलाब जल की कुछ बूंदें मिलाएं और फिर पैक को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे ठंडे पानी से धोने से पहले 20 मिनट तक लगा रहने दें।

ठंड में फटी एड़ियों से चाहिए छुटकारा तो एलोवेरा जेल की मदद से बनाएं ये फुट क्रीम

ठंड का मौसम हमारे पैरों के लिए काफी हार्श हो सकता है। नमी की कमी के चलते अक्सर पैरों में रुखापन व क्रैक्ड एड़ियों की समस्या हो सकती है। इस स्थिति में यह बेहद जरूरी है कि आप अपने पैरों की अतिरिक्त देखभाल करें। यूं तो मार्केट में कई तरह की फुट क्रीम मिलती हैं, लेकिन ये काफी महंगी होती हैं और इससे आपकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप खुद घर पर ही नेचुरल फुट क्रीम बनाकर तैयार करें। इसके लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल आपके पैरों को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ उसे सूदिंग अहसास करवाता है। जिसकी वजह से आपको ठंड में फटे पैरों की वजह से होने वाले दर्द से आराम मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप ठंड के मौसम में अपने पैरों का ख्याल रखने के लिए एलोवेरा जेल की मदद से फुट क्रीम किस तरह बनाकर तैयार कर सकते

हैं।

एलोवेरा जेल और शिया बटर फुट क्रीम

शिया बटर ठंड के दिनों में बहुत रूखी स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है, जबकि एलोवेरा जेल से आपको एक सूदिंग और कूलिंग इफेक्ट मिलता है।

आवश्यक सामग्री

2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल

2 बड़े चम्मच शिया बटर

1 चम्मच बादाम का तेल

फुट क्रीम बनाने का तरीका

सबसे पहले शिया बटर को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में तब तक पिघलाएं जब तक यह पूरी तरह से चिकना न हो जाए।

अब पिघले हुए शिया बटर को एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं।

बादाम का तेल डालें और क्रीमी होने तक फेंटें।

इसे ठंडा होने दें और एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

आप इसे नहाने के बाद रोज़ाना एड़ियों पर लगाएं।

एलोवेरा जेल और नारियल तेल फुट क्रीम

एलोवेरा स्किन को गहराई से हाइड्रेट करता है, जबकि नारियल तेल नमी को लॉक करता है, जिससे फटी एड़ियों की समस्या ठीक होती है।

आवश्यक सामग्री

2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल

2 बड़े चम्मच नारियल तेल

1 चम्मच विटामिन ई तेल

फुट क्रीम बनाने का तरीका

नारियल तेल को हल्का गर्म करें ताकि यह पिघल जाए।

अब एक छोटे कटोरे में एलोवेरा जेल और नारियल तेल मिलाएं।

इसमें विटामिन ई तेल डालें और मिश्रण के चिकना होने तक हिलाएं।

इसे एक छोटे जार में स्टोर करें।

सोने से पहले साफ पैरों पर अच्छी मात्रा में मालिश करें और मोजे से ढक दें।

सर्दियों में स्किन का याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है। गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें।

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

सफेद बालों की समस्या दूर होगी, घर में बना यह तेल, बाल होंगे काले

आजकल युवाओं से लेकर बड़ों लोगों को सफेद बालों की समस्या से जूझ रहे हैं। हमारी जीवनशैली और खानपान का असर हमारे शरीर में जरुर देखने को मिलता है। कई कारण से बालों का सफेद होने की समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है। यदि आप भी बालों के सफेद होने से परेशान हैं, तो घर में बने इस हेयर ऑयल को जरुर लगाएं। जो बालों को काला कर देगी और बालों का नेचुरल कलर लौट आएगा।

बालों को काला करने वाला हेयर ऑयल बनाने का तरीका

- 1 कप कलौंजी
- 1 कप सरसों का तेल
- पानी

कैसे बनाएं बालों को काला करने वाला तेल

- इसके लिए आप एक कप कलौंजी को किसी कांच के बर्तन में रातभर के लिए भिगोकर छोड़ दें।

- अगली सुबह इस पानी के साथ कलौंजी को पीसकर पेस्ट

बना लें।

- फिर आप किसी लोहे की कड़ाही में ये पेस्ट और सरसों का दो कप तेल डालकर पकाएं। इसे तब तक पकाएं जब तक कि ये पककर आधा ना होने लगे। गैस की फ्लेम को बंद कर दें और ठंडा होने जाने दें।

- अब किसी मलमल के कपड़े से इसे अच्छे से छान लें और तेल को किसी कांच की शीशी में भरकर रख लें और तैयार है बालों को नेचुरली काला करने वाला तेल।

कैसे बालों पर लगाएं यह ऑयल

रात को सोने से पहले आप बालों को जड़ो और जिन जगहों पर बाल सफेद हो रहे हैं वहां हेयर ऑयल लगा लें। पूरी रात के लिए छोड़ दें फिर अगली सुबह शैंपू से बालों को धो लें। लगातार कई सप्ताह बालों में तेल लगाने से बालों का नेचुरल कलर लौट आएगा।

कोलेजन को बूस्ट करने में माहिर है ये फल, स्किन बनेंगी चमकदार

चमकदार और अच्छी त्वचा पाने के लिए कोलेजन का होना काफी जरुरी है। यह एक प्रकार का प्रोटीन है, जो स्किन मेजर बिल्डिंग ब्लॉक होता है और स्किन स्ट्रक्चर, स्ट्रेंथ और इलास्टिसिटी बनाए रखने में मदद करता है। अगर आप भी नैचुरली तरीके से कोलेजन को बूस्ट करना चाहती हैं, तो आप अपने डाइट में कुछ फलों को जरुर शामिल करें। चलिए आपको इन फलों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन करने से कोलेजन बूस्ट होता है।

संतरे

संतरे में सबसे ज्यादा विटामिन सी मौजूद होती है, जो शरीर को डैमेज होने से बचाता है। संतरे के सेवन से चेहरे पर चमक आती है। रोजाना एक या दो संतरे खाने से काले धब्बे, मुंहासों के दाग हल्के हो जाते हैं।

बेरीज

जितनी भी बेरीज मौजूद है जैसे कि-स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी, ब्लैकबेरी और क्रैनबेरी में कोलेजन

मात्रा भरपूर होती है। इन सभी बेरीज में जरुरी विटामिन सी होता है। जो कि स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। आमतौर पर इन बेरीज में एलाजिक एसिड होता है, जो आपकी स्किन को यूवी डैमेज से बचाता है।

ट्रॉपिकल फ्रूट्स

कोलेजन के बढ़ाने के लिए आप अनानास, कीवी, पैशन फ्रूट, आम और अमरूद जैसे फलों का सेवन करना जरुरी है। यह फल के स्वाद के साथ ही शरीर को आंतरिक रूप से पोषण देता है। तरबूज में पानी की मात्रा सबसे ज्यादा होती है और स्किन का हाइड्रेटेड रखता है। इसके अलावा, पपीते में पपेन नामक एक एंजाइम होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है।

ग्रेप फ्रूट

अंगूर में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट सबसे ज्यादा पाया जाता है। यह स्किन की इलास्टिसिटी में सुधार करने में मदद करता है। अंगूर खाने से हयालूरोनिक एसिड की भरपाई होती है। इससे आपको कोलेजन भी काफी बढ़ता है।

एवोकाडो

यह फल हेल्थ के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। एवोकाडो खाने से स्किन की लोच बढ़ेगी और त्वचा मुलायम और कोमल बनेगी। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई मौजूद होता, जो स्किन के कोलेजन को बढ़ाता है।

बैंक के अफसर ने डीयू कैंपस में 46 सावधि जमा खाते तोड़े, घपला कर गेमिंग प्लेटफॉर्म में लगाए 52.99 करोड़

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक के तत्कालीन अधिकारी बेदानशु शेखर मिश्रा, उनके सहयोगियों और गेमिंग प्लेटफॉर्म GOA247.LIVE के प्रमुख प्रबंधन व्यक्तियों के खिलाफ ईडी द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत जांच की जा रही है। इस मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। डीयू कैंपस में कार्यरत, पंजाब एंड सिंध बैंक के अफसर ने 46 सावधि जमा खाते तोड़ डाले या उन्हें समाप्त कर किया। उसके बाद पैसे को घुमाना शुरु किया। बैंक अधिकारी ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गेमिंग प्लेटफॉर्म में 52.99 करोड़ रुपये लगा दिए। ईडी ने कई जगहों पर रेड की है। गेमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा उपयोग किए जा रहे 48 खच्चर खातों में कुल 1.5 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज कर दी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली जोनल कार्यालय के मुताबिक, 29 मई को दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू में सात स्थानों पर दबिश दी गई थी। इस मुहिम के दौरान परिणामस्वरूप, ईडी ने 39 लाख रुपये की नकद राशि के साथ-साथ डिजिटल साक्ष्य, कई मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेमिंग के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सिम कार्ड आदि सहित विभिन्न आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। इसके अलावा, तलाशी की कार्यवाही के दौरान, ईडी ने गेमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा उपयोग किए जा रहे 48 खच्चर खातों म्यूल अकाउंट में जमा कुल 1.5 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज कर दी है। ईडी की जांच में पता चला है कि बेदानशु शेखर मिश्रा ने पंजाब एंड सिंध बैंक, खालसा कॉलेज शाखा, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय में अधिकारी के रूप में तैनात रहते हुए कई ग्राहकों के 46 सावधि जमा खातों को तोड़कर/समाप्त करके अनधिकृत लेनदेन करके धोखाधड़ी करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया है। मुख्य रूप से एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के नाम पर सावधि जमा खाते हैं। इस प्रकार, उन्होंने बैंक के साथ-साथ बैंक के कई खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी और जालसाजी की और बैंक को सौंपे गए 52.99 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन का गबन/घपला किया। ईडी की जांच के दौरान पता चला है कि उन्होंने अपराध की आय (पीओसी) 24 करोड़ रुपये (लगभग) ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म जैसे गोवा 247.द्यद्ध1द्द को हस्तांतरित कर दी है। पीओसी को आरोपी ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मालिकों द्वारा व्यवस्थित विभिन्न खच्चर खातों के माध्यम से इन ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को हस्तांतरित कर दिया।

बोरीवली में बहुमंजिला आवासीय इमारत में कार पार्किंग लिफ्ट गिरी

मुंबई। मुंबई के बोरीवली इलाके में बहुमंजिला आवासीय इमारत में कार पार्किंग लिफ्ट गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। महाराष्ट्र में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। मुंबई के बोरीवली पश्चिम इलाके में शनिवार को 21 मंजिला आवासीय इमारत में कार पार्किंग लिफ्ट गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल बताया जा रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आसपास के लोग काफी घबराए हुए हैं। इलाके में लोगों से शांत रहने की अपील की जा रही है। मुंबई फायर ब्रिगेड ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे लिंक रोड स्थित प्रथमेश बिल्डिंग में हुई। इस बीच बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि कार लिफ्ट 7 मीटर गहरे गड्ढे में गिर गई, जिसमें दो लोग फंस गए। अधिकारी ने बताया कि घटना की आगे की जांच चल रही है।

भारी बारिश और भूस्खलन ने पूर्वोत्तर में मचाई तबाही, 19 की मौत

नई दिल्ली। बीते तीन दिनों में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ बड़ी तबाही मचाई है। जगह-जगह घर गिर गए हैं। बाढ़ के चलते हजारों लोग प्रभावित हुए हैं।

देश में समय से पहले आया मानसून पूर्वोत्तर में जमकर तबाही मचा रहा है। बीते तीन दिनों में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 12 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। इन राज्यों में घर गिरने से बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने सभी राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

मिजोरम के दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण पांच घर और एक होटल ढह गया। इसमें कई लोग फंस गए। लॉन्गतलाई जिले के सबसे बड़े नागरिक सामाजिक संगठन यंग लाई एसोसिएशन (वाईएलए) के स्वयंसेवकों के साथ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसआरडीएफ) और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन के कर्मियों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-54 अवरुद्ध हो गया है, जिससे लॉन्गतलाई का संपर्क मिजोरम के सुदूर दक्षिणी जिले सियाहा से कट गया है।

भारी बारिश और भूस्खलन से असम के कामरूप मेट्रो जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच जिलों में 12,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। गुवाहाटी और सिलचर में बाढ़ से 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए। वहीं लखीमपुर में पानी ने रिंग बांध को तोड़ दिया। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में गुवाहाटी और इसके आसपास के इलाकों में 90 से 134 मिमी बारिश हुई है तथा आगे भी भारी बारिश का अनुमान है।

अरुणाचल प्रदेश में भी बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचाई। यहां भूस्खलन में नौ लोगों की मौत हो गई। पूर्वी कामेंग जिले में बाना-सेप्पा खंड पर हुए भीषण भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई। वहीं लोअर सुबनसिरी जिले में जीरो-कामले मार्ग पर पाइन ग्रोव क्षेत्र के पास भूस्खलन के बाद दो मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य को बचा लिया गया। इसके साथ ही ऊपरी सुबनसिरी जिले में बाढ़ से 100 से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। सिगिन नदी उफान पर आ गई है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। इसमें एक से पांच जून तक बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है। वहीं पूर्वी कामेंग, पूर्वी सियांग, दिबांग घाटी और पश्चिमी कामेंग सहित कई जिलों में बाढ़ का खतरा बताया है।

त्रिपुरा में भारी बारिश और आंधी के कारण जिरानिया में एक व्यक्ति डूब गया। 200 से अधिक लोग बेघर हो गए। यहां 106 घर क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। जवाहर पुल के नीचे अगरतला में हावड़ा नदी का जलस्तर 10.01 मीटर तक बढ़ गया। धलाई जिले में लोंगट्राई घाटी, पश्चिमी त्रिपुरा जिले में जिरानिया और मोहनपुर, सिपाहीजाला जिले में जम्पुइजाला, तथा गोमती और दक्षिणी त्रिपुरा जिलों के कुछ हिस्सों में पेड़ गिरने के कारण सड़कें जाम हो गईं। मौसम विभाग ने यहां पर भारी बारिश की चेतावनी दी है। मणिपुर में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

दिल्ली-जोरहाट के बीच शुरू होगी इंडिगो की उड़ान

गुवाहाटी। असम के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। एयरलाइन कंपनी इंडिगो सितंबर से दिल्ली और जोरहाट के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि जल्द ही हम अन्य शहरों के लिए हवाई सेवा शुरू करेंगे। दिल्ली से जोरहाट तक की यात्रा अब आसान और किफायती होने वाली है। इंडिगो सितंबर के मध्य से दिल्ली और जोरहाट के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि एयरलाइन कंपनी ने राज्य के लिए अन्य स्थानों से भी हवाई संपर्क बढ़ाने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान एयरलाइन के वरिष्ठ प्रबंधन से मुलाकात की थी। उन्होंने असम के अन्य प्रमुख स्थानों, विशेष रूप से सिलचर, डिब्रूगढ़ और उत्तरी लखीमपुर में हवाई संपर्क बढ़ाने का आग्रह किया था।

दिल्ली हाईकोर्ट से लालू यादव को झटका, निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक की मांग खारिज

नई दिल्ली। इससे पहले आईआरसीटीसी होटल घोटाले मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपी हैं। कोर्ट 23 जुलाई को आरोप पर फैसला सुनाएगा। भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के बाद जांच एजेंसी ने आरोप दायर किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमीन के बदले नौकरी% घोटाले से संबंधित कथित भ्रष्टाचार मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस घोटाले की जांच सीबीआई ने की थी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्ति 2004 से 2009 के बीच लालू के रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में लोगों ने राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े उपहार में दिए या हस्तांतरित किए। 18 मई 2022 को लालू और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। IRCTC का मामला रेलवे भर्ती घोटाले से अलग है। IRCTC घोटाले का आरोप भी 2004 में लालू के रेल मंत्री रहते होने की बात है। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने उस वक्त रेलवे की कैटरिंग और रेलवे होटलों की सेवा को पूरी तरह ढ्ढक्रष्ञ्जष्ट को सौंप दिया था। इस दौरान रांची और पुरी के बीएनआर होटल के रखरखाव, संचालन और विकास को लेकर जारी टेंडर में अनियमिताएं किए जाने की बातें आई थीं। ये टेंडर 2006 में एक प्राइवेट होटल सुजाता होटल को मिला था। आरोप है कि सुजाता होटल्स के मालिकों इसके बदले लालू यादव परिवार को पटना में तीन एकड़ जमीन दी, जो बेनामी संपत्ति थी। इस मामले में भी लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत कई लोग आरोपी हैं। इससे पहले कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 14 मई को दिल्ली की एक अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर मुकदमा चलाने के मंजूरी मिल गई है।

सरकार ने घटाई रक्षा खरीद की समयसीमा

नई दिल्ली। राजेश कुमार सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट में रक्षा परियोजनाओं में देरी, अवास्तविक समयसीमा निर्धारण और व्यवस्थागत मुद्दों पर नाराजगी जताई थी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा खरीद की समयसीमा को काफी कम किया है, जिससे सैन्य उपकरणों की खरीद में अच्छा खासा समय बचेगा। रक्षा सचिव ने बताया कि रक्षा खरीद में व्यापक सुधारों और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से ये सुधार किए गए हैं। राजधानी दिल्ली में एक रक्षा सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इस पूरे सुधार से रक्षा खरीद की प्रक्रिया में 69 सप्ताह का समय बचेगा। रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। पोत निर्माण और एएमसीए प्रोजेक्ट में पहले ही ये बदलाव कर दिए गए हैं। राजेश कुमार सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट में रक्षा परियोजनाओं में देरी, अवास्तविक समयसीमा निर्धारण और व्यवस्थागत मुद्दों पर नाराजगी जताई थी।

कानून की छात्रा ने की आपत्तिजनक टिप्पणी, गुरुग्राम से गिरफ्तारी के बाद अलीपुर कोर्ट में पेशी

कोलकाता। पुणे की कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को एक विशेष धर्म को निशाना बनाकर की गई अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में कोलकाता पुलिस ने गुरुवार रात गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। मामला मई महीने के दूसरे हफ्ते का बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों के जरिए कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार शर्मिष्ठा पनोली नाम की पुणे की लॉ छात्रा को शनिवार को पश्चिम बंगाल की एक अदालत में पेश किया गया। इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर पर आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में गुरुवार रात को कोलकाता पुलिस ने उसे गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। हालांकि, बाद में पोस्ट को हटा दिया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पनोली ने आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था। इसमें एक विशेष धर्म को निशाना बनाते हुए अपमानजनक टिप्पणी की गई थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल पुलिस शनिवार को शर्मिष्ठा को कोलकाता के अलीपुर कोर्ट पहुंची। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने छात्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यह मामला शर्मिष्ठा पनोली नामक महिला के इंस्टाग्राम वीडियो से संबंधित है, जिसने एक विशेष समुदाय के सदस्यों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई।

अधिकारियों ने दावा किया कि पनोली और उसका परिवार कथित रूप से फरार हो गया था। इस वजह से कानूनी नोटिस देने के कई प्रयास विफल रहे। इसके बाद एक अदालत ने गिरफ्तारी का वारंट भी जारी किया, जिसके आधार पर उसे गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। हालांकि, विवाद के बाद पनोली ने सोशल मीडिया पर बिना शर्त माफी मांगी और अपने वीडियो और पोस्ट हटा दिए।

शांति वार्ता को लेकर असमंजस के बीच रूस-यूक्रेन ने एक-दूसरे पर किया हमला, एक बच्ची की मौत

मॉस्को/कीव। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि शनिवार को रूस की ओर से किए गए मिसाइल हमले में एक बच्ची की मौत हो गई। रूसी वायुसेना ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। नए हमलों के बाद इंस्ताबुल में प्रस्तावित शांति वार्ता को लेकर असमंजस बरकरार है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांतिवार्ता को लेकर असमंजस के बीच शनिवार को दोनों देशों एक दूसरे पर हमला किया। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि शनिवार को रूस की ओर से किए गए मिसाइल हमले में एक बच्ची की मौत हो गई। जबकि एक किशोर घायल हुआ। जबकि रूसी वायुसेना ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। नए हमलों के बाद इंस्ताबुल में रूस की ओर प्रस्तावित शांति वार्ता में यूक्रेनी राजनयिक के शामिल होने लेकर असमंजस बरकरार है।

यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूसी सैनिकों ने शनिवार को यूक्रेन में लगभग 109 ड्रोन और पांच मिसाइलें दागीं। तीन मिसाइलों और 42 ड्रोन को हवाई सुरक्षा द्वारा नष्ट कर दिया गया। जबकि अन्य 30 ड्रोन बिना किसी नुकसान के अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। जोपोरीज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि जापोरीज्जिया क्षेत्र के डोलिंका गांव में हुए हमले में एक नौ वर्षीय लड़की की मौत हो गई और 16 वर्षीय किशोर घायल हो गया। हमलों के एक घर नष्ट हो गया। साथ ही कई अन्य घरों, कारों और बाहरी इमारतों को नुकसान पहुंचा।

वहीं रूस ने यूक्रेन पर हमले का आरोप लगाया। कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनश्टाइन ने बताया कि रूसी शहर रील्स्क और पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के आर्टाकोवो गांव में अपार्टमेंट इमारतों पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। दोनों हमलों में चार बच्चे घायल हो गए और कई स्थानों पर आग भी लग गई।

हिंद-प्रशांत सहयोगी देशों को अमेरिका ने किया आगाह

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों से भी अपील की कि वे भी अपने बजट का 5 फीसदी रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ है और चीन की आक्रामकता की स्थिति में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करेगा। सिंगापुर में वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन शंगरी-ला डायलॉग में बोलते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्री के निशाने पर खासतौर पर चीन रहा और उन्होंने ताइवान के खिलाफ चीन की आक्रामकता का भी जिक्र किया। चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास किया जा रहा है और उसके युद्धाभ्यास में ताइवान को ब्लॉक करने का अभ्यास किया जा रहा है। चीन, ताइवान के हवाई और समुद्री क्षेत्र का भी लगातार उल्लंघन कर रहा है। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, वहीं ताइवान खुद को आजाद देश कहता है। हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि %चीन की सेना युद्ध की तैयारियों में लगी है और हम इसे चाशनी में लपेटकर नहीं बताना चाहते। चीन का खतरा असली है और ये बेहद नजदीक भी है।

चीन ने कहा है कि उसका लक्ष्य है कि साल 2027 तक ताइवान पर कब्जा करना है। इसके लिए चीन ने दक्षिण चीन सागर में एक कृत्रिम द्वीप बनाया है, जहां नई सैन्य चौकियां बनाई जा रही हैं और साथ ही वहां पर आधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइलें भी तैनात की जा रही हैं। हेगसेथ ने कहा कि चीन न सिर्फ ताइवान पर कब्जे के लिए सैन्य निर्माण कर रहा है बल्कि वह सक्रिय तौर पर युद्धाभ्यास में भी जुटा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों से भी अपील की कि वे भी अपने बजट का 5 फीसदी रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें। पीट हेगसेथ ने सहयोगी देशों को चीन के साथ व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के प्रति भी आगाह किया और कहा कि दोनों तरफ खेलने के खतरे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से सैन्य मदद लेना और वहीं चीन से आर्थिक मदद लेने के खतरे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि चीन लैटिन अमेरिकी देशों में भी अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और लगातार पनामा नहर पर भी अपना नियंत्रण स्थापित कर रहा है।

पीट हेगसेथ ने कहा कि हम भारत के साथ सैन्य साझेदारी बढ़ा रहे हैं और युद्धाभ्यास टाइगर ट्रायंफ के जरिए सहयोग को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही क्वाड और अन्य बहुस्तरीय समूहों के जरिए सहयोग को बढ़ाया जा रहा है। क्वाड के जरिए हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में रसद आपूर्ति क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। भारत के साथ सैन्य सहयोग को पीट हेगसेथ ने मील का पत्थर बताया और कहा कि हर दिन के साथ यह मजबूत हो रहा है।

ट्रंप प्रशासन को कोर्ट से एक और झटका, DOGE के संघीय कर्मचारियों की कटौती के प्रस्ताव पर रोक बरकरार

फ्रांसिस्को। ट्रंप प्रशासन ने सरकारी दक्षता विभाग के प्रस्ताव के बाद हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इसे लेकर श्रमिक संगठनों ने कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के इस प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन को कोर्ट से एक और झटका लगा है। एक अपील अदालत ने सरकारी दक्षता विभाग के संघीय कर्मचारियों की कटौती के प्रस्ताव पर रोक बरकरार रखी है। कोर्ट ने कैलिफोर्निया के न्यायाधीश की ओर से लगाई गई रोक के आदेश को स्थगित करने से इनकार कर दिया। ट्रंप प्रशासन के प्रस्ताव के विरोध में श्रमिक यूनियनों ने कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। इसके बाद सैन फ्रांसिस्को के अमेरिकी न्यायाधीश सुसान इल्स्टन ने सरकारी दक्षता विभाग के कर्मचारियों की कटौती करने के प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

बीएलए के लड़ाकों ने सुराब शहर पर किया हमला, बैंक लूटा; कई अधिकारियों के घरों में लगाई आग

बलूचिस्तान। पाकिस्तान से आजादी मांग रही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के सुराब शहर पर हमला किया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। बीएलए के लड़ाकों ने एक वाणिज्यिक बैंक को लूट लिया। साथ ही कई अफसरों के घर में आग लगा दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीएलए ने दावा किया है कि उसने सुराब शहर पर कब्जा कर लिया। उन्होंने एक बैंक, लेवी स्टेशन और पुलिस स्टेशन पर कब्जे का दावा किया। क्वेटा-कराची और सुराब -गिदर राजमार्ग पर गश्त की जा रही है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के सशस्त्र हमलावरों ने खुजदार जिले के सुराब शहर पर हमला किया। उन्होंने एक वाणिज्यिक बैंक को लूट लिया। हमलावरों ने अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) हिदायत बुलेदी के घर पर हमला किया। इसमें हिदायत बुलेदी की मौत हो गई। घटना के बाद फ्रंटियर कोर, पुलिस और लेवी सहित सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। क्वेटा के कमिश्नर हमजा शफकत ने भी डिप्टी कमिश्नर बुलेदी की मौत की पुष्टि की।

इससे पहले बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में 39 अलग-अलग जगहों पर समन्वित हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। बीएलए ने दावा किया था कि उन्होंने कुछ पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है और क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी कर दी है। बलूचिस्तान में लंबे समय से आजादी की मांग करने वाले अलगाववादी आंदोलन चल रहे हैं। कई वर्षों से चल रहे संघर्ष के कारण यहां बहुत से लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, इन संघर्षों के चलते बहुत लोग विस्थापित भी हुए हैं।

दरअसल, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित एक हथियारबंद अलगाववादी समूह है, जो बलूच लोगों के लिए आजादी चाहता है।

व्हाइट हाउस में एलन मस्क की आंख पर दिखे चोट के निशान, सोशल मीडिया पर कयासों का बाजार गर्म

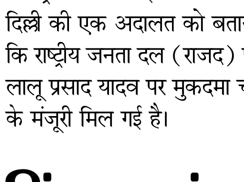

वॉशिंगटन। मस्क ने मजाकिया अंदाज में ये भी कहा कि मैं फ्रांस के आसपास नहीं था। दरअसल मस्क के इस मजाक को उस घटना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें वियतनाम दौरे पर फ्रांस के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी ने धक्का दे दिया था, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी।

शुक्रवार को सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में एलन मस्क का कार्यकाल आधिकारिक रूप से खत्म हो गया। एलन मस्क ने इस मौके पर व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मीडिया से बात की। इस दौरान एक चौंकाने वाली बात नोटिस की गई। दरअसल एलन मस्क की आंख पर चोट के निशान थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

बातचीत के दौरान पत्रकारों ने जब एलन मस्क से आंख पर लगी चोट के बारे में पूछा तो उन्होंने स्वीकार किया कि हां उन्हें आंख पर चोट लगी है।% इसकी वजह पूछने पर मस्क ने कहा ह्यिक मैं अपने पांच साल के बेटे के साथ खेल रहा था। मैंने उसे मेरे चेहरे पर घूंसा मारने को कहा, उसने ऐसा ही किया, जिससे ये चोट लग गई। मस्क ने कहा कि इसके बाद मुझे पता चल गया कि पांच साल का बच्चा भी आपके चेहरे पर घूंसा मार सकता है। इससे पहले मस्क ने मजाकिया अंदाज में ये भी कहा कि %मैं फ्रांस के आसपास नहीं था। दरअसल मस्क के इस मजाक को उस घटना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें वियतनाम दौरे पर फ्रांस के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी ने धक्का दे दिया था, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी। एलन मस्क की चोट को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि ऐसा लगता है कि एलन मस्क को किसी ने मुक्का मारा है, जिससे उनकी आंख काली हुई है।

वीजा धारक चीनी छात्रों को ट्रंप की नसीहत

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि अमेरिका चीनी छात्रों के वीजा रद्द करेगा। इसे लेकर चीनी छात्रों की चिंता बढ़ गई थी। अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने छात्रों को कड़ी नसीहत दी।

अमेरिका में वीजा लेकर पढ़ाई कर रहे चीनी छात्रों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नसीहत दी है। ट्रंप प्रशासन के वीजा रद्द करने के एलान से घबराए चीनी छात्रों से राष्ट्रपति ने कहा कि छात्र गारंटी दें कि जब तक वे अमेरिका में अपनी पढ़ाई करेंगे, तब तक यहां सब कुछ ठीक रहेगा। वे ठीक से रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ छात्रों की व्यक्तिगत जांच करना चाहते हैं और यह सभी कॉलेजों में होगी।

हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि अमेरिका चीनी छात्रों के वीजा रद्द करेगा। इसमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध रखने वाले या महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले छात्र भी शामिल होंगे। यह उच्च शिक्षा में विदेशी नामांकन पर नियंत्रण कड़ा करने का ट्रंप प्रशासन का बड़ा कदम है। चीन ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को भेदभावपूर्ण करार दिया था।

ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड विवि में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विदेशी छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की भी समीक्षा करने का फैसला किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। इस आदेश पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हस्ताक्षर हैं। छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट में इस बात की जांच की जाएगी कि आवेदक ने कभी यहूदी विरोध और हिंसा का समर्थन तो नहीं किया है और अगर सोशल मीडिया में ऐसे संकेत मिलते हैं तो उस छात्र का वीजा रद्द करने का निर्देश दिया गया है।

गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय के कैंपस में यहूदी विरोध को बढ़ावा दिया जा रहा है और यूनिवर्सिटी प्रशासन चीन की सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। हालांकि हार्वर्ड ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी के 2.6 अरब डॉलर के संघीय फंड पर भी रोक लगा दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वे यूनिवर्सिटी को मिली टैक्स छूट को भी खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने हार्वर्ड को अपने विदेशी छात्रों की संख्या 15 प्रतिशत तक सीमित करने का कहा है। अभी हार्वर्ड में 100 देशों के करीब 27 प्रतिशत विदेशी छात्र पढ़ाई करते हैं। वहां अभी करीब 6800 विदेशी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, इनमें से 788 छात्र भारतीय हैं।

अवधनामा

अहिल्याबाई का जीवन त्याग व तपस्या का प्रतीक: कृपाशंकर

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर विकासखण्ड परिसर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति व नारी सशक्तिकरण अभियान के तहत शनिवार को संगोष्ठी ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। अहिल्याबाई के जीवन पर लोगों अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष प्रयागराज कविता पटेल,पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह, पूर्व प्रत्याशी अजय शंकर दुबे,ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह फंटू,जिला महामंत्री सुशील मिश्रा व पुष्पा शुक्ला आदि ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर नारी सशक्तिकरण की मिसाल थीं। अहिल्याबाई का जीवन न केवल नारी शक्ति के लिए प्रेरणा है, बल्कि उनके नेतृत्व और न्यायप्रियता के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। विशिष्ट अतिथि पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह व मुख्य वक्ता ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन त्याग व तपस्या का प्रतीक था। उनके द्वारा स्थापित की गई न्याय प्राणी की मिशालें आज भी दी जाती है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज में उनके सम्मान के लिए कार्य किया। पूर्व प्रत्याशी अजय शंकर दुबे ने कहा कि बालिका शिक्षा व महिला उत्थान के लिए वह भारत की एक प्रेरणा है इसी से प्रभावित होकर हमारी पार्टी नारी शक्ति अधिनियम का कानून लेकर आई है। अध्यक्षता कर रहे ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र सिंह फंटू ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होल्कर एक अद्वितीय व्यक्तित्व की धनी महिला थीं उनकी न्यायप्रियता, प्रशासनिक क्षमता और धार्मिक सहिष्णुता ने उन्हें एक आदर्श शासक बनाया। वक्ताओं में जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह, पुष्पा शुक्ला,पंकज सिंह,राज पटेल व सन्तोष गुप्ता आदि ने कहा कि महान वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर त्याग और न्याय की प्रतिमूर्ति थी। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन शौर्य, साधना, सेवा, समर्पण, संयम और सादगी का अप्रतिम उदाहरण है। इस अवसर पर प्रधान चंद्रेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल, संतोष गुप्ता, सुरेंद्र विश्वकर्मा, जितेंद्र पांडे, आदर्श शुक्ला, मनोज तिवारी, धर्म सिंह, प्रधान भूपेंद्र सिंह, काजल सिंह, विनीत सिंह, मृत्युंजय मिश्रा, अरविंद तिवारी, दिनेश दुबे, अजय सरोज, प्रबुद्ध दुबे, पवन मिश्रा व संदीप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली रैली

अवधनामा संवाददाता

- तंबाकू खाने से होने वाले नुकसान की दी जानकारी, स्वास्थ्यकर्मियों को दिलाई शपथ

प्रयागराज। तेज बहादुर सप्रू अस्पताल में शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरुकता का कार्यक्रम आयोजित किया। अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भावना शर्मा की मौजूदगी में सभी अस्पतालकर्मियों ने तंबाकू का सेवन न करने का संकल्प लिया। सीएमएस इसके लिए सभी को शपथ भी दिलायी। अस्पतालकर्मियों ने हाथों में बैनर लेकर जागरूकता रैली में निकाली। इसके जरिए तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। अस्पताल के सभागार में जागरूकता संगोष्ठी भी आयोजित हुई। इसमें सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की ओर से मनुष्यों में तंबाकू प्रयोग से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर भी बनाए गए जिनका अवलोकन चिकित्सकों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। इसमें तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टर को पुरस्कृत भी किया गया। आंकड़ों के अनुसार, विश्व में प्रतिवर्ष करीब 60 लाख लोग तंबाकू के सेवन से अपनी जान गंवा देते हैं। 6.5 सेकेंड में एक धूम्रपान करने वाले व्यक्ति की मौत होती है। हर साल करीब 9 लाख भारतीय तंबाकू के सेवन से मरते हैं जो क्षय रोग, एड्स और मलेरिया से होने वाली मौतों से अधिक है। प्रतिदिन 2200 से अधिक भारतीय तंबाकू के सेवन से अपनी जान गंवा देते हैं। भारत में कैंसर से मरने वाले 100 रोगियों में 40 तंबाकू के प्रयोग से मरते हैं। करीब 95 प्रतिशत मुंह के कैंसर तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों में होते हैं। वर्ष 2030 में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या 83 लाख होगी।

चौथे दिन भी जारी रहा शिक्षक भर्ती आंदोलन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक भर्ती को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा। शिक्षा सेवा चयन आयोग के सामने हजारों अभ्यर्थी जमा हैं। गर्मी और तेज धूप के बावजूद प्रदर्शनकारी डटे हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार ने दो लाख शिक्षकों की भर्ती का विज्ञापन सोशल मीडिया पर जारी किया। कुछ दिनों बाद इसे बिना किसी सूचना के हटा लिया गया। प्रदर्शनकारी इसे अपनी भावनाओं के साथ खिलवाड़ मान रहे हैं। धरने में शामिल अभ्यर्थियों ने बताया कि वह सीटेट चार बार पास कर चुके हैं। बीटीसी और बीएड की योग्यता होने के बावजूद नौकरी नहीं मिली है। पीलीभीत से आए एक अभ्यर्थी ने सवाल उठाया कि जब भर्तियां नहीं करनी हैं तो डीएलएड और बीटीसी कोर्स क्यों चलाए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के अनुसार 2018 के बाद से कोई नियमित शिक्षक भर्ती नहीं हुई है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवाओं का कहना है कि वे अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नियमित शिक्षक भर्ती नहीं हुई है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवाओं का कहना है कि वे अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रदर्शनकारी ÷भर्ती दो या सत्ता छोड़ो÷ के नारे लगा रहे हैं। आंदोलन के नेताओं ने स्पष्ट किया है कि सरकार से ठोस आश्वासन मिलने तक धरना जारी रहेगा।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

प्रयागराज। माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती के अवसर पर प्रयागराज के दारागंज में शोभायात्रा और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रम में संबोधन करते चायल विधानसभा की विधायिका पूजा पाल ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होल्कर ने राजनीतिक और भौगोलिक सीमाओं को लांघ कर पूर्ण शांति और सहमति के साथ अनेक महत्वपुर्ण निर्माण कार्य करवाये। जो भारतवर्ष की एकजूटता के लिए जरूरी थे। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और प्राकृतिक संरक्षण के लिए जो दिशा तय की वो भविष्य के लिए एक समृद्ध भारत के मील का पत्थर साबित हुआ। विधायक पूजा पाल ने बताया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद अहिल्याबाई जी ने अपनी प्रजा और सम्पूर्ण समाज के लिए पूरा जीवन लगा दिया। धर्मविरोधी और विघटनकारी आक्रांताओ से डरने की बजाए उन्होंने न सिर्फ उनका डट कर मुकाबला किया बल्कि धर्म और कर्तव्य की वेदी पर अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया। विधायक ने कहा कि मैं भी उनकी ही वंशज हूँ, मुझमें भी उसी माता का लहू है। अपने समाज, कर्तव्य और धर्म के लिए मैं भी प्रणरत हूँ।

सर्वोत्तम स्वास्थ्य के साथ लम्बे जीवन के लिए आध्यात्मिक अभ्यास है योग: विशेष सचिव

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का शुभारंभ विशेष सचिव, आयुष विभाग हरीकेश चौरसिया द्वारा विकास खण्ड रामपुर के परिसर में दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होने बताया कि लम्बे जीवन और सर्वोत्तम स्वास्थ्य के लिए योग एक आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसके क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का अभ्यास प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से करना चाहिए। विशेष सचिव द्वारा बताया गया कि इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी और एक स्वास्थ्य है, इसलिए धरा के कोने-कोने तक भारत की प्राचीनतम विरासत योग को पहुंचाकर पूरे विश्व को योग से आच्छादित करना है। पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया गया। जिसमें सर्वाइकल, स्पोंडलाइटिस, कमर, रीढ़ की हड्डी और कंधों से सम्बंधित सरल और सहज व्यायामों का अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले लाभों को बताया गया। उनके द्वारा प्रोटोकॉल के तहत खड़े होकर, बैठकर और लेटकर किये जाने वाले आसनों का अभ्यास कराया गया, जिसमें ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, सेतुबंध आसन, मकरासन और भद्रासन का अभ्यास कराते हुए, उनसे होने वाले लाभों को बताया गया। प्राणायामों के तहत कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ प्राणायामों के साथ ध्यान का अभ्यास कराकर सभी साधकों को संकल्प दिलाया गया की हम सभी मिलकर इस योग की विधा को जन जन तक पहुंचाने में अपनी महति भूमिका को निभायेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डा0 कमल, खण्ड विकास अधिकारी अभिनव सरोज, योग प्रशिक्षक विकास कुमार, संदीप कुमार पांडे,अवध नारायण (ए डीओ पंचायत)सुरेन्द्र पटेल, तेज बहादुर पटेल, राजनाथ, उत्तम जायसवाल, संजय यादव, अमित सिंह, दीपचंद, आकाश कुमार यादव (ब्लॉक अध्यक्ष),अभय सरोज ,दीपक सरोज , चंद्रेश कुमार, सत्येंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राना सिंह, संजय कुमार पटेल के साथ आयुष विभाग के सभी चिकित्सक सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत ट्रैक्टर चालक समेत दो घायल

जौनपुर (खेतासराय) स्थानीय थाना क्षेत्र के गोरारी बाजार में बीती शाम 7:00 बजे ट्रैक्टर और बाइक की सामने से भिड़ंत हो गई बाइक चला रहे अनिल कुमार 33वर्ष पुत्र रामदुलार की मौके पर मौत हो गई बाइक पर पीछे बैठे उनके दोस्त शशि कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये ट्रैक्टर चालक भी घायल हो गया जो कि किसी निजी चिकित्सालय में दोनो घायलों का उपचार चल रहा है ट्रैक्टर पुलिस अपने कब्ज़े में ले लिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार 33वर्ष पुत्र रामदुलार पवई आज़मगढ़ जिला के रहने वाले थे वह खेतासराय में किसी विवाह के कार्यक्रम आये हुए थे कार्यक्रम ख़त्म होने के बाद अपने घर आज़मगढ़ को लौट रहे थे खेतासराय थाना क्षेत्र के गोरारी बाजार में ट्रैक्टर से सामने से टक्कर हो गई जिसमें उनकी मौके पर मौत हो गई108 एम्बुलेंस द्वार अनिल कुमार को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने देखते ही उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया मौत खबर सुनते ही खेतासराय पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम भेज दिया है।

जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के द्वारा बैरकों की सघन तलाशी ली गयी। इस दौरान कुछ भी आपत्तिजनक वस्तु नही मिला। पाकशाला में जाकर बन्दियों को दिये जाने वाले भोजन की व्यवस्था तथा गुणवत्ता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों के द्वारा बन्दियों से संवाद भी किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक डा0 विनय कुमार, जेलर अजय कुमार राय, डा0 विनय कुमार राव, डिप्टी जेलर सुबाष चन्द्र पाडेय, नन्द किशोर और ट्रेनी डिप्टी जेलर सदानन्द सिंह, चिकित्सक सहित अन्य उपस्थित रहे।

युवक की चाकूओं से गोदकर हत्या, प्राइवेट पार्ट काटा

प्रयागराज। सराय ममरेज थाना क्षेत्र में बरिया रामपुर स्टेशन से 200 मीटर की दूरी पर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान शुभम तिवारी (30) के रूप में हुई है। वह दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था और इन दिनों छुट्टी पर घर आया था। घटना के समय शुभम अपने परिवार के सदस्य पवन के साथ बरिया रामपुर स्टेशन के पास गया था। वहां पास के गांव के तीन-चार युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उसे चाकू से गोद दिया। हत्यारों ने युवक का प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह ने शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। परिजनों ने शव को पुलिस स्टेशन की सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। डीसीपी गंगानगर ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को 24 घंटे के भीतर हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने प्रदर्शन समाप्त किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुभम दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। उसकी मौत से मां पुष्पा तिवारी समेत परिवार के सभी सदस्य शोक में हैं।

अधिवक्ताओं को मिली 2366 सुविधा संपन्न चैंबर्स की सौगात

अवधनामा संवाददाता

- न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने में मददगार साबित होगा अधिवक्ता चैंबर्स और पार्किंग भवन का निर्माण
- वेब पोर्टल आधारित स्मार्ट चैंबर्स आबंटन प्रणाली से होगा चैंबर्स का आबंटन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी इस अवसर पर मौजूद रहे। इस अवसर मौके पर चैंबर आवंटन पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने में यह मददगार साबित होगा। देश के सबसे बड़े उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाईकोर्ट में वादों की संख्या बढ़ने के साथ पंजीकृत वकीलों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई लेकिन इसके लिए इसके सापेक्ष न्यायालय परिसर में न्यायिक अवसंरचना का विकास नहीं हो पाया। विजन डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में पंजीकृत वकीलों की संख्या 20 हजार से अधिक है लेकिन परिसर के अंदर इनके लिए केवल 204 अधिवक्ता चैंबर्स उपलब्ध थे। शनिवार को सीजेआई ने जिस बहुमंजिला भवन का उद्घाटन कर उसे अधिवक्ताओं को समर्पित किया उससे इस कमी को बहुत हद तक पूरा कर लिया जाएगा। इस बहुमंजिला सर्व सुविधा संपन्न इमारत में 6 वे से लेकर 11 वे तल तक उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के लिए 2366 वातानुकूलित अधिवक्ता चैंबर्स और महिला, पुरुष , दिव्यांग और ट्रांसजेंडर के लिए 24 टॉयलेट्स बनाए गए हैं । इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे का कहना है कि बार और बेंच न्याय पालिका की धुरी हैं। योगी सरकार ने वकीलों के चैंबर्स की कमी को देखते हुए इसके लिए जो निर्माण कराया है बहुत हद तक इससे अधिवक्ताओं के लिए चैंबर्स की कमी पूरी हो जाएगी। यह न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाएगा । बिल्डिंग में 12 वें तल पर 20 हजार वर्ग फीट क्षेत्रफल में विशाल वातानुकूलित पुस्तकालय और सभागार अधिवक्ताओं की दूसरी जरूरतों को पूरा करेगा। वकीलों और वादकारियों की सुविधा के लिए इसी बिल्डिंग के 6 वें और 9 वें तल पर दो आधुनिक और वातानुकूलित कैंटीन की व्यवस्था की गई है। अधिवक्ताओं को इन चैंबर्स के आबंटन के लिए भी सरकार ने पूरी तरह पारदर्शी और स्वचालित व्यवस्था की है जिसमें मानवीय हस्तक्षेप नगण्य है। इसके लिए वेब पोर्टल आधारित चैंबर आबंटन प्रणाली लागू की गई है। इसमें पूर्व निर्धारित मानदंडों के आधार पर अधिवक्ता चैंबर्स के आवेदन के लिए ऑन लाइन अप्लाई कर सकता है। जुलाई से इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

मल्टीलेवल पार्किंग से जाम की समस्या से छुटकारा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक वादकारी अपने वादों के संदर्भ में यहां आते हैं। उनके वाहनों के अलावा हाईकोर्ट के वकीलों और कोर्ट कर्मियों के लिए वाहन की पार्किंग एक बड़ी समस्या थी। वाहन पार्किंग के लिए कोई सुनियोजित व्यवस्था न होने से हाईकोर्ट के आसपास के क्षेत्र में जाम की समस्या बनी रहती थी। सरकार ने इसके समाधान के लिए इस नव निर्मित बिल्डिंग में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराया है। इसमें भूतल पर 1552 दो पहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। इसी तरह से प्रथम तल से पांचवें तल तक 2284 चार पहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध है। बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे का कहना है कि सुनियोजित वाहन पार्किंग की व्यवस्था हो जाने से निश्चिंत होकर अधिवक्ता और वादकारी अपना कार्य कर सकेंगे।

वादकारियों के लिए दूसरे चरण में होगा विशेष खंड का निर्माण

प्रयागराज। भारतीय न्याय व्यवस्था का केंद्र बिंदु वादकारी है । जिसके लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का अभाव का अनुभव किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वादकारियों की सुविधा के लिए वादकारी खंड का निर्माण इस परियोजना के दूसरे चरण में किया जाएगा। इसमें वादकारी व अन्य के लिए बैठने की जगह , डिस्पेंसरी, क्रेच,टॉयलेट , कैंटीन और एफीडेविट एवं फोटो काउंटर की सुविधा प्रस्तावित है। इस प्रस्तावित खंड को परिसर के दूसरे भवनों से जोड़ने के लिए वॉक वे भी बनाए जाएंगे।

संकट के समय देश रहा एकजुट, इसका श्रेय संविधान को: सीजेआई

अवधनामा संवाददाता

- ये इज ऑफ लिविंग की व्यवस्था हैं- मेघवाल
- कानून के शासन में बार-बेंच के साथ ही वादकारी का भी बड़ा महत्व: योगी

प्रयागराज। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि जब भी देश ने संकट का सामना किया है, तो वह एकजुट और मजबूत रहा है और इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। सीजेआई शनिवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता कक्षों और बहु-स्तरीय पार्किंग के उद्घाटन के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सीजेआई गवई ने कहा कि जब संविधान बनाया जा रहा था और इसका अंतिम मसौदा संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, उस समय कुछ लोग कहते थे कि संविधान बहुत संघीय है, जबकि कुछ कहते थे कि यह बहुत एकात्मक है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने जवाब दिया था कि संविधान न तो पूरी तरह संघीय है और न ही पूरी तरह एकात्मक। लेकिन एक बात मैं आपको बता सकता हूं कि हमने एक ऐसा संविधान दिया है जो शांति और युद्ध दोनों समय में भारत को एकजुट और मजबूत बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा कि संविधान की वजह से ही भारत आजादी के बाद विकास की राह पर है। आज हम देखते हैं कि हमारे पड़ोसी देशों की क्या स्थिति है। भारत आजादी के बाद विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। जब भी देश में कोई संकट आया है, यह एकजुट और मजबूत रहा है। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि यह हमारा मौलिक कर्तव्य है कि हम इस देश के अंतिम नागरिक तक पहुंचें। जिसे न्याय की आवश्यकता है। चाहे वह विधायिका हो कार्यपालिका हो या न्यायपालिका। सभी को उस नागरिक तक पहुंचना होगा।

सत्य के प्रति श्रृद्धा से ही होगा उद्धार

अवधनामा संवाददाता

- झूठे व्यक्ति को जीवन में झेलनी पड़ती हैं तमाम कठिनाईयां- प्रमुख सचिव समाज कल्याण
- पाप करें और मजे काटे, यह ईश्वरी व्यवस्था में नहीं, ईश्वरीय व्यवस्था को भूलने के कारण ही झेलनी पड़ती हैं दुश्वारियां : महानिदेशक उपाम

मैनपुरी। प्रमुख सचिव समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण तथा महानिदेशक उपाम एल. वेंकटेश्वर लू ने ''कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत'' संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि कर्मयोग से जिसने अपने चित्त को धोया है, उसे ही ईश्वरीय सत्ता का बोध हुआ है, धर्म का मतलब प्रेम है, स्वार्थ, छल-कपट करने वाले को ईश्वरीय स्पर्श नहीं हो सकता, ईश्वरीय स्पर्श से मन शांत होता है, दूसरों को धोखा देने वाला कभी सुकून से नहीं रह सकता, बिना संघर्ष के कोई भी व्यक्ति जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता, जीवन में उन्नति नहीं कर सकता। उन्होने कहा कि मानव यदि अपनी सिद्धि को बरकरार रखे तो वह बहुत आगे जा सकता है, भारत भूमि की विशेषता है कि हर एक चीज को ऋषि-मुनियों ने संदिग्धता को खतम करने के लिए हजारों साल तपस्या की, उन्होने एक निश्चित व्यवस्था को देखा है, बाहर का विज्ञान, अपनी बुद्धि से तैयार किया हुआ विज्ञान भ्रम पैदा करता है, ऋषि-मुनियों ने ऐसी चीजों को देखा है जो निश्चित है। उन्होने कहा कि विज्ञान कहां उपयोग होता है, कैसे कार्य करेगा यह सभी के दिमाग में फीड है, किसको कहा उपयोग करना चाहिए यह विवेक चाहिए व्यक्ति बहुत सारी चीजों को पढ़ता है लेकिन कौन सी चीज कहा उपयोग करे, कैसे उपयोग करें यह आपको कोई नहीं बतायेगा यह आपको स्वयं ही निर्धारित करनी होगी। महानिदेशक उपाम ने कहा कि आज बच्चे माता-पिता की बात नहीं सुनते, हो सकता है कि माताओं में बाहरी, ससांरिक ज्ञान की कमी हो लेकिन खान-पान, रहन-सहन के बारे में बहुत ज्यादा जानती है लेकिन बच्चों में संस्कार की कमी के कारण वह मॉ की बात न सुन उल्टा-सीधा भोजन कर रहे हैं, बच्चे मोबाइल, टीबी पर प्रचार देखकर क्या खा रहे हैं, इससे खाने से आपकी सेहत पर क्या प्रभाव पड़ेगा इससे मार्केट वालों को कोई लेना-देना नहीं है कुरकुरे, पिज्जा, चिप्स जाने क्या-क्या खाकर अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, जिससे बहुत ही गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, पहले हार्ट की समस्या थी ही नहीं लेकिन आज हार्ट की समस्या बच्चों में भी देखने को मिल रही है, हार्ट का पल्सरेट बढ़ रहा है, इस पर हम सबको बहुत ही गंभीरता पूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि शिक्षक भी छात्रों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते, यही कारण है कि आज कल के बच्चे बहुत बिगड़ रहे हैं, खान-पान के साथ उनकी जीवनशैली में तेजी से बदलाव हुआ है, हमें मिलकर बच्चों को संस्कारवान बनाना होगा यदि देश के भविष्य बच्चे संस्कारवान नहीं होंगे, उनकी सेहत ठीक नहीं होगी तो हमारे देश का विकास अवरूद्ध होगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि सत्य पर चले बिना कोई सुखी नहीं हो सकता, सत्य ही सुख देता है, लेकिन आप सबको सत्य आसानी से दिखाई नहीं देगा, क्योंकि सत्य का स्वरूप ही आनंद है, सत्य ही राम है, सत्य ही ईश्वर है, ईश्वर ही सत्य है यह दोनो अलग-अलग नहीं है, ईश्वर का मतलब आनन्द है, आनन्द प्रत्येक व्यक्ति चाहता है, संसार में यहां व्यक्ति सुख के लिए दौड़ रहा है, लेकिन यहां सुख कम है दुःख ज्यादा है, ईश्वरीय सत्ता को पहचाने बिना संसार के मायाजाल में लोग डूबते हैं, हमारे शास्त्रों में ऋषि-मुनियों, संतो ने सत्य को देखा है, हरि की व्यवस्था के प्रतिकूल जाने वाला कभी सुखी नहीं हो सकता। उन्होने कहा कि आज बच्चों को पढ़ने, शिक्षकों को पढ़ाने में रूचि नहीं है, शिक्षक को पैसों से मतलब रह गया है और बच्चों को अच्छे अंक मिल जाते हैं तो वह मटरगस्ती करते रहते हैं, समाज, देश का क्या होगा यह चिंता किसी को नहीं है, जो व्यक्ति अपने को योग्य समझता है उसको ज्यादा चिंता होनी चाहिए, देशभक्ति, राष्ट्रभक्ति फडामेंन्टल हर व्यक्ति को सीखना पड़ेगा।

गुड गवर्नेंस के लिए बेहतर ज्युडिशरी जरूरी

हाई कोर्ट ने महाकुंभ के किसी मामले में स्टे नहीं दिया इसके लिए धन्यवाद : योगी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। देश के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को यहां कहा कि समाज में आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को सामाजिक आर्थिक समानता दिलाना हम सभी का कर्तव्य होना चाहिए। उम्मीद है कि बार तथा बेंच के साथी इस दायित्व को मिलकर निभाएंगे। ऐतिहासिक इलाहाबाद हाई कोर्ट परिसर में 680 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज बिल्डिंग के लोकार्पण समारोह में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में यह बातें कहीं। साथ ही यह कह कर तालियां भी बटोरीं कि इलाहाबाद की भूमि ही पावर फुल लोगों की है।

सीजेआई ने कहा कि ऐसी मल्टीपरपज बिल्डिंग शायदगुड गवर्नेंस के लिए बेहतर ज्युडिशरी जरूरी दुनिया में नहीं है। यह अन्य अधिवक्ताओं में ईर्ष्या की वजह भी बन सकती है। विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ की सफलता में हाई कोर्ट को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। किसी भी काम में स्टे नहीं लगाया। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिवक्ता समुदाय की आवश्यकता को पूरा किया जाएगा।सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स में भी में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं विकसित करने की अपेक्षा की। साथ ही बार के सदस्यों से पाज़ीटिव कांट्रीब्यूशन के लिए आग्रह किया। इलाहाबाद हाई कोर्ट की ऐतिहासिकता की संक्षिप्त में चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने इस भवन के लिए किए गए प्रयासों के बारे में बताया।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने योगी आदित्यनाथ को सीखने वाला मुख्यमंत्री बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विजन को उल्लेखित किया कि गुड गवर्नेंस के लिए बेहतर ज्युडिशरी जरूरी है। उन्होंने कहा कि संविधान सारी समस्याओं का समाधान है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने कहा कि आज का अवसर ऐतिहासिक है। इस मल्टीपरपज बिल्डिंग से 10 हजार अधिवक्ताओं को सीधा फायदा होगा। कुल 14 मंजिला भवन के बेसमेंट व ग्राउंड फ्लोर सहित पांच मंजिल पार्किंग के लिए आरक्षित हैं जहां 3835 वाहन पार्क किए जा सकेंगे। छह मंजिल पर अधिवक्ताओं के चैम्बर हैं जबकि शीर्ष मंजिल पर 20 हजार वर्ग फीट में लाइब्रेरी है। इसके अलावा 26 लिफ्ट, 28 एस्केलेटर और चार ट्रैवलेटर्स हैं। थर्ड जेंडर के लिए अतिरिक्त शौचालय की सुविधा भी है। लगभग तीन साल में यह भवन बनाया गया है। कुल 2366 एडवोकेट चैंबर्स हैं।

महंगाई से राहत पर बड़ा फैसला

खाद्य तेल की कीमत बढ़ने से रोकेगी सरकार, कच्चे तेल पर आयात शुल्क 10 फीसदी घटा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। तेल की कीमतों को कम करने और स्थानीय उद्योग को संरक्षण देने के लिए वित्त मंत्रालय ने यह बड़ा फैसला लिया है।

केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। वित्त मंत्रालय के इस फैसले का मकसद खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में कमी लाना और खाने के तेल का कारोबार करने वाले घरेलू कारोबारियों के हितों की रक्षा करना है। पहले इन तीनों कच्चे खाद्य तेलों पर शुल्क 20 प्रतिशत था। बता दें कि भारत अपनी घरेलू खाद्य तेल आवश्यकता का 50 प्रतिशत से अधिक आयात करता है।

कीमतों में कमी से उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा

इस फैसले के बाद उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा कि कच्चे तेल पर शुल्क में कमी से घरेलू

सीमा शुल्क

केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

कीमतों को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने फैसले की पुष्टि की

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से अधिसूचना जारी कर खाद्य तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को घटाने के फैसले की जानकारी दी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

ताजा फैसले के बाद कितनी राहत मिलेगी?

इस फैसले पर उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने कहा, कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर लगने वाला मूल सीमा शुल्क यानी कस्टम ड्यूटी को घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। इन तीनों उत्पादों पर प्रभावी आयात शुल्क (मूल सीमा शुल्क और अन्य शुल्क सहित) अब 16.5 प्रतिशत होगा। पहले 27.5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता था। उन्होंने कहा, हाल ही में रिफाइंड पाम तेल का आयात बढ़ा है, क्योंकि यह कच्चे पाम तेल की तुलना में सस्ता है।

सरकार ने साहसिक फैसला लिया

शुक्रवार देर रात जारी बयान में एसईए के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा, सरकार ने कच्चे और रिफाइंड तेलों के बीच शुल्क अंतर को 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत करने का साहसिक फैसला सही समय पर लिया है। अब रिफाइंड पामोलिन का आयात कम होगा। कच्चे पाम तेल की मांग बढ़ने से घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र में नई जान आएगी।

इस तेल पर नहीं मिलेगी राहत

30 मई को जारी वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के बाद भी रिफाइंड तेल पर मूल सीमा शुल्क 32.5 प्रतिशत ही रहेगा। यानी इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। वर्तमान में रिफाइंड तेलों पर प्रभावी शुल्क 35.75 प्रतिशत है। ऐसे में इस तेल का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

आईवीपीए ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया

उद्योग निकाय एसईए और भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया है। घरेलू कारोबारियों और खाद्य तेल का प्रसंस्करण करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों के बीच शुल्क का अंतर बढ़ाने की मांग लंबे समय से हो रही है।

2 लाख तक का गोल्ड लोन वाले कर्जदार ध्यान दें, आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा, हमने गोल्ड लोन पर केंद्रीय बैंक के मसौदा दिशा-निर्देशों की जांच की है और इन छोटे कर्जदारों को इससे बाहर रखने का सुझाव दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 9 अप्रैल को गोल्ड लोन पर मसौदा दिशानिर्देश जारी किया था। इसमें गारंटी में सुधार करने और लोन को सही तरीके से उपयोग करने का सुझाव दिया गया है।

दो लाख रुपये तक का गोल्ड लोन लेने वाले कर्जदार आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा, हमने गोल्ड लोन पर केंद्रीय बैंक के मसौदा दिशा-निर्देशों की जांच की है और इन छोटे कर्जदारों को इससे बाहर रखने का सुझाव दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 9 अप्रैल को गोल्ड लोन पर मसौदा दिशानिर्देश जारी किया था। इसमें गारंटी में सुधार करने और लोन को सही तरीके से उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। यह भी प्रस्ताव किया गया कि सोने के बदले वर्गीकृत सभी कर्जों का ऋण मूल्य अनुपात सोने के मूल्य के 75

फीसदी से अधिक नहीं होगा।

जनवरी, 2026 से लागू हो सकता है नियम

वित्त मंत्रालय ने कहा, आरबीआई के मसौदा निर्देशों की वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने जांच की है। डीएफएस ने केंद्रीय बैंक को सुझाव दिए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे गोल्ड लोन उधारकर्ताओं की जरूरतों पर विपरीत प्रभाव न पड़े। ऐसे दिशानिर्देशों को क्षेत्र स्तर पर लागू करने के लिए समय की जरूरत होगी। इसलिए, एक जनवरी, 2026 से यह लागू हो सकता है।

आरबीआई भी कर रहा समीक्षा

डीएफएस ने सुझाव दिया कि 2 लाख रुपये तक के उधारकर्ताओं को इन निर्देशों से बाहर रखा जा सकता है, ताकि उन्हें समय पर और तुरंत कर्ज मिल सके। आरबीआई भी फीडबैक की समीक्षा कर रहा है। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों और किसान संगठनों ने मसौदे का विरोध किया था।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की वापसी मई में एफपीआई निवेश 19,860 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डेटा के अनुसार विदेशी निवेशकों ने मई 2025 में भारतीय बाजारों में ?19,860 करोड़ रुपये निवेश किया है। जिससे मई महीने में इस साल का सबसे अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला।

विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजारों में मजबूत हुआ है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने मई 2025 में भारतीय बाजारों में रिकॉर्ड तोड़ निवेश किया है। इस महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने ?19,860 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। यह इस साल अब तक का सबसे ऊंचा मासिक निवेश रहा।

शुक्रवार को गिरावट दर्ज हुई

26 मई से 30 मई के बीच के सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 6,024.77

करोड़ रुपये डाले। एनएसडीएल ने बताया कि इन दिनों में सकारात्मक निवेश देखने को मिला। लेकिन शुक्रवार को 1,758.23 करोड़ रुपये की बिकवाली देखी गई।

इस मजबूत मासिक प्रदर्शन के बावजूद, 2025 में कुल एफपीआई निवेश नकारात्मक क्षेत्र में बना हुआ है। जनवरी से मई तक, 92,491 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई। हालांकि मई में भारतीय बाजारों में तेजी ने विदेशी निवेशकों की धारणा में आए बदलाव की ओर संकेत किया।

वैश्विक अनिश्चितता से पड़ सकता है फर्क

डॉलर में आई कमजोरी ने भारतीय बाजारों के लिए अवसर पैदा किए। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करती रही है।

हालांकि वैश्विक अनिश्चितता के कारण उतार-चढ़ाव होने की संभावना बनी हुई है। पिछले महीनों के आंकड़ों से यह पता चलता है कि एफपीआई ने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बीते शुक्रवार को मई के आखिर कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182.01 अंक या 0.22 प्रतिशत गिरकर 81,451.01 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 82.90 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 24,750.70 पर आ गया।

एल.पी.एस. ने 526 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

लखनऊ। पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज (एल.पी.एस.) द्वारा एक भव्य मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी ब्लॉक, राजाजीपुरम स्थित एस.पी. लाइसियम प्रेक्षागृह में अत्यंत गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कक्षा 12 में सीबीएसई, आईएससी तथा यूपी बोर्ड से 85% से अधिक अंक अर्जित करने वाले 526 मेधावी छात्र-छात्राओं (पुरातन छात्रों सहित) को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की विशिष्टता तब और बढ़ गई जब एल.पी.एस. के पूर्व छात्रों, जो आज विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं, को भी मंच पर सम्मानित किया गया। इन पुरातन छात्रों में शामिल रहे अहमद नदीम सिद्दीकी, डायरेक्टर, सुपरवाइजर्स ट्रेनिंग सेंटर नॉर्दर्न रेलवे, डॉ. मुग्धा महाजन, डेंटिस्ट, अर्चना सिंह, शोधकर्ता, पेंसिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, अरिन सिंह, चयनित खिलाड़ी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, भाव्या श्रीवास्तव, एडिशनल सिविल जज,आंचल सैनी, उद्घोषक, आकाशवाणी, डॉ. मोनिका गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय,पीयूष राज, भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी। इस अवसर पर आई.सी.एस.ई. परीक्षा में 95.4% अंक प्राप्त करने वाली दृष्टि दिव्यांग बानी चावला और उसकी स्क्राइब रिद्धिमा शर्मा की प्रेरणादायक उपस्थिति ने सभी को भावविभोर कर दिया।

'लीगेसी' को वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में गोल्ड अवॉर्ड समेत अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला

नई दिल्ली। भारतीय प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है। बकार्डी की पहली मेड-इन-इंडिया प्रीमियम व्हिस्की 'लीगेसी' को प्रतिष्ठित वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में ब्लेंडेड व्हिस्की कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ न केवल भारत की शराब निर्माण क्षमता को वैश्विक मान्यता मिली है, बल्कि देश की प्रीमियम व्हिस्की को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान हासिल हुई है।

शानदार, आधुनिक और बारीकी से तैयार की गई लीगेसी सिर्फ एक नई व्हिस्की नहीं है, बल्कि यह भारत की युवा सोच, आत्मविश्वास और वैश्विक दृष्टिकोण की प्रतीक बन चुकी है।

लीगेसी, जिसे भारत में तैयार किया गया है, साहसिक सोच और उम्दा गुणवत्ता का बेहतरीन मेल है। इसे भारतीय और स्कॉटिश माल्ट्स को भारतीय अनाजों के साथ मिलाकर तैयार किया गया है। इसका स्वाद खासा समृद्ध, संतुलित और स्मूद है, जो हर घूंट में एक प्रीमियम अनुभव देता है यही वजह है कि यह व्हिस्की दुनियाभर के व्हिस्की प्रेमियों को लुभा रही है।

इन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों ने लीगेसी को न केवल वैश्विक मंच पर स्थापित किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में बकार्डी की पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है।

लॉन्च के तीन साल से भी कम समय में लीगेसी ने भारत में प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में अपनी खास जगह बना ली है। इसका स्मूद और संतुलित स्वाद इसे पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय बना रहा है। लीगेसी सिर्फ एक व्हिस्की नहीं, बल्कि भारतीय कारीगरी और परंपरा का जश्न है जो पुरानी विरासत को आधुनिक सोच और वैश्विक नज़रिये से जोड़ती है।

वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और कठोर स्पर्धाओं में से एक मानी जाती है। हर साल इस प्रतियोगिता में स्पिरिट्स इंडस्ट्री के दिग्गज विशेषज्ञ, समीक्षक और टेस्टिंग एक्सपर्ट्स भाग लेते हैं, जो विभिन्न श्रेणियों की व्हिस्की को उनकी गुणवत्ता, खुशबू, स्वाद, जटिलता और फिनिश जैसे मानकों पर 100-पॉइंट स्केल के आधार पर परखते हैं। इस मंच पर गोल्ड अवॉर्ड जीतना उत्कृष्टता का असली प्रमाण होता है।

इसके अलावा, लीगेसी ने एशिया स्पिरिट्स मास्टर्स 2025 में भी सिल्वर अवॉर्ड हासिल किया है, जिसे द ड्रिंक्स बिज़नेस एशिया द्वारा आयोजित किया गया। यह उपलब्धि भी लीगेसी की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को और मजबूती देती है।

बकार्डी इंडिया के मार्केटिंग डायरेक्टर (भारत और पड़ोसी देश) महेश कंचन ने कहा, ÷वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में लीगेसी को गोल्ड और एशिया स्पिरिट्स मास्टर्स में सिल्वर मिलना हमारे लिए बेहद गर्व का विषय है। यह उपलब्धि हमारी उस सोच को साकार करती है जिसमें हम भारतीय व्हिस्की को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि हम भारतीय विरासत से प्रेरित एक विशिष्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पिरिट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, इनोवेशन कर रहे हैं और विस्तार कर रहे हैं, लीगेसी भारतीय व्हिस्की की एक नई कहानी लिख रही है – जो गर्व, उद्देश्य और वैश्विक संभावनाओं से भरपूर है।

लीगेसी तीन अलग-अलग पैक साइज 750ml, 375ml और 180ml में उपलब्ध है। यह देश के कई प्रमुख बाजारों में उपलब्ध है, जिनमें हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, मेघालय, असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, पांडिचेरी और गोवा शामिल हैं। इसकी व्यापक उपलब्धता इस बात को दर्शाती है कि बकार्डी भारत को अपने सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक बाजारों में से एक मानता है।

सफेद बारादरी में पांच दिवसीय उमंग सिल्क एक्सपो का शुभारंभ

लखनऊ। उमंग सिल्क एक्स्पो द्वारा प्रदर्शनी लखनऊ के सफ़ेद बारादरी कैसरबाग, लखनऊ में दिनांक 31 मई से 5 जून 2025 ,समय 11:00 से रात्रि 9:00 तक चलेगी 7 इस सिल्क एक्स्पो में साड़ी और सूट के 25000 से भी ज्यादा नए डिजाइन उपलब्ध, जिसमें कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के बेहतरीन कलेक्शन प्रस्तुत किए गए हैं।

उमंग सिल्क एक्सपो द्वारा केशरबाग बारादरी मे आयोजित प्रदर्शनी को 'श्रीमती बेबीरानी मौर्य कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, पूर्व राज्यपाल उत्तराखंड, ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी मे आए सभी आर्टिजन एवं बुनकरों से बात कर उनका उत्साह वर्धन किया । श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लघु तथा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा जिससे लोगों की आय मे वृद्धि होगी। समाज की उन्नति मे इस तरह की प्रदर्शनी का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के आयोजक आशीष गुप्ता ने कारीगरों को एक मंच प्रदान कर सराहनीय कार्य किया है। श्री नारद मुनि चेयरमैन गन्ना समिति फरीदपुर बरेली, ने उमंग सिल्क एक्स्पो का उदघाटन के अवसर पर समाज के लोगों को इस तरह के एक्सपो में भाग लेने का आह्वान किया, इस अवसर पर तमाम गणमान्य लोग तथा आर्टिजन उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के आयोजक आशीष गुप्ता को उनके कारीगरों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

क्रॉम्प्टन ने वर्ल्ड इंटीरियर्स डे का मनाया जश्न पेश किया अपना स्कल्प्टेड मार्वल साइलेंटप्रो फ्लूइडो सीरीज

मुंबई। मुंबई। वर्ल्ड इंटीरियर्स डे विश्व इंटीरियर दिवस के अवसर पर, भारत के नंबर 1 फैन ब्रांड क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव का अनावरण किया इसका नवीनतम नवाचार जो उच्च प्रदर्शन को डिज़ाइन को प्राथमिकता देने वाली सोच से जोड़ता है। वर्ल्ड इंटीरियर्स डे के मौके पर, क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड भारत का नंबर 1 फैन ब्रांड ने अपना नया पंखा साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव लॉन्च किया है। ये पंखा सिर्फ हवा देने वाला नहीं बल्कि घर की सजावट में चार चांद लगाने वाला एक स्टाइलिश आइटम भी है। यह दिखने में एकदम नया और अलग है यानी कि काम भी करेगा और कमरे की सुंदरता भी बढ़ाएगा।

इस लॉन्च के साथ, क्रॉम्प्टन सीलिंग फैन के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है जहाँ खूबसूरत

डिज़ाइन और बेहतरीन परफॉर्मेंस एक साथ आते हैं। क्रॉम्प्टन घर की ज़रूरतों को नए नज़रिए से देखता है, जहाँ एक आम उत्पाद को बारीकी से तराशकर एक डिज़ाइनर मास्टरपीस में बदला गया है।

आजकल लोग ऐसे घरों को बहुत सोच-समझकर सजाते है जो उनकी व्यक्तिगत शैली को दर्शाता है, और अक्सर न्यूनतम और समकालीन सौंदर्यशास्त्र को तरजीह देते हैं। उन्हें सादगी और स्टाइल दोनों पसंद हैं।

वे सजावट की हर चीज़ का सोच-समझकर चुनाव करते है ताकि घर का हर कोना एकजैसा और दिखने में खूबसूरत लगे। हालांकि, ज़्यादातर सीलिंग फैन अब भी सिर्फ चलने के लिए लगाए जाते है, जो जरूरत का सामान बने हैं लेकिन आधुनिक इंटीरियर से मेल नहीं खाते। अब उपभोक्ता ऐसे पंखे चाहते है जो बढ़िया परफार्मेंस दे और सजावट को और बेहतर बनाए, यानि जगह की खूबसूरती बढ़ाए। इस बदलाव के चलते डिजाइनर पंखों की मांग बढ़ गई हैं जो बदलती सोच के अनुरूप हों और घर के हर पहलू में सुंदरता के बढ़ते महत्व को दर्शाएं।

क्रॉम्पटन की सोच हैं कि नवाचार अब वैकल्पिक नहीं - यह आवश्यक है। जैसे-जैसे घर अब व्यक्ति की पसंद और स्टाइल को दर्शाने वाली खास जगह बनते जा रहे हैं, क्रॉम्प्टन अपने साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव के ज़रिए इस बदलाव में अग्रणी है।

प्रकृति के बहाव से प्रेरित, साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव का हर हिस्सा बारीकी से तराशा गया है– बिल्कुल परफेक्शन के साथ। ये इस अभियान की सोच को दर्शाता है। 'बनाया नहीं गया, तराशा गया है'।

प्राकृतिक बहाव और मूर्तिकला जैसी बनावट से प्रेरित यह पंखा एयरोडायनामिक परफॉर्मेंस को नियो-फ्यूचरिस्टिक स्टाइल के साथ खूबसूरती से मिलाता है। ये इस तरह डिज़ाइन है कि ये न सिर्फ हवा को, बल्कि एहसासों को भी हिला दे। इस पंखे से एक नई डिज़ाइन स्टाइल सामने आती है, जो भविष्य की ओर देखती है और इस सोच में बदलाव लाती है कि एक सीलिंग फैन आखिर हो क्या सकता है।

होमटेल लखनऊ के 'दिल्ली हाट फूड फेस्टिवल' में पीजिए मोहब्बत का शर्बत

लखनऊ। अगर आप लखनऊ में रहकर दिल्ली स्थित पराठे वाली गली के करारे पराठे, जामा मस्जिद

का लजीज नॉनवेज का स्वाद लेना चाहते हैं तो आइए होमटेल बाय सरोवर, शालीमार गेटवे मॉल, आलमबाग में। यहां आयोजित हो रहा है 'दिल्ली हाट फूड फेस्टिवल। 08 जून 2025 तक चलने वाले इस फूड फेस्टिवल में लाजवाब दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा।

इस फेस्टिवल में दिल्ली के पराठे वाली गली के अलग-अलग तरीके के स्टफ्ड पराठे, चाट, गोलगप्पे, छोले भटूरे, जलेबी, रबड़ी फालूदा और दौलत की चाट जैसे स्ट्रीट फूड के चटकारे लेने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं अगर आप नॉनवेज के शौकीन हैं तो निजामुद्दीन के कबाब और निहारी के साथ ही मशहूर जामा मस्जिद के बटर चिकन, कबाब, मटन की डिशेज के साथ ही शाही टुकड़ा और महब्बत के शर्बत की मिठास भी चखने ले सकते हैं। चटपटे के शौकीनों के लिए लाजपत नगर के तंदूरी और स्टीम्ड मोमोज के साथ ही राम लड्डू और कनाड प्लेस के मिनी समोसे भी मिलेंगे। इसके साथ ही मजनू का टीला की फेमस तिब्बतियन और कोरियन लाफिंग और वाई वाई का स्वाद चखने को मिलेगा।

यह फूड फेस्टिवल न केवल दिल्ली के खानपान का अनुभव कराएगा बल्कि पारंपरिक सजावट और माहौल से आपको दिल्ली का अहसास भी कराएगा।

यह फेस्टिवल एक ऐसा अवसर है जहां आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ दिल्ली की परंपरा और स्वाद का जश्न मना सकते हैं। तो आइए, इस अनोखे फूड फेस्टिवल का हिस्सा बनें और लज़ीज़ व्यंजनों का आनंद उठाएं!

गुजरात साइंस सिटी में समर साइंस एनरिचमेंट प्रोग्राम 2025 का सफल समापन

लखनऊ। गुजरात साइंस सिटी, अहमदाबाद द्वारा 15 मई से 31 मई 2025 तक आयोजित समर साइंस एनरिचमेंट प्रोग्राम 2025 का भव्य समापन हुआ।

कार्यक्रम में कुल 650 सीटें उपलब्ध थीं, इसके बावजूद 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें से 700 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जो उपलब्ध सीटों की संख्या से अधिक है। हर विद्यार्थी के पंजीकरण को स्वीकार किया गया और उन्हें विज्ञान तथा तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में सीखने का मौका मिला।

कार्यक्रम में प्रतिदिन ब्लॉक कोडिंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, 3डी मॉडलिंग, ओरिगामी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन, होम ऑटोमेशन, टेलीस्कोप मेकिंग, ड्रोन और एयरोडायनामिक्स, मॉडल रॉकेट्री और क्रिएटिव टॉय मेकिंग जैसी कई शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

प्रत्येक विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और सभी गैलरी भ्रमण के साथ कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक समापन हुआ।

99 रूपए से शुरू हो रही शॉप्सी की फैशन सेल अब हर खरीद में होगा ठाठ का अंदाज़!

बेंगलुरु। जैसे-जैसे मौसम ठंडा होने लगता है और गर्मियों के कपड़ों को बदलने का समय आता है, देशभर के बजट-सचेत खरीदार नए कपड़े, फैशन एक्सेसरीज़ और मानसून के जरूरी सामान खरीदने की तैयारी में जुट जाते हैं। ऐसे में फ्लिपकार्ट का शॉप्सी, भारत का सबसे तेजी से बढ़ता किफायती ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, अपनी एंड ऑफ सीजन सेल (ईओएसएस) शुरू करने जा रहा है। इसका मकसद खरीदारों को हर दिन के नए फैशन ट्रेंड्स और कम कीमतों वाले खास ऑफर्स की मदद से भीड़ से अलग दिखने में मदद करना है।

यह सेल 30 मई से 8 जून तक चलेगी और भारत की सबसे बड़ी व बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल्स में से एक होगी, जिसमें विक्रेताओं की ओर से ग्राहकों को शानदार ऑफर्स दिए जाएंगे।

शॉप्सी की एंड ऑफ सीजन सेल में ग्राहकों को मिलेगा 'हर दिन नए ट्रेंड्स' का खास अनुभव, जिसमें रोज़ नए फैशन ट्रेंड्स की शुरुआत सिर्फ 99 से होगी जिससे भारत के खरीदार अपनी वार्डरोब और घर को बिना जेब पर बोझ डाले रिफ्रेश कर सकेंगे।

मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं अंडर 199 रुपये का बाज़ार, जिसमें रोज़मर्रा की आवश्यकताओं पर बेजोड़ कीमतें हैं, 299 रुपये के सुपर सेवर्स, जिसमें वैल्यू फैशन सेट और क्वॉलिटी फुटवियर हैं, और 499 रुपये के प्रीमियम पिक्स, जिसमें आकर्षक साड़ियाँ, पुरुषों के औपचारिक कॉम्बो, और बहुत कुछ शामिल है। रोज़ाना क्लीयरेंस सेल ऑफ द डे में चुनिंदा उत्पादों पर 50% तक की छूट मिलेगी, जो पहले से चल रही डील्स के अतिरिक्त है।

शॉप्सी ने इस सेल को और भी रोमांचक और ट्रेंडी बना दिया है। रोज़ाना की क्लीयरेंस सेल के साथ-साथ, 'ट्रेंडिंग नाउ' पेज पर 199 रूपए से शुरू होने वाले लोकप्रिय स्टाइल्स को खास तौर पर दिखाया गया है। जैसे-जैसे मानसून करीब आ रहा है, मानसून कूल स्टाइल्स के ज़रिए खरीदारों को ब्रीदेबल कपड़े, यूनिक रेनकोट्स, समर ड्रेसेस, शॉर्ट्स, सैंडल और फ्लिप-फ्लॉप्स 99 रूपए से शुरू होने वाली कीमतों पर मिलेंगे, जिससे वे अपने वार्डरोब को ताजगी से भर सकते हैं।

भूमि विवाद में दो पक्षों में चले ईंट-पत्थर, एक महिला की मौत

खेत से घर जा रही थी महिला, अचानक सिर में आकर लगी ईंट

महिला के मौत पर सड़क जाम करते ग्रामीण

आक्रोशित लोगों को समझाती पुलिस

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। विशुनुपरा थाना क्षेत्र के गांव जंगल नौगांवा में शनिवार की सुबह लगभग दस बजे भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में चल रहे ईंट पत्थर के दौरान घास लेकर घर जा रही गांव की ही एक वृद्ध महिला शिकार बन गई। सिर में ईंट लगने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

आक्रोशित परिजनों ने गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर शव रखकर ग्रामीणों संग जाम कर दिए। लगभग एक घंटे बाद पुलिस अधिकारी के समझाने पर माने। तहरीर के आधार पर पुलिस ने ईंट चलाने के आरोप में एक को हिरासत में लिया है। लगभग 20 मिनट तक हुए इस पथराव के दौरान एक पक्ष से दो लोग घायल भी हुए हैं। जानकारी के अनुसार फौज से

शव रखकर स्वजन ने एक घंटा किया सड़क जाम, एक पक्ष से दो घायल

रिटायर ग्रामवासी चंद्रिका प्रसाद गोंड व तूफानी यादव के बीच एक वर्ष से भूमि के एक हिस्से को लेकर विवाद चला आ रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस के कहने पर चंद्रिका उक्त भूमि पर निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी बीच तूफानी यादव, राजेश यादव, सतीश यादव व अनूप यादव निर्माण कार्य रोकने की बात कहते हुए शोर करने लगे। कार्य न रोके जाने पर ईंट पत्थर चलाने लगे। इस दौरान अपने खेत से घास काटकर आ रहीं 60 वर्षीय सरस्वती देवी के सिर पर एक ईंट आकर लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इससे नाराज स्वजन शव को गांव के मुख्य मार्ग पर रखकर जाम कर दिया और दोषियों के गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सीओ राकेश प्रताप सिंह के आश्वासन के बाद स्वजन माने तो शव को पोस्टमार्टम के लिए किसी तरह भेजा जा सका। थाना प्रभारी राजू सिंह ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के बताए जाने व तहरीर के आधा पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। एक पक्ष से प्रदीप गोंड, सोहन गोंड, हरदयाल कुशवाहा घायल हुए हैं, उनका उपचार चल रहा है।

पुलिस और राजस्व विभाग की लापरवाही में गई महिला की जान

चंद्रिका गोंड और तुफानी यादव के बीच भूमि विवाद को लेकर जब पहली बार चंद्रिका निर्माण कार्य कराने गए तो तुफानी यादव ने पैमाईश कराने के बाद निर्माण कराने को कहा। पैमाईश के बाद निर्माण कार्य कराने पर उन्होंने गांव चकबंदी में होने का हवाला देकर कोर्ट से आदेश लाने को कहा। कोर्ट से आदेश लेने में सात आठ महीने लग गए। कोर्ट द्वारा निर्माण के लिए दो माह का समय दिया गया था। पुलिस ने इस दौरान चंद्रिका की तहरीर पर तुफानी यादव पर हरिजन एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया, मामला नहीं सुलझाया। चंद्रिका का कहना है कि, शुक्रवार को थाने में चकबंदी कानूनगो संजय चतुर्वेदी और थाना प्रभारी की अनुमति से आज निर्माण कार्य करा रहा था। पुलिस टीम मुहैया कराने को कहा गया था। सीओ राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि, थाना प्रभारी से बात कर दोषी पाए जाने पर पुलिस कर्मियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेत्री रश्मि सिंह और आईईएस विनय कुमार सिंह ने एक साथ मनाई माता-पिता की पुण्यतिथि

अमेठी। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री रश्मि सिंह ने शनिवार को अपने सास, ससुर की पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। पुण्य तिथि के अवसर पर उन्होंने अपने पति आई ई एस विनय कुमार सिंह के साथ गांव में हनुमान मंदिर के निर्माण की घोषणा की। पुण्य तिथि पर आयोजित भोज और प्रसाद वितरण कार्यक्रम में गांव समाज के हजारों लोग शामिल हुए। विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग भी मौजूद रहे। विनय कुमार सिंह के पिता हरिहर बहादुर सिंह और मां सुशीला सिंह का निधन 30 और 31 मई को हुआ था। शनिवार को माता पिता की पुण्यतिथि उन्होंने एक साथ मनाई।घर के पास हनुमान मंदिर के निर्माण के पुरोहितों से पूजा कराई। प्रसाद वितरण रश्मि सिंह ने स्वयं किया।ए डी ओ दिग्विजय सिंह और परिवार के लोग मौजूद रहे। पूर्व प्रमुख रश्मि सिंह राजनीति के समाजसेवा को भी समर्पित हैं। बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए उन्होंने अमेठी पब्लिक स्कूल एक दशक पहले शुरू किया था।

अवधनामा खबर का असर : अवैध बालू खनन में लगी नाव को तोड़वाया

भेड़िहारी घाट पर नाव तोड़वाते खनन अधिकारी

कुशीनगर में खनन माफियाओं के कब्जे में गंडक नदी, आदेश बेअसर
अवैध खनन में किसी भी स्तर से लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

अवधनामा अखबार में प्रकाशित खबर का कटिंग

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। छोटी गंडक नदी के विभिन्न घाटों पर हो रही अवैध बालू खनन का खबर अवधनामा अखबार में 30 मई के अंक में शीर्षक कुशीनगर में खनन माफियाओं के कब्जे में गंडक नदी, आदेश बेअसर प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी जिसका संज्ञान लेकर शनिवार को खनन अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने जिले के विभिन्न घाटों पर छापेमारी किया जहां अवैध बालू खनन में लगी नाव को तोड़वाकर नदी में डूबो दिया। इस कार्रवाई से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। खान अधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि विभिन्न मीडिया श्रोतों में प्रकाशित खबर अवैध बालू खनन करती लदी नाव की शिकायत का संज्ञान लिया गया एवं विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान तहसील पडरौना थाना नेबुआ नौरंगिया अन्तर्गत ग्राम भेड़िहारी घाट क्रांति चौक के पास अवैध खनन में संलिप्त एक नाव पाया गया जिसे मौके पर तोड़वाकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि अवैध खनन पर इसी तरह आगे भी कार्रवाई भी की जाएगी। इस संबंध में खनन अधिकारी ने कहा कि अवैध खनन किसी भी दशा में होने नहीं दिया जाएगा। इसमें संलिप्त जो भी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विलुप्त हो रही बांसी नदी को पुनर्जीवित कर सदानीर बनाने की कवायद शुरू

अवधनामा ब्यूरो

बांसी धाम का निरीक्षण करते डीएम

कुशीनगर। विकास खण्ड विशुनपुरा के जंगल सिंगापट्टी के प्रसिद्ध बांसी धाम सहित पौराणिक नदी बांसी नदी, गंभीरिया बुजुर्ग स्थित रामघाट, तथा कटाई भरपुरवा में विलुप्त हो रही बांसी नदी को पुनर्जीवित कर सदानीरा बनाने के प्रयास तथा बांसी धाम के जीर्णोद्धार हेतु स्थलीय निरीक्षण शनिवार को जिलाधिकारी ने पडरौना विधायक के साथ किया। उन्होंने ग्राम प्रधान अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड से बांसी नदी में हमेशा पानी बनाए रखने के दृष्टिकोण से विस्तृत चर्चा भी की। ग्रामवासियों से तथा संबंधित अधिकारियों से इसे विभिन्न रजवाहों तथा अन्य नदियों से जोड़ने के सुझाव पर विचार विमर्श भी किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड एवं बाढ़ खंड को निर्देशित किया आज सुझाए गए विचारों एवं विकल्पों की विस्तृत कार्ययोजना बनाकर मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने नदी एवं धाम के आसपास सफाई अभियान चलाने तथा वृक्षारोपण कराने, लाइट लगवाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड से कहा कि पूरे वर्ष को मानसून सत्र 4 माह एवं अवशेष 8 माह गैर मानसून सत्र में बांटकर उसके दृष्टिगत नदी में पानी हमेशा बनाए रखने के प्लान पर कार्य करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नदी की कुल 25 से 27 किलोमीटर की लंबाई की स्थलीय समीक्षा करें। स्थानीय स्तर से भी उसे जोड़ने के विकल्पों को तलाशे। भरपुरवा रेगुलेटर को खोलने पर क्या प्रभाव पड़ सकता है इसके बारे में अवलोकन किया गया व कुछ नहरों को बांसी नदी में जोड़ने का निर्देश भी दिया गया। पंचमित्र की सहायता से मन, मनोयोग, मनोबल, मशीन एवं मनरेगा को मूलमंत्र बनाकर इस नदी को पुनर्जीवित करना है। इसे सदानीरा बनाना है। पूरी टीम के साथ इस पर कार्य करें। पंचमित्र का संकल्प एवं नूतन प्रयासों से ही इसे कल कल धारा में परिवर्तित किया जा सकता है। उन्होंने यह निर्देशित किया 1 सप्ताह के भीतर सम्पूर्ण कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती को आंदोलन सरकार से लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े अभ्यर्थी

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का आंदोलन शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। हजारों की संख्या में जुटे अभ्यर्थियों ने कहा है कि जब तक सरकार की ओर से लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक वे धरना समाप्त नहीं करेंगे। धरने के चौथे दिन का माहौल पहले से भी अधिक जोशीला और आक्रोशपूर्ण रहा।सुबह से ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से और अधिक प्रशिक्षु धरनास्थल पर पहुंचे और सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। रायबरेली के रजत सिंह ने बताया कि सिर्फ बातचीत नहीं, लिखित आश्वासन और भर्ती विज्ञापन ही आंदोलन खत्म करने का आधार होगा। धरने में महिला प्रशिक्षुओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिल रही है। कई प्रशिक्षित महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ धरनास्थल पर डटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सात साल से इंतजार कर रहे हैं, अब पीछे नहीं हटेंगे। उधर प्रशासन द्वारा धरना ख़त्म करने की बात कही जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रशिक्षित बेरोजगार रोजाना धरना स्थल पर जा रहे हैं। आंदोलनकारी युवाओं ने जमकर नारेबाजी की। जितेंद्र सिंह,राहुल,वर्तिका, स्मिता, सर्वेश, विनय, शिवम आदि मौजूद रहे।

किसान गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत रायबरेली जनपद में 135 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम चल रहा है जिसमें क्रम में आज विकासखंड बछरावां के तीन ग्राम पंचायत सहगो पूरब, सरौरा, ग्राम पंचायत में जनपद रायबरेली के नोडल अधिकारी डॉ योगेश प्रताप सिंह संयुक्त कृषि निदेशक क्वालिटी कंट्रोल द्वारा किसानों को बीज शोधन, मृदा परीक्षण, फसल चक्र, पीएम कुसुम योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, ट्राईकोडर्मा का फील्ड डिमॉन्सट्रेशन के बारे में बताया गया, योजना जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ आर पी एन सिंह में कार्यक्रम में खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकी और उन्नति कृषि के बारे में किसानों को जागरूक किया गया। डॉ संजय सिंह ने बताया कि किसानों कैसे कम लागत में अधिक उत्पादन कैसे मिले के बारे में किसानों को जानकारी दी, उप कृषि निदेशक/ भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि किसान विभाग की सभी योजनाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले।

शिक्षा, समता, समानता, मानवता और शांति के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ बौद्ध सम्मेलन

अवधनामा संवाददाता

- पंचशील का आचरण से हो सकता है सभी सामाजिक समस्याओं का समाधान : भंते प्रज्ञा मित्र
- अप्प दीपो भव बौद्ध धम्म का मूल मंत्र
- समापन के समय गर्मी से राहत, प्रकृति ने बदला रुप, रिमझिम बारिश के बीच लोगों ने भंडारे में भोजन किया

अमेठी। शुक्रवार को नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नं चार में बौद्ध सम्मेलन, धम्मदेशना कार्यक्रम और भोजन दान का आयोजन किया गया। बौद्ध सम्मेलन में लोक कलाकार अनिल नादान ने बौद्ध मिशन के गीतों के माध्यम से शिक्षा, समता, समानता, मानवता और शांति के संदेश दिए और अन्धविश्वास के प्रति जनचेतना जागृत करते हुए बुद्धं सरणं गच्छामि के संदेश दिए।

बौद्ध सम्मेलन में अमेठी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, रायबरेली और अयोध्या जिले से बड़ी संख्या में शिक्षित कर्मचारी और बौद्ध धम्म के अनुयाई उपासक,उपासिकाएं, बौद्ध भिक्षु और बौद्धाचार्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक त्रिसरण पंचशील और बहुजन महापुरुषों के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुई। बौद्ध भिक्षु भंते प्रज्ञा मित्र ने पंचशील की व्याख्या करते हुए धम्मापदेश दिए, कहा कि अप्प दीपो भव बौद्ध धम्म का मूल मंत्र है।

सम्मेलन के आयोजक प्रेमा देवी बौद्ध और राम बहादुर चक्रवर्ती ने अम्बेडकर सेवा समिति के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। सम्मेलन का संचालन बौद्धाचार्य हौंसिला प्रसाद और संजय कुमार शास्त्री ने किया। बौद्ध विद्वान के पी सविता, बामसेफ के जिला संयोजक संजीव भारती, सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक ,विधायक प्रतिनिधि मुकेश प्रताप सिंह, राजाराम कोरी बौद्ध, श्याम लाल भारती, राम सजीवन कोरी मंझवारा, अनिल बौद्ध, जगन्नाथ, सिद्ध नाथ, राम फल फौजी,राम प्रताप,राम टहल,कवि बृज लाल कोरी,राम चन्द्र सरस, ललित कुमार, नरेंद्र कुमार, आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र कोरी, दयाराम बौद्धाचार्य, इन्द्र पाल गौतम, वैरागी राम, तुलसी राम शास्त्री, श्याम कुमार, फूलचंद बौद्ध, कन्हई राम, श्याम कुमार, डॉ नन्हे लाल, अवकाश प्राप्त शिक्षक पल्टूराम, रामहर्ष, सियाराम, शिव प्राण, गौरव, विनोद कुमार एडवोकेट, उदयराज कोरी, रमेश कुमार कोरी ,दीपा बौद्ध, प्रेमा देवी आदि मौजूद रहे।

अलग-अलग सड़क हादसे में दो घायल, रेफर

मथौली सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर करते

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। शनिवार को अलग-अलग सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार हाटा कोतवाली क्षेत्र के पट्टन चौराहे पर कीर्तन भजन हो रहा था। सुबह 10 बजे सिकटा गांव निवासी कमलावती देवी पत्नी टीमल उम्र 48 वर्ष सड़क पार कर पानी लेने जा रही ही की एक बाइक सवार ने ठोकर मार दिया। महिला के सिर में गंभीर चोट लग गई जबकि बाइक सवार भी घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी मथौली लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद कमलावती के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना कप्तानगंज थाना क्षेत्र के पकड़ी मदरहां गांव के पास हुई। यहां एक अर्टिगा कार ने राधिका देवी पत्नी कपिक देव उम्र 40 वर्ष को ठोकर मार दिया। मौके पर महिला घायल होकर सड़क पर गिर पड़ी। ग्रामीणों के मदद से उक्त कार से सीएचसी मथौली लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

लोक माता अहिल्याबाई की जन्म शताब्दी के बहाने मतदाताओं को साधने में जुटी भाजपा, कांग्रेस और सपा

लोक कल्याण की भावना के अनुरूप नहीं है भाजपा का कोई काम : राजीव

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशाब्दी जयंती समारोह के बहाने सभी राजनीतिक दल देश की आधी आबादी और गड़रिया समाज को साधने की कोशिश में लगे हुए हैं। भाजपा लगातार संगोष्ठियों का आयोजन कर रही है। डबल इंजन सरकार के निर्देश पर महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम माता अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति को साथ रखते हुए आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय और समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर भी संगोष्ठियों का आयोजन करके अहिल्याबाई होल्कर के लोक कल्याणकारी शासन का गुणगान किया गया।

राजीव गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि भाजपा का अब तक का काम माता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों के विपरीत रहा है। भाजपा जी एस टी जैसे कानून के माध्यम से बड़े बड़े अमीर घरानों को फायदा पहुंचा रही है। छोटे कर्मचारियों की नौकरियां छीन रही है ।आउट सोर्सिंग भर्ती करके स्थायी नौकरियां खत्म की जा रही हैं। लघु एवं कुटीर उद्योग चौपट हो गये हैं। रुढ़िवादी मानसिकता कायम है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव सिंह ने कहा कि भाजपा का कोई काम लोक कल्याण की भावना के अनुरूप नहीं है। अहिल्या बाई होलकर का शासन आम जनता की भलाई को समर्पित रहा है। भाजपा की हर नीति पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए है। नगरपालिका जायस की चेयरमैन मनीषा चौहान, जिला प्रवक्ता अनिल सिंह, शत्रुघ्न सिंह, डॉ संजय सिंह, अवनीश मिश्रा, अर्जुन पासी आदि मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर अहिल्याबाई होलकर की जयंती श्रद्धा और सादगी के साथ मनाई गई। जिला अध्यक्ष राम उदित यादव के साथ पार्टी नेताओं ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके जीवन दर्शन पर विस्तार से संवाद किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला की अध्यक्षता में एक श्रद्धा और प्रेरणा से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री संत बख्श सिंह रहे। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संत बख्श सिंह जी ने अपने उद्बोधन में अहिल्याबाई होलकर जी के तपस्वी जीवन, उनके लोकहितकारी कार्यों और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके समर्पण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई न सिर्फ एक आदर्श शासिका थीं,बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थीं, जिन्होंने धर्म,संस्कृति और लोककल्याण के क्षेत्र में अनगिनत कार्य किए। अहिल्याबाई होल्कर ने तोड़े गए मंदिरों का कश्मीर से कन्याकुमारी तक कराया था जीर्णोद्वार। काशी,अयोध्या और अन्य तीर्थ स्थलों पर किए गए निर्माण कार्य आज भी उनके योगदान की गवाही देते हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान जारी

अमेठी/भादर। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत शनिवार को अमेठी, भादर और गौरीगंज विकास खंडो की कोरारी गिरधरशाह, सरायखेमा, इस्माइलपुर, पीपरपुर, कल्याणपुर और कटरा लाल गंज में खरीफ गोष्ठियां आयोजित की गई। गोष्ठियों में किसानों को कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से तकनीकी जानकारी दी गई और प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। कटरा लाल गंज में विधायक राकेश प्रताप सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने किसानों को कृषि भवन से सम्पर्क में रहते हुए उन्नतिशील खेती को सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं और सेवाओं के बारे में संदेश दिए। कहा कि किसान देश के अन्नदाता है, सरकार किसानों की समस्याएं दूर करने और उपज का उचित मूल्य देने के लिए पूरी तरह गंभीर है। संयुक्त कृषि निदेशक अयोध्या मंडल अवतीन्द्र मिश्र,उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक फूल चंद के साथ प्रगतिशील किसान भी मौजूद रहे। कृषि वैज्ञानिक डा सुरेन्द्र सिंह , डॉ प्रमोद कुमार सिंह, और राजकीय बीज भंडार प्रभारियों ने किसानों को जानकारी दी।

दिन भर परेशान रही पीड़ित महिला, न मेडिकल हुआ न एफआईआर दर्ज हुई, बीट का सिपाही कोतवाल सीओ पर भारी

अमेठी अवधनामा संवाददाता। कोतवाली अमेठी के अन्तर्गत बीट के सिपाहियों की मनमानी से पीड़ित और फ़रियादी परेशान हैं। समाधान दिवस में आई शिकायतों का भी समुचित निस्तारण नहीं हो रहा है। शनिवार को मारपीट के मामले में कोतवाली आई कमासिन की महिलाओं को दिन भर थाने में बैठने के बाद शाम को निराश होकर लौटना पड़ा। अस्पताल में चिकित्सक के न होने से पीड़ित महिला का मेडिकल नहीं हुआ। कमासिन में तैनात किए गए बीट के सिपाही एक पक्ष से मिले हुए हैं। शनिवार को जनसुनवाई के समय कोतवाल रवि कुमार सिंह के समक्ष आधा दर्जन मामले आए, अधिकांश फरियादी महिला थीं। लगभग सभी मामले घरेलू विवाद और जमीन के झगड़ों से सम्बंधित देखें गये। कमासिन के फतेह बहादुर पासी, अपनी पत्नी और बहू के साथ थाने आए थे। फतेहबहादुर ने बताया कि सुबह परिवार के ही राजकुमार पासी के घर के लोगों ने उनकी पत्नी और बहू को बुरी तरह पीट दिया। सुबह 8.30 बजे से कोतवाली आया हूं। पुलिस ने विपक्षी की दर्खास्त लेकर मेडिकल के लिए भेज दिया हमारी दर्खास्त पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। दोपहर बाद इस प्रकरण की जानकारी होने पर सी ओ मनोज कुमार मिश्र ने क्षेत्रीय दरोगा और सिपाही प्रमोद को पीड़ित महिला का मेडिकल कराने और कार्रवाई के निर्देश दिये। सिपाही ने मनमानी करते हुए पीड़ित महिला का मेडिकल का कागज लेकर चौकीदार को अस्पताल तब भेजा ,जब डाक्टर चले गए। महिला को बिना मेडिकल के निराश होकर घर लौटना पड़ा।

शॉर्ट सर्किट से कपड़े की दुकान में लगी आग, 20 लाख का नुकसान

तुर्कपट्टी मुख्य बाजार में में फैमिली व दिव्या गारमेंट की दुकानों में लगी आग

अवधनामा संवाददाता

तमकुहीराज, कुशीनगर। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार में नहर के निकट स्थित आर के काम्प्लेक्स में शनिवार भोर में करीब तीन बजे शार्ट सर्किट से फैमिली और दिव्या गारमेंट के नाम से संचालित रेडिमेड कपड़ों की दुकानों में आग लग गई। आग लगने से विक्रय के लिए रखे लगभग बीस लाख रुपए मूल्य के कपड़े जलकर राख हो गया।

झनकौल निवासी फारूक अंसारी व महुअवां बुजुर्ग निवासी महेन्द्र गुप्ता की दुकानें फैमिली व दिव्या गारमेंट के नाम से आरके काम्प्लेक्स में हैं। शुक्रवार की शाम दुकानें बन्द कर दोनों अपने घर चले गए। शनिवार भोर में करीब तीन बजे अचानक आग की लपटें और धुआं उठने लगा। दुकानदारों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग विकराल हो गई। सूचना पर तुर्कपट्टी थाना पुलिस व अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गई। आग के कारण डॉ पंकज सिंह की सिंह चश्माघर की दुकान का एसी और अन्य सामान भी जल गया। दुकानदार फारूक अंसारी ने बताया कि जाते समय सभी लाइटें बन्द कर दी थीं, केवल इनवर्टर चालू था। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर फाजिलनगर विधायक सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा और जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय मौके पर पहुंचे और प्रभावित दुकानदारों का हौसला बढ़ाते हुए शासन से आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

जनपद में त्यौहारों एवं आयोजनों के मद्देनज़र डीएम ने लागू की धारा 163

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी ने त्यौहारों एवं आयोजनों के मद्देनज़र जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु धारा 163 लागू कर डयूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को कड़ा निर्देशित किया है।

जनपद फिरोजाबाद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु धारा 163 को लागू करने का निश्चय जिलाधिकारी ने लिया है, जिसके तहत निम्नलिखित आदेश जारी किए हैं। 01-कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी सरकारी/अर्द्ध सरकारी/गैर सरकारी/संस्थागत प्रतिष्ठान/कार्यालय एवं किसी प्रकार के वाहन में किसी आग्नेयस्त्र अथवा किसी ऐसे अस्त्र शस्त्र को लेकर विचरण अथवा प्रवेश नहीं करेगा, जिससे कोई प्राण घातक हमला हो सकता हो। यह प्रतिबन्ध ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना किसी ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर), डी0जे0, डान्स पार्टी, गाड़ियों में लाउडस्पीकर आदि का प्रयोग नहीं करेगा और न कोई धरना प्रदर्शन, हड़ताल, रैली अथवा आन्दोलन आदि ही करेगा।

सक्षम अधिकारी की अनुमति के बाद भी लाउडस्पीकर आदि की ध्वनि निर्धारित स्थल से 50 मीटर से अधिक दूरी तक प्रसारित नहीं की जायेगी। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई अफ़्वाह नहीं फैलायेगा और न इसके लिए किसी अन्य को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी प्रकार की सार्वजनिक सम्पत्ति अथवा सरकारी सम्पत्ति को हानि नहीं पहुँचायेगा और न इसके लिए किसी अन्य को प्रेरित ही करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह राजनैतिक उन्माद फैलाने वाले नारेबाजी नहीं करेगा और न किसी ऐसे उल्लेख के साथ जिससे आपसी वैमनस्यता या कटुता का वातावरण उत्पन्न हो, पोस्टर, बैनर प्रचार, प्रसार सामग्री का मुद्रण ही करेगा और न उनके वितरण अथवा चिपकाये जाने मे कियाशील हीं होगा तथा किसी अन्य राजनैतिक दल के पोस्टर, बैनर, झण्डे तथा अन्य प्रचार सामग्रियों को न तो स्वयं नष्ट करेगा और न ही किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह या राजनैतिक दल को प्रेरित ही करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी सार्वजनिक स्थल यथा-बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, छवि गृह अथवा धार्मिक स्थल पर प्रज्वलनशील पदार्थ यथा-मिट्टी का तेल, डीजल, पेट्रोल, गैस या अन्य कोई रासायनिक पदार्थ तेजाब आदि को जरी कैन या सिलेण्डर के रूप में लेकर न तो विचरण करेगा और न अनाधिकृत रूप से इनका भण्डारण ही करेगा, किन्तु यह प्रतिबन्ध घरेलू उपयोग में ले जाये जाने वाले मिट्टी के तेल, डीजल, व रसोई गैस पर लागू नही होगा। किसी भी सार्वजनिक स्थल पर पॉच या पॉच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होगें, किन्तु यह प्रतिबन्ध शासकीय कार्यालय एवं शवयात्रा पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह सार्वजनिक स्थल पर मादक पदार्थ आदि का सेवन नहीं करेगा और न ही इसका प्रयोग कर विचरण करेगा तथा कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेगा, जिससे किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय के विरूद्ध अथवा शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की संम्भावना हो। कोई भी व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह परम्परागत रूप से मनाये जाने वाले धार्मिक पर्वो के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई नई परम्परा की शुरूआत नहीं करेगा और न ही ऐसा कोई कार्य करेगा, जिसस पर्व की पवित्रता, शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो। कोई राजनैतिक दल/अभ्यर्थी/व्यक्ति ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जिसमें भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गम्भीर हो सकते हों या परस्पर नफ़रत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है। यदि राजनैतिक दलों की आलोचना की जाये, तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, गत रिकार्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाये। चूँकि उक्त आदेश तत्कालिक रूप से पारित करने की आवश्यकता है और समयाभाव है। अतः यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किये जा रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश के संम्बन्ध में कोई आवेदन करना चाहे अथवा कोई छूट चाहे, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/नगर मजिस्ट्रेट/सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन करने का अधिकार होगा, जिस पर सम्यक विचारोपरान्त समुचित आदेश पारित किये जा सकेगें। यह आदेश 31.05.2025 से प्रारम्भ होकर 28.07.2025 तक के लिए सम्पूर्ण जनपद में लागू होंगे, यदि बीच में वापस न लिये जाये।

इस आदेश के उल्लघंन का संज्ञान जनपद में तैनात पुलिस उप निरीक्षक स्तर से अथवा उससे वरिष्ठ किसी भी पुलिस अधिकारी अथवा तहसीलदार मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट द्वारा लिया जा सकेगा और उल्लिखित अनुमतियों उनके द्वारा समस्त परिस्थितियों पर विचारोपरान्त नियमानुसार निर्गत की जायेगी। इस आदेश अथवा आदेश के किसी अंश का उल्लघंन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 208 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा। इस आदेश का व्यापक प्रचार प्रसार थानाध्यक्षों/प्रभारी निरीक्षकों/तहसीलदारों/खण्ड विकास अधिकारियों तथा स्थानीय निकायों एवं जिला सूचना अधिकारी फिरोजाबाद द्वारा किया जायेगा। इस आदेश की एक प्रति प्रत्येक सरकारी कार्यालय एवं नगर, स्थानीय निकाय के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक जानकारी हेतु अविलम्ब लगाई जायेगी। यह आदेश 31.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मोहर से जारी किया गया।

जनपद में 53 खेत तालाब से लाभान्वित होगें किसान

- जल्द प्रारम्भ होगी बुकिंग प्रक्रिया

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. सौरभ वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत जिले में 53 खेत तालाब का निर्माण होगा। तालाब निर्माण की लागत एक लाख पांच हजार रूपये होगी। इसमें लाभार्थी किसान को लागत का 50 प्रतिशत 52 हजार 500 रूपये अनुदान के रूप में देय होगा एवं 50 प्रतिशत स्वयं वहन करना होगा। वर्षा जल को संचित8 कर बिना वर्षा वाले मौसम में जीवन रक्षक सिंचाई करने, ड्रिप इरीगेशन, स्प्रिंकलर इरीगेशन आदि के साथ-साथ मत्स्यपालन, सिंघाडा व मोती पालन के लिये खेत तालाब योजना लागू की गई है।

भूमि संरक्षण अधिकारी, बहराइच ने बताया कि कृषि विभाग लखनऊ से लक्ष्य प्राप्त हो चुके है जिसमें उद्यान विभाग से पूर्व में स्प्रिंकलर की स्थापना करने वाले किसानों के लिये 21 तालाब निर्माण करने का लक्ष्य है। जिसमें 19 तालाब सामान्य वर्ग/पिछडा वर्ग तथा अनुसूचित जाति के 02 लाभार्थी चयनित किये जायेगें। सामान्य श्रेणी के 32 तालाब होगें, जिसमें सामान्य वर्ग/पिछडा वर्ग के 29 तालाब तथा अनुसूचित जाति के 02 एवं अनुसूचित जनजाति के 01 लाभार्थी का चयन होगा। सभी 32 तालाबों पर तालाब निर्माण के पश्चात उद्यान विभाग से स्प्रिंकलर स्थापित करना अनिवार्य होगा। लाभार्थी किसानों के खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से 02 किश्तों में धनराशि प्रेषित की जायेगी। योजना का लाभ पाने के लिये कृषि विभाग की वेबसाइट यूपीएग्रीकल्चर डाट यूओ डाट जीओवी डाट इन पर तालाब की बुकिंग पहले आओं पहले पाओं के आधार पर शीघ्र शुरू की जायेगी। किसानों को एक हजार रूपये टोकन मनी के साथ बुकिंग करना होगा।

सावधान! जिला अस्पताल हाउसफुल

- मरीजों को इलाज के लिए जमीन और स्ट्रेचर ही नसीब
- सरकार के स्वास्थ्य दावों की खुली पोल, मरीज बेहाल- सिस्टम सवालों के घेरे में

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। जिला अस्पताल में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। अस्पताल पूरी तरह हाउसफुल है और मरीजों को इलाज के लिए अब स्ट्रेचर या जमीन का सहारा लेना पड़ रहा है। कोरोना संक्रमण अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में ही है, और इसी दौरान सरकारी चिकित्सा व्यवस्था की पोल खुलती नजर आ रही है।

जिला चिकित्सालय के सभी बेड पहले से ही फुल हैं। पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, और यहां तक कि इमरजेंसी वार्ड में भी मरीज ठूंस-ठूंस कर भरे गए हैं। ऐसे में गंभीर सवाल उठता है – मरीज अपना इलाज कहां कराएं? और किससे कराएं?

इस सवाल का कोई ठोस जवाब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एस.डी. त्रिपाठी के पास भी नहीं है। हालांकि उन्होंने यह आश्वासन जरूर दिया कि मैं मरीजों को अंदर शिफ्ट कराने की व्यवस्था कर रहा हूं।÷ मगर अंदर भी हालात जस के तस हैं।

ट्रामा सेंटर में एक भी बेड खाली नहीं है। मरीजों के परिजन बेहद मजबूरी में दो विकल्पों के बीच झूल रहे हैं – या तो महंगे प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाएं और जमीन-जायदाद या पत्नी के आभूषण तक बेचें, या फिर सरकारी अस्पताल में अपमानजनक हालात में जमीन पर पड़े रहें। सरकार भले ही सबको बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने का दावा कर रही हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे अलग तस्वीर पेश कर रही है। अस्पताल के हालात और डॉक्टरों की लापरवाही ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। गौरतलब है कि नई सुविधाओं से लैस अस्पताल भवन जिसमे 300 बेडो के साथ अति आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाये मौजूद है , अभी भी शुभारंभ का इंतजार कर रहा है, वहीं मौजूदा इमारत में मरीज बेहाल हैं। अब सवाल यह है – क्या स्वास्थ्य सेवाओं की यह तस्वीर सिस्टम की असफलता का प्रमाण नहीं है? कब तक जनता इलाज के लिए संघर्ष करती रहेगी? और क्या सरकार इस संकट का स्थायी हल निकालेगी या आश्वासनों का खेल यूं ही चलता रहेगा?

70 लीटर अवैध शराब ताड़ी में दो पुलिस गिरफ्त में

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना जसराना पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब /ताड़ी की बिक्री करने वाले 02 अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर कुल 70 लीटर अवैध शराब/ताड़ी को नष्ट कराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में जनपद मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी जसराना के कुशल नेतृत्व में थाना जसराना पुलिस टीम द्वारा आबकारी निरीक्षक के सहयोग से खुले में शराब पीने व अवैध शराब/ताड़ी की बिक्री करने के संबंध में चलाये गए विशेष अभियान के दौरान दो अभियुक्तों कमलेश पुत्र रंगवीर सिंह, सोनू पुत्र साधू सिंह निवासीगण घाघऊ थाना जसराना जिला फिरोजाबाद को अवैध शराब/ताड़ी की बिक्री करते हुए मौके से गिरफ्तार किया गया है। उपरोक्त दोनों अभियुक्तों से कुल 70 लीटर अवैध शराब/ताड़ी बरामद हुई जिसको मौके पर ही आबकारी टीम द्वारा नष्ट कराया गया। थाना जसराना पर मु.अ.सं.-164/25 धारा 60(1) आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदगी व गिरफ्तारी करने वाली टीम में शेर सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना जसराना, भूपेश कुमार सिंह (आबकारी निरीक्षक), उ.नि. जतिन पाल (चौकी प्रभारी मुस्तफाबाद), उ.नि. अचल कुमार, है.का. 443 महेन्द्र सिंह, का. विनीत कुमार, है. का. सुरजीत कुमार (आबकारी), का. मनोज कुमार (आबकारी), म.का. अलका श्रीवास्तव (आबकारी) जसराना फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

कांग्रेस में मनाई अहिल्या बाई होल्कर की जयंती

- अहिल्याबाई के शासन में बुनियादी ढांचे का हुआ विकास : अभिषेक सिंह

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर, जयसिंहपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के बेलवारी ग्राम पंचायत के पाल बस्ती में कांग्रेसियों ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती मनाई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की अध्यक्षता भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता नेता व बड़ी संख्या में महिलाओं मैं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किया।इस अवसर पर अहिल्या बाई के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा कहा कि अहिल्याबाई के शासनकाल में बुनियादी ढांचे का विकास हुआ। जिसमें आर्थिक विकास और सामाजिक संपर्क को बढ़ावा दिया गया था। सड़कों, पुलों और सार्वजनिक भवनों की निर्माण का काम शुरू किया। जिससे अनेक राज्य में व्यापार को गतिशीलता का बढ़ावा मिला। वही उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने नष्ट किए गए 12 सौ मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया साथ ही धर्मशालाओं, घाट और कुएं आदि बनवाये गए।जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश पाठक ने कहा कि देश में हर नारी को अहिल्या बाई की तरह साहस और वीरता से काम करना चाहिए। इस मौके पर पवन मिश्रा, मनोज सिंह, संतोष सिंह, मोती पाल, रविंदर पाल, राकेश वर्मा, राजेश पाल, रामानुज पाल, रामदत्त पाल, श्याम सुंदर पाल, आकाश पाल, आरमन पाल, कुंदन पाल, लालजी वर्मा, चंद्रावती, मिथिलेश, नीलम, मनोजा, कृष्णावती, हीरावती, पूनम, कुसुम, मुस्कान, शिवम पाठक, अंकित अग्रहरी आदि लोग शामिल रहे। जिला कांग्रेस कार्यालय पर भी मनाई गई अहिल्याबाई की जयंती-जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के प्रांगण में शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी समेत भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि लोक माता अहिल्याबाई होल्कर ने धर्म, संस्कृत तथा पुरुषार्थ के क्षेत्र में अपार योगदान दिया। 1780 में काशीनाथ विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। इस अवसर पर नफीस फारूकी सलाहुद्दीन हाशमी विजय पाल गौतम रियाज अहमद अनवर अहमद गुड्डू जायसवाल बजरंग रावत श्याम लगन जाकिर हसन हामिद राईनी अवधेश कुमार गौतम राजीव सिंह मोहित तिवारी संग्राम शीतला प्रसाद शाहू प्रभात पाल समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भक्ति ही कलयुग में मुक्ति का मार्ग है: पाण्डेय

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। कथा के तीसरे दिन आचार्य नीरज कृष्ण पाण्डेय ने बताया कि राजा परीक्षित ने सुकदेव जी महाराज से प्रश्न किया कि अगर सात दिन में किसी मनुष्य की मृत्यु होने वाली हो तो उसको किसका श्रवण करना चाहिए, किसका भजन करना चाहिए और किसका स्मरण करना चाहिए।किस चीज का त्याग करना चाहिए। साथ में मनु वंश में जन्मे आकूति देहूति प्रसूति उत्तानपाद और प्रियवर्त जी की कथा सुनाइए, ये इच्छा जाहिर की। विनोबापुरी सुल्तानपुर में एल आई सी अधिकारी जी डी पाण्डेय के यहां आयोजित श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा व्यास नीरज कृष्ण पाण्डेय ने बताया कि कलयुग में चारों तरफ घोर पाप देखने को मिल रहा है। मनुष्य मनुष्य का कल्याण नहीं देख पा रहा है। सभी आपस में ही संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मानव कल्याण के लिए भागवत कथा का श्रवण ही एक मात्र रास्ता बताया है। कथा के मुख्य आयोजक जीडी पाण्डेय ने सभी से कथा श्रवण करने का आग्रह किया। अजय पाण्डेय, विजय पाण्डेय, अवनीश पाण्डेय, हरिओम पांडे, अरुण तिवारी सभासद,अनुराग दुबे आदि सैकड़ों कथा भक्तों ने कथा का श्रवण किया और प्रसाद ग्रहण किया।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

सुल्तानपुर। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। शनिवार की सुबह बाग में ट्यूब के सहारे लटका शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई। मृतक की शिनाख्त गांव निवासी राम गरीब पाल के रूप में हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची है। जाँच पड़ताल शुरू कर दी गई है। प्रथम दृष्टया पारिवारिक विवाद के खुदकुशी किए जाने का मामला प्रतीत हो रहा है।

एडीओ पंचायत की सेवा निवृत पर भव्य विदाई

- 36 साल की नौकरी में 33 साल ब्लॉक भावल खेड़ा रहा कार्यकाल

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद के विकासखंड भावलखेड़ा में शनिवार को एडीओ पंचायत नारायन सिंह का कार्यकाल समाप्त हुआ और और सेवा निवृत्ति पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन ब्लॉक सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें विकासखंड के ग्राम प्रधान सफाई कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर भी उपस्थित रहे इस दौरान जनपद के अधिकतर विकास खंडों से एडीओ पंचायत भी विदाई समारोह में शामिल हुए और बारी-बारी से सभी ने नारायन सिंह के कार्यकाल की प्रशंसा की , कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी ने संबोधन के दौरान कहा कि नारायन सिंह को जो जिम्मेदारी दी गई उस जिम्मेदारी को अपने कार्यकाल में उन्होंने बाखूबी निभाया और विभाग की तरक्की में उनका भरपूर सहयोग रहा, आपको बता दे 36 साल की पूरी सर्विस में एडीओ पंचायत नारायन सिंह ने 33 साल शाहजहांपुर जनपद के विकासखंड भावलखेड़ा में अपनी सेवाएं दी है यही कारण था कि उनके विदाई समारोह में लोग भावुक थे और उनके कार्यकाल की प्रशंसा कर रहे थे इस दौरान जब उनका कुछ दिन के लिए गैर जनपद ट्रांसफर हुआ था तो क्षेत्र के ग्राम प्रधान एक जुट होकर मंत्री से मिले थे और इस दौरान ग्राम प्रधानों की मांग भी मानी गई और नारायन सिंह का फिर भावल खेड़ा ब्लॉक के लिए ट्रांसफर हुआ और तब से आज तक वह भावल खेड़ा में सेवाएं दे रहे थे फिलहाल उनकी विदाई पर भव्य कार्यक्रम के साथ-साथ कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी प्रवीण कुमार, ग्राम पंचायत सचिव विरला देवी भी मौजूद रही।

अवैध तमंचा, कारतूस सहित तीन गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना अरांव पुलिस टीम द्वारा 03 शातिर अभियुक्तगण को 02 अवैध तमंचा 315 बोर, 03 जिन्दा कारतूस, एक अवैध चाकू व 2600 रूपये सम्बन्धित मु0अ0सं0 77/25 धारा 305/331(4) /317(2) बीएनएस सहित गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी सिरसागंज के नेतृत्व में थाना अरांव पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर 03 शातिर अभियुक्तगण भोला गिहार पुत्र महेन्द्रपाल निवासी गिहार कालौनी थाना कोतवाली जिला मैनपुरी, शवम उर्फशिवा पुत्र महेन्द्रपाल निवासी गिहार कालौनी थाना कोतवाली जिला मैनपुरी, लकी कुमार पुत्र सुशील कुमार निवासी बांसमडी कूपरगंज थाना रायपुरवा जिला कानपुर नगर को भारौल बाईपास नगला कद्दू बम्बा की पटरी थाना क्षेत्र अरांव से 02 अवैध तमंचा 315 बोर, 03 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 01 अवैध चाकू व मु0अ0सं0 77/25 धारा 305/331 (4)/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित 2600 रूपये सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 ऋषि कुमार, उ0नि0 सुशील कुमार, उ0नि0 जाविद खाँ, का0 1349 अनुज कुमार, का0 1242 सत्यम राजपूत, का0 1070 सौरभ कुमार थाना अराँव जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

नई उम्मीदों की डोली: जीवन संघर्ष के बाद डोली को मिला नया सहारा

शाहजहाँपुर। समाज सुधार की प्रतीक महारानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी के अवसर पर उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए आदर्श दिव्यांग कल्याण संस्थान के प्रदेश सचिव नीरज बाजपेई एवं मंडल अध्यक्ष नलिनी ओमर ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए अपना 127वाँ विवाह सम्पन्न कराया। यह विशेष विवाह समारोह रामचरण लाल धर्मशाला, खिरनी बाग में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर एक विशेष पुनर्विवाह सम्पन्न हुआ, जिसने सामाजिक धारणाओं को एक नई दिशा दी। डोली नामक महिला, जिनका विवाह छह वर्ष पूर्व जलालाबाद में हिन्दू रीति-रिवाजों से हुआ था, जीवन की कठिन परिस्थिति का सामना कर रही थीं। विवाह के कुछ ही समय बाद उनके पति का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। तब से पिछले तीन वर्षों से डोली अपने दो बच्चों के साथ अकेले जीवन बिता रही थीं और अपने पिता के घर कलान में रह रही थीं।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह की वृहद स्तर पर करें तैयारी

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के संबंध में आहूत हुई महत्वपूर्ण बैठक में जिलाधिकारी महोदया ने सभी उपजिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों, मुख्य चिकित्साधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, ज़िला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को सबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अंततराष्ट्रीय योग सप्ताह को पूरे मनोयोग से मनाया जाना है। सभी विभागों को 15 जून को अपने अपने विभागोंमें योग सप्ताह का उद्घाटन एवं 21 जून को मुख्य कार्यक्रम में अच्छी तरह संपादित करना है तथा इसे उलहवअ. पद पोर्टल पर अपलोड भी करना है ताकि जनपद से अधिक से अधिक लोगों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. रंजन वर्मा ने बताया कि आगामी 15 जून को इंदिरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रातः माननीय जन प्रनिधियों द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन होगा। उसके पश्चात प्रतिदिन योग प्रोटोकाल के अनुसार लोगों को योगाभ्यास कराया जा सके। नगर पालिका के सहयोग से जनपद में दो पार्कों को इंदिरा उद्यान एवं घंटाघर पार्क को योग पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। योग के समस्त कार्यक्रम जनपद स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक होने हैं ताकि अधिक से अधिक जन सामान्य को योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा सके। मुख्य चिकित्साधिकारी के माध्यम से समस्त सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योगाभ्यास होना है। इसके साथ ही ज़िला कारगर, समस्त थानों, एसएसबी बटालियन में तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा संस्थान में योग अभ्यास एवं आयुष महाविद्यालय, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर विद्यालयों में , विविध प्रतियोगिताएं, संगोष्ठियों आदि कार्यक्रम किये जायेंगे। योग मास्टर ट्रेनर के माध्यम से समस्त आशाओ, आंगनवाड़ियों, एवं एएनएम, खेल शिक्षकों को योग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सांस्कृतिक, धार्मिक, अमृत सरोवरों इत्यादि पर योगाभ्यास के कार्यक्रम किये जायेंगे। समस्त विभागों में योग ब्रेक का कार्यक्रम संपादित किया जायेगा।

कार्यालय जिला पंचायत, फिरोजाबाद

पत्रांकः- 207/जि0पं0नि0/2025-26 दिनांक : 30 मई, 2025

ई-निविदा सूचना

प्रदेश की समस्त जिला पंचायतों/सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग में वित्तीय वर्ष 2025-26 में रजिस्ट्रीकृत ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि शासन से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2022-23 एंव वर्ष 2024-25 की अनुमोदित परियोजनाओं में निरस्त परियोजनाओं के स्थान पर चयनित नवीन परियोजनाओं पर निर्माण कार्य एंव वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पंचम राज्य आयोग के आवंटित/प्राप्त अनुदान से निर्माण कार्यो की प्रतिशत दर पर निम्नलिखित परियोजनाओं पर निर्माण कार्य कराये जाने के लिए ई-निविदायें दिनांक 04/06/2025 को सायं 5:00 बजे से दिनांक 26/06/2025 दोपहर 12:00 बजे तक ई-टेण्डर पोर्टल की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। आमंत्रित निविदायें दिनांक 26/06/2025 को अपरान्ह 1:00 बजे से निविदादाताओं की उपस्थिति में कार्यालय जिला पंचायत, फिरोजाबाद में निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी (मा0 अध्यक्ष महोदया) में निहित होगी। निविदाओं की तकनीकी एवं वित्तीय बिड्स खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख विभाग/कार्यालय को प्रस्तुत किये जायेगें। साथ ही सभी अभिलेखों को स्कैन कर निविदा के साथ ऑनलाइन अपलोड करनी होगी। सभी निविदायें विस्तृत शर्तो के अधीन मान्य होगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी (मा0 अध्यक्ष महोदया) में निहित होगी। ई- निविदा सम्बन्धी शर्तो आदि की विस्तृत जानकारी https://etender.up.nic.in पर व किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला पंचायत, फिरोजाबाद से की जा सकती है।

नोट :- जनपद की समस्त कार्यदायी संस्थाओं (लो0नि0वि0, आर0ई0डी0, मण्डी परिषद, नहर विभाग, नलकूप विभाग, समस्त ग्राम पंचायतें एंव क्षेत्र पंचायतें) को इस अनुरोध है कि उक्त निविदा सूचना ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर अपलोड कार्यो की सूची में से यदि कोई कार्य आपके विभाग से स्वीकृत अथवा प्रस्तावित किया गया है तो इसकी सूचना इस कार्यालय को 15 दिवसों के अन्दर उपलब्ध कराने का कष्ट करें, अन्यथा उनकी सहमति मानते हुए सभी परियोजनाओं पर निर्माण कार्य कराये जाने की कार्यवाही सम्पादित करा ली जायेगी।

रनवीर सिंह	**मणीन्द्र सिंह**	**हर्षिता सिंह**
अभियन्ता	**अपर मुख्य अधिकारी**	**अध्यक्ष**
जिला पंचायत, फिरोजाबाद।	**जिला पंचायत, फिरोजाबाद।**	**जिला पंचायत, फिरोजाबाद।**

सड़क पर नमाज व प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी नहीं होगी

बकरीद को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। नगर के सनातन धर्म इंटर कालेज सभागार में ईद-उल-अज़हा बकरीद को लेकर शनिवार को पीस कमेटी की बैठक हुई जिसमें पीस कमेटी के सदस्यों ने प्रशासन के समक्ष अपनी अपनी मांगें रखीं। पीस कमेटी की बैठक में एडीएम अभिनव रंजन श्रीवास्तव ने कहा कुर्बानी के मद्देनजर सफाई, पानी की तीन दिन के लिए ड्यूटी लगाई गई हैं, बिजली की कटौती भी नही होगी। सड़क पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं मिलेगी। प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी नहीं होगी न ही प्रतिबंधित स्थानों पर कुर्बानी होगी। एसपी सिटी अभय नाथ त्रिपाठी ने कहा बकरीद पर जैसा होता रहा है वैसा ही होगा कोई नया काम नही होगा। ईदगाह में दो शिफ्टों में नमाज होगी। किसी भी दशा में सड़क पर नमाज नहीं होगी। कोई नई परम्परा कायम नहीं होगी। पुलिस व्यवस्था दुरुस्त रहेगी। बैठक में फुरकान अहमद ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिद में अलग अलग समय और नमाज होगी नगर पालिका गर्मी को देखते हुए पानी की व्यवस्था करें। चिन्हित स्थानों पर ही कुर्बानी होगी खून सड़क पर न बहे। कुर्बानी की गंदगी को सड़कों पर न डालें। फरहान शकील ने कहा कि जानवरों की तादाद बढ़ रही है जो 11 पॉइंट बने हैं वह कम पड़ रही है इस वर्ष आजाद नगर टीला को बढ़ाकर 12 पॉइंट कर दिए जाएं। अब्दुल अंसारी ने कहा कि कुर्बानी तीन दिन तक चलती है इसलिए तीन दिन तक पानी और सफाई की सुविधाएं दी जाएं। मौलाना तारिक शम्सी ने कहा कि जिले की जो परम्परा चली आ रही है उसी परम्परा को कायम रखा जाएगा प्रशासन पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए। आलोक दीक्षित, क़ामिल कुरैशी, मुमताज चौधरी आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में एसडीएम विक्रम राघव, सीओ सिटी राम गोपाल त्रिपाठी, ईओ नगर पालिका विनय मणि त्रिपाठी, हाजी गुड्डू मंसूरी, शावेज़ नक़वी, सभासद लीलावती राजपूत, सभासद प्रतिनिधि हाशिम कुरैशी, सभासद मो.इकबाल, सभासद सचिन शंखवार, हनी वारसी, गोरखनाथ वर्मा, रिंकू यादव, हाजी अजीम वारसी, मो. मुस्तकीम, हाजी अब्दुल हन्नान मंसूरी, हाजी मो.अरशद, गुलशेर खान, सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। संचालन शहर कोतवाली प्रभारी यशवंत सिंह ने किया।

उप निबंधक राठ कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार जनचर्चा में

अवधनामा संवाददाता

राठ (हमीरपुर) अपनी पहली पोस्टिंग में ही भौकाल बनाने के लिए प्रयासरत उपनिबंधक राठ अपने विभागीय कर्मियों को तो हड़काती ही हैं,व्यावसायिक स्थान में भी संबंधित सामग्री सस्ता लेने के चक्कर में व्यवसाईयों को भी हड़काने का प्रयास करती हैं। अपने वाहन में आगे-पीछे उत्तर प्रदेश सरकार की प्लेट भी लगाए हुए है।जब इस विषय में उप निबंधक दीप्ति सिंह से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि मैं सरकारी कार्य हेतु अपने वाहन में भी उत्तर प्रदेश सरकार की पट्टी लगा सकती हूं। नगर के एक व्यवसायी ने बताया कि उपनिबंधक कुछ समय पूर्व उनके यहां सामान लेने आई थी। जिसमें वह दामों में छूट चाहती थी, जब दुकानदार ने उनसे फिक्स रेट के लिए कहा, तो वह अपने आपको वीवीआईपी बता कर हड़काने के जोश में आ गई और अपने साथ आए सहयोगी से कहा कि अगर इनकी कुछ भूमि की खरीद फरोख्त हो,तो मुझे अवश्य सूचित करना और दुकानदार के बताएं मूल्य को अदा कर सामान लेकर चली गईं। उप निबंधक कार्यालय के हालात इतने बद्तर हैं कि कार्यावधि के बाद भी देर शाम तक यह खुला रहता है।उप निबंधक बहुधा नगर के कथित भूमाफियाओं के साथ वार्ता में व्यस्त रहती हैं। रिहायशी क्षेत्रों में धारा 80 के अधीन जिलाधिकारी की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती। परंतु उपनिबंधन कार्यालय में क्रेताओं को इसका उलझाव दिखाकर और वसूली करके रजिस्ट्री कर दी जाती है। भू माफियाओं की आवासीय भूमि को बहुधा कृषक भूमि दर्शाकर स्टांप की चोरी की छूट देकर यहां रजिस्ट्री की जाती है। इस प्रकार से उत्तर प्रदेश सरकार को प्रतिमाह लाखों रूपयों की राजस्व हानि होती है। लगभग ढाई माह पूर्व काफी शिकायतें आने पर क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी का इस भ्रष्टाचार के विरुद्ध इसकी शिकायत प्रदेश सरकार में करने का आश्वासन भी समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था। परंतु उस पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अगर रजिस्टार ऑफिस का कोई सक्षम अधिकारी सत्यता से जांच करें, तो लाखों रुपए के घपले का पर्दाफाश सामने आ सकता है।

जिलाबदर अपराधियों की धमाचौकड़ी से हो रही आपराधिक वारदातें

हमीरपुर। जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बावजूद भी अपराधियों के हौसले कम होने का नाम नहीं ले रहे लगातार जिला बदर अपराधी जिले के अंदर अपराध करके भागने में सफल हो जाते हैं या अपराध करने के बाद पुलिस के हाथ लग जाते है ताजा मामला जरिया थाना क्षेत्र के नगर सरीला का है जहां पर कस्बा निवासी आकाश अनुरागी वर्तमान समय में जिला बदर अपराधी होने के बावजूद नगर में खुलेआम घूमता दिखाई देता था जिसका पता स्थानीय पुलिस को लगा स्थानीय थाना पुलिस द्वारा दबिश देकर आकाश अनुरागी को गुरुवार को गिरफ्तार कर मुक़दमा पंजीकृत कर पुनः जेल भेज दिया गया आपको बता दें कि पूर्व में भी अक्टूबर माह में जिला बदर अपराधी अखिलेश द्वारा पत्रकारों के साथ मारपीट की एक बड़ी घटना को अंजाम दिया गया था और उस समय अवधि में अखिलेश राजपूत भी जिला बदर अपराधी था उसके बाद भी अपने गृह नगर में निवास कर आपराधिक वारदातों को अंजाम देता रहा था बड़ा सवाल यह है कि आखिरकार किसके संरक्षण में यह जिला बदर अपराधी खुलेआम अपने गृह जनपद में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद भागने में सफल हो जाते हैं।

बैठक में बाल कल्याण एवं संरक्षण योजनाओं की दी गई जानकारी

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, सैफई। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में संपन्न हुई जिसमें बाल कल्याण एवं संरक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव ने कहा कि पात्र लाभार्थी बच्चों को उक्त योजनाओं का लाभ अवश्य मिलना चाहिए। अनाथ व असहाय बच्चों के लिए यह योजनाएं वरदान हैं। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। खंड विकास अधिकारी विजय शंकर प्रसाद ने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए उचित माहौल आवश्यक है। बच्चों को वात्सल्य व स्नेह भी मिलना चाहिए इसके लिए हम सब प्रयासरत हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर पहुंचे बाल संरक्षण अधिकारी सोहन गुप्ता ने मिशन वात्सल्य के अंतर्गत गठित ग्राम बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रवर्तकता कार्यक्रम व दत्तक ग्रहण प्रक्रिया भी समझाई। बाल संरक्षण विशेषज्ञ प्रेम कुमार शाक्य ने बताया कि 01 मार्च 2020 से अब तक पिता को खो देने वाले बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अंतर्गत ढाई हजार रुपए महीना तथा कभी भी अनाथ हुए बच्चों को स्पॉन्सरशिप के अंतर्गत चार हजार रूपए महीने की आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। बाल विकास परियोजना अधिकारी संगीता ने ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों की बैठकों के सही से कार्यवृत्त लिखना सिखाया और कहा कि समस्याग्रस्त व पीड़ित बच्चों के अलावा बाल विवाह संबंधित सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। इस दौरान एडीओ पंचायत भगवानदास, सीएचसी से डा.राजीव कुमार, शिक्षा विभाग से दुर्वेश कुमार, उपनिरीक्षक मलखान सिंह, आउट रीच वर्कर आलम खान, परियोजना कार्यालय से बिंदु मिश्रा के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

मिशन शक्ति के अंतर्गत जनपद पुलिस की कार्यशाला

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों व मिशन शक्ति टीम के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक किया जा रहा है।इसी क्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच व बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया। महिलाओं व बालिकाओं को बताया गया कि बस,रास्तों व सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफआईआर के लिए जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निर्देशों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 वीमेन हैल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

पिता के बाइक न दिलाने से क्षुब्ध पुत्र ने खाया चूहा मार दवा

हमीरपुर। मजदूर पिता के ऊपर बाइक खरीदने का दबाव बनाने वाले युवक ने जिद पूरी न होने पर चूहा मार दवा खा ली। इससे उसकी हालत बिगड़ गई।गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे कानपुर रेफर किया गया है। वहीं एक अन्य घटना में पत्नी की किसी बात से क्षुब्ध होकर युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ है। थाना कुरारा के पारा कंडौर गांव निवासी 21 वर्षीय सुरेश पुत्र भदैइयां निषाद कई दिनों से अपने पिता के ऊपर बाइक दिलाने का दबाव बना रहा था, लेकिन पिता उसकी शादी करने की तैयारी में था, इसलिए बाइक दिलाने से कतरा रहा था।लेकिन सुरेश अड़ा हुआ था। सुरेश के भाई राजेश ने बताया कि पिता ने जब उसकी जिद पूरी नहीं की तो उसने शुक्रवार की शाम घर पर रखी चूहा मारने की दवा खा ली। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में उसे पहले सीएचसी कुरारा और बाद में जिला अस्पताल लाया गया। यहां से भी उसे गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया है।

अपर जिला जज रूपेंद्र सिंह ने तंबाकू निषेध के प्रति जागरूक किया

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, जसवंतनगर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को चौ. सुघर सिंह नर्सिंग कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिला जज रूपेन्द्र सिंह टोंगर ने की। इस वर्ष की थीम÷नशा मुक्त भारत÷को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर छात्र-छात्राओं के माध्यम से रंगोली, नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत और भाषणों के जरिये जन जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री टोंगर ने राम और रावण की उपमा देकर तंबाकू सेवन के खतरों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू एक ऐसा धीमा जहर है, जो इंसान को धीरे-धीरे मौत की ओर ले जाता है। रावण जैसा विद्वान भी अहंकार और बुराई के कारण नष्ट हो गया, उसी तरह तंबाकू सेवन करने वाला व्यक्ति सब कुछ जानने के बावजूद मूर्खता करता है। उन्होंने तंबाकू न खाने वालों को ÷राम÷ की संज्ञा देते हुए कहा कि अच्छाइयों को अपनाना ही समझदारी है और हमें अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने चाहिए कि वे नशे से दूर रहें। कार्यक्रम में सीओ आयुषी सिंह ने कहा कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी और मानसिक असंतुलन जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। यह न सिर्फ शरीर को नुकसान पहुंचाता है बल्कि युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को भी अंधकार में डाल देता है। उन्होंने सभी उपस्थितों को तंबाकू से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया। नर्सिंग छात्रों द्वारा तंबाकू और तंबाकू पात्रों से प्रेरित रंगोली बनाई गई, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। साथ ही नुक्कड़ नाटक और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पीएलवी रामसुंदर व ऋषभ पाठक ने बताया कि तंबाकू निषेध दिवस पर समाज में जागरूकता लाने के लिए नियमित अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी पीएलवी सदस्य भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए तत्पर हैं। कार्यक्रम में तहसीलदार दिलीप कुमार, उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह, नर्सिंग कॉलेज डायरेक्टर रीमा शर्मा, पीएलवी लालमन बाथम, राजेंद्र सिंह, कुमारी नीरज, स्कूल स्टाफ मनीष चौधरी, गौरव यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

रात्रि में बाथरूम जाते समय फिसला युवक, मौत

राठ/हमीरपुर। राठ कोतवाली क्षेत्र के धमना गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे बाथरूम जाते समय 33 वर्षीय दिलीप कुमार फिसलकर गिर गए। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई।दिलीप अपने पिता जगतराम की छह बीघा जमीन पर खेती करते थे। खेती के साथ-साथ मजदूरी कर वह अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी रागिनी के अलावा दो छोटे बच्चे हैं। बड़ा बेटा गोलू 6 साल का है, जबकि छोटा बेटा सौरभ 5 साल का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दिलीप की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

दुकान की शटर उखाड़ चोर ले गए सामान व नगदी

राठ (हमीरपुर) नगर के उरई बस स्टैंड में स्थित किराने की दुकान से चोरों दुकान की शटर उखाड़ लगभग दस हजार रुपये की नगदी सहित हजारों रुपये सामान को चुरा ले गये हैं। पीड़ित दुकानदार ने घटना की लिखित शिकायत राठ कोतवाली में की है।नगर के मोहल्ला पठनऊ निवासी मनोज कुमार गुप्ता पुत्र नवलकिशोर ने बताया कि बीती शुक्रवार की शाम नगर के उरई बस स्टैंड के समीप स्थित अपनी किराने दुकान बंद करके घर गया। सुबह जब जाकर देखा तो दुकान की शटर उखड़ी हुई थी। अंदर जाकर देखा तो गोलक से लगभग दस हजार रुपये की नगदी सहित धनिया, मिर्चा, काजू, किशमिश व राजश्री की बोरियां तथा दो कट्टी रिफाइंड गायब था। पीड़ित ने घटना की लिखित शिकायत राठ कोतवाली में की है।

तिलौलीकलॉ गांव का किया निरीक्षण

सोनभद्र/अवधनामा ब्यूरो। नोडल अधिकारी/ग्राम विकास आयुक्त एवं सचिव गौरी शंकर प्रियदर्शी द्वारा आज पंचायत भवन तिलौली कलॉ का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी/ग्राम विकास आयुक्त एवं सचिव ने ग्राम पंचायत सचिव कक्ष, ग्राम पंचायत कक्ष के स्थिति का जायजा लिया और उपस्थित ग्रामीणों से वार्ता कर पंचायत भवन में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की मिल रही सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी लिये। इस मौके पर उन्होंने निःशुल्क खाद्यान्न वितरण दुकान का निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोटे की दुकान पर उपस्थित ग्रामीणों से वार्ता कर राशन वितरण के सम्बन्ध में जानकारी ली, ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि कोटेदार द्वारा खाद्यान्न का वितरण निर्धारित समय पर किया जाता है किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होती है, इस दौरान उन्होंने तिलौलीकला ग्राम पंचायत में कम्प्टीशन की तैयारी के दृष्टिगत स्थापित पुस्तकालय का भी निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर वार्ता भी किये, ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत में कम्प्टीशन की तैयारी के दृष्टिगत स्थापित की गयी पुस्तकालय की स्थापना के कार्य की प्रशंसा की, इस दौरान उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पंचात भवन सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किये और दी जा रही स्वास्थ्य सुविधा एवं दवाओं के वितरण के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से जानकारी प्राप्त की।

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा हमीरपुर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन कुलदीप निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, राज्य सभा सांसद के प्रतिनिधि अशोक कुमार तिवारी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पंचायत सहायक उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में सशक्त बनने का आह्वान किया। उन्होंने जनपद में स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। प्रितिजा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी की अध्यक्ष श्रीमती प्रितिजा ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि उनके एफपीओ का टर्नओवर 54 लाख रुपये है और वह बीसी सखी के रूप में 1.5 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन कर रही हैं।सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेकर आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने अहिल्याबाई के कार्यों को रेखांकित करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समूह सखी, बैंक सखी, स्वास्थ्य सखी, विद्युत सखी, बीसी सखी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पंचायत सहायकों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में, मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अतिथियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसमें अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को अपनाने और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

दिशिता महिला मंडल द्वारा प्रमाण पत्र का हुआ वितरण

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/अनपरा। इन्दू सिंह जी के दिशा निर्देशन में दिशिता महिला मंडल रेनूसागर सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सतत् प्रयत्नशील रहा है। इसी श्रृंखला में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं व बालिकाओं को सम्मानित कर सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का प्रदान किया गया। इस अवसर पर इन्दू सिंह ने कहा अधिकांश महिलाएं व बालिकाएं निकटवर्ती क्षेत्र से है जीवन में परिवारिक दायित्वों के साथ कुछ न कुछ करना चाहती है ऐसे में दिशिता महिला मंडल रेनूसागर सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से अपने हुनर को निखारने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत छः माह प्रशिक्षण देने के उपरान्त सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। जिसमें गरबन्धा, अनपरा व परासी के 19 लाभार्थियों ने प्रमाण पत्र प्राप्त किया। प्रशिक्षिका अनीता प्रजापति ने छः माह प्रषिक्षण की पूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षण प्राप्त बालिकाओं एंव महिलाओं ने कहा कि महिला मंडल के इस नेक कार्य से हम लोग अपने आप को आत्मनिर्भर बनाते हुए अपने परिवार तथा बच्चों के प्रति आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक भूमिका अदा कर सकेगें। इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्याएं विभा शैलेश सिंह, रीना जैन, मेनका अरोड़ा, ऋतु दबे, विभा सिंह, सविता चौबे, स्मृतिलेखा पट्टनायक, रजनी रूंगटा, किरन श्रीवास्तव सचिव तुलिका श्रीवास्तव, सहित अन्य सदस्याऐं उपस्थित थी। प्रमाण पत्र पाकर सभी प्रसन्न थे।

कुएं में पड़ा मिला किशोरी का शव, तीन दिनों से थी लापता

वधनामा संवाददाता

बिवांर (हमीरपुर) थाना क्षेत्र के बांधुर बुजुर्ग गांव में शनिवार दोपहर लगभग दो बजे गांव की पंचायत भवन के पास बने कुएं में किशोरी का शव मिला।सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने शव को कुएं से निकाला।बांधुर बुजुर्ग गांव की आरती (17) पुत्री नोखेलाल का शव गांव के पंचायत भवन के पास बने पुराने कुएं में उतराता मिला। शनिवार दोपहर लगभग दो बजे कुएं की जगत पर बैठे कुछ ग्रामीणों को दुर्गंध आए तो उन्होंने झांककर देखा ,जिन्हें शव उतराता दिखा ,जिन्होंने किशोरी के घर में सूचना दी ,पिता ने थाना बिवांर आकर फौती सूचना दर्ज कराई। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि किशोरी के पिता के अनुसार किशोरी बीते तीन दिनों से लापता थी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।मौदहा सीओ विनीता पहल ने बताया प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लगता है ,पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद और परिजनों से तहरीर मिलने और कार्यवाही की जाएगी।

नटीपीसी-विंध्याचल द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/ विंध्यनगर। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे दिनांक 31.05.2025 को अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल 09 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी इस प्रकार से हैं त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक (आरएलए), श्रीमन नारायण मिश्रा, उप महाप्रबंधक (बीएमडी), फरजन्द हुसैन, उप प्रबन्धक (पीएंडएस), आत्माराम पटेल, अभियंता /एसएलपीएस (प्रचालन), विजय केरकेट्टा, अभियंता/ एसएलपीएस (प्रचालन, आटो ब्रुनो मिंज, अभियंता/ एसएलपीएस (प्रचालन), रमेश, अभियंता/ एसएलपीएस (फ्यूल हैंडिलिंग), राजेश कुमार शर्मा, अधिकारी/ एसएलपीएस (रसायन) एवं सूरज लाल साहू, प्रचालक (ईएमजी)। एनटीपीसी-विंध्याचल प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का सम्मान परियोजना के उमंग भवन के सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) संजीब कुमार साहा नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की यूनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस एक ऐतिहासिक दिन ही नहीं भाषा

मेल व लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है: अजय विक्रम

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी एवं पत्रकारों को किया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

अनपरा/सोनभद्र। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शुक्रवार सायं श्रीराम होटल, अनपरा में एक भव्य संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के समर्पित और जागरूक मीडिया बंधुओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधूत भगवान राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय विक्रम सिंह ने हिन्दी पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियों, बदलते परिदृश्य और डिजिटल युग में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हिन्दी पत्रकारिता को निष्पक्षता, सटीकता और जनसरोकार की भावना के साथ कार्य करते रहना होगा।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक ऐतिहासिक दिन नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि भाषा, अभिव्यक्ति और पत्रकारिता का मेल लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अनपरा कोतवाली प्रभारी एस पी वर्मा ने सभी पत्रकार साथियों को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारिता के ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में हिन्दी पत्रकारिता द्वारा निभाए गए क्रांतिकारी सहयोग को याद करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सशक्त औजार रही है।इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, पत्रकारिता विभाग के शोध छात्र रंजीत कुमार राय ने अपने संबोधन में पत्रकारिता और कंटेंट राइटिंग के बीच के अंतर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, ÷पत्रकार के रूप में वर्तमान समय में एक बड़ी ज़िम्मेदारी है कि अपनी लेखनी से खोई हुई पुरानी साख और विश्वास को पुनः प्राप्त किया जाए।÷ उन्होंने युवा पत्रकारों से अपील की कि वे अपने दायित्वों को गंभीरता से समझें और सत्य के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

इस गरिमामय समारोह में स्थानीय पत्रकारों को प्रतीक चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, पत्रकारों, शिक्षाविदों तथा छात्रों की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन प्रेस क्लब अनपरा के अध्यक्ष आर.पी. सिंह ने कहा

हर वर्ष 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, जो भारतीय पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है। यह दिन उस ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करता है जब 1826 में पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कलकता से भारत का पहला हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड प्रकाशित किया था।

बारबालाओं संग तमंचे पे डिस्को

फायर भी झोंका, वीडियो वायरल

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। सोशल मीडिया में बार बालाओं संग डीजे पर ठुमके लगाते एक युवक का वीडियो वायरल हो रहा है। मनबढ़ युवक नाचते हुए हवा में तमंचे से फायर कर रहा है। ठुमके लगा रही बार बालाएं फायर होते ही कान दबाकर किनारे हो जाती हैं और युवक ठुमके लगाते हुए मंच से नीचे उतर आता है। इसके बाद हरकत में आई पुलिस युवक की तलाश में जुट गई है। वायरल वीडियो की दैनिक परिधि समाचार पुष्टि नहीं करता है। शनिवार को सोशल मीडिया में वायरल हुए 16 सेकंड के वीडियो में बैकग्राउंड में भोजपुरी गीत बज रहा है। तख्त के बने स्टेज पर दो बार-बालाएं ठुमके लगा रही हैं।इन्हीं के संग दो युवक भी नाच रहे हैं। एक युवक हाथ में तमंचा लिए है। इस युवक ने हवा में लहराते हुए तमंचे से फायर झोंक दिया। वायरल वीडियो राठ के गायत्री नगर पठानपुरा का बताया जा रहा है। किसी कार्यक्रम में लगे डीजे में उक्त युवक बार बालाओं संग नाच रहे थे। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने इन दोनों युवकों की शिनाख्त करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

वायरल वीडियों के सम्बन्ध में थाना राठ पुलिस द्वारा जांच की गई तो तमंचा के साथ वीडियो में दिख रहे व्यक्ति विपिन राजपूत पुत्र जनक राजपूत (उम्र करीब 20 वर्ष) निवासी ग्राम नघौंर थाना पनवाड़ी जनपद महोबा हाल पता पठानपुरा कस्बा राठ थाना राठ के रूप में पहचान हुई है। थाना राठ पुलिस द्वारा प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है। जांच तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी

जन समस्याओं के समाधान हेतु तय की जाय जवाबदेही

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव किया जायेगा निदान : केशव प्रसाद

अवधनामा ब्यूरो

- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज सर्किट हाउस मे लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम'
- समाधान भी होगा, सुविधाएं भी मिलेंगी : केशव प्रसाद मौर्य'

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस प्रयागराज मे आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।

उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को

विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन मे प्रयागराज व उसके आस पास के जनपदो से बडी संख्या मे आये लोगों ने अपनी समस्यायें बतायी, जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। उन्होने प्रयागराज के जनप्रतिनिधियो से भी अपेक्षा की कि वह स्थानीय लोगों की समस्याओ के निराकरण मे यथोचित सहयोग प्रदान करें।

अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में छात्रा को विश्व में प्रथम रैंक

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर प्रथम कैम्पस की कक्षा-3 की छात्रा परीशा राय ने इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट (आई.बी.टी.) के अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में 100 परसेन्टाइल के साथ विश्व में प्रथम रैंक अर्जित कर लखनऊ का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि हेतु परीशा को 'सार्टिफिक्रेट ऑफ ऑनर' प्रदान कर सम्मानित किया गया है। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने इस मेधावी छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि यह प्रतियोगिता आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॅार एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुई, जिसमें कई देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के हजारों छात्रों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपने ज्ञान-विज्ञान का प्रदर्शन किया। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में सी.एम.एस. की इस मेधावी छात्रा ने अपने ज्ञान-विज्ञान व मेधात्व के दम पर गणित में 100 परसेन्टाइल अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। श्री खन्ना ने बताया कि आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॅार एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की प्रतिभा का आकलन करता है एवं आई.बी.टी. टेस्ट किसी भी देश के पाठ्यक्रम के बजाय मूलतः छात्रों की प्रतिभा व कौशल पर आधारित होते हैं। सी.एम.एस. का लगातार यही प्रयास है कि विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारा एवं प्रोत्साहित किया जाए। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र समय-समय पर विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कीर्तिमान स्थापित कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

एलयू में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में स्नातक पाठ्यक्रमों (यूजी) में प्रवेश के लिए पंजीकरण एवं ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट lkouniv.ac.in अथवा समर्थ पोर्टल के माध्यम से अभ्यर्थी पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 100 रुपये निर्धारित है, जो ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रक्रिया में पंजीकरण करना अनिवार्य है। पंजीकरण के लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले वेबसाइट के POP UP अथवा Admission पेज पर दिए गए लिंक https://lkounivadm.sama rth.edu.in पर क्लिक करना होगा। इसके बाद न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक कर लॉगिन आईडी बनानी होगी।

सिंदूर मांगे ओपीएस : मनोज पांडेय

- नार्दन रेलवे इम्प्लाइज यूनियन ज़ोनल व लखनऊ मंडल अधिवेशन सम्पन्न
- कॉम नरसिंह कुमार ज़ोनल महासचिव व कॉम राजेंद्र पाल अध्यक्ष निर्वाचित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सामुदायिक भवन (बारात घर) मवैया, लखनऊ में नार्दन रेलवे इम्प्लाइज यूनियन संबद्ध इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन का पांचवा ज़ोनल त्रिवर्षीय, लखनऊ मंडल का अधिवेशन सैकड़ों रेलवे कर्मचारियों उपस्थित से सम्पन्न हुआ, जिसमें कॉम नरसिंह कुमार को ज़ोनल महासचिव और राजेन्द्र पाल को ज़ोनल अध्यक्ष चुना गया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री कॉम मनोज पांडेय ने कहा कि आज जहां रेलवे की पटरियां बढ़ रही है। रेलवे के डिब्बे बढ़ रहें हैं। ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, तब हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि स्थाई रेलवे कर्मचारियों की संख्या घट क्यों रही है। लोकों पायलटों सहित रेलवे कर्मचारियों की भर्ती क्यों नही हो रही है। देश के बहादूर सैनिकों के बलिदान का वर्तमान सरकार राजनीतिकण है। घर घर सिंदूर पहुचाने का नाटक कर है जबकि सिंदूर ओपीएस मांग रहा है। फ्रंट अगेंस्ट एनपीएस इन रेलवे राष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र पाल ने कहा कि एनपीएस की तरह ही यूपीएस को भी रेलवे कर्मचारियों सहित देश के सभी पेंशन विहीन कर्मचारियों ने नकार दिया है। नार्दन रेलवे इम्प्लाइज यूनियन संस्थापक और निर्वाचित ज़ोनल महासचिव कॉम नरसिंह कुमार ने कहा कि जब हमने दो दशक पहले फेडरेशन और यूनियन की स्थापना की थी तब बहुत ही मुश्किल दौर था तब भी हमने लगातार रेलवे अधिकारियों के दमन को झेलते हुए यूनियन और फेडरेशन को आगे बढ़ाया है। अब आप सब नौजवान साथियों का साथ मिलने से हमारी फेडरेशन ने कई जोन में मान्यता का चुनाव जीता भी है। आने वाले वक्त में हम सब मिलकर ओपीएस को बहाल करवायेंगे। नेशनल मूवमेंट टू सेव रेलवे के राष्ट्रीय प्रचार सचिव डॉ कमल उसरी ने कहा कि हम जनता की सवारी का निजीकरण जनता के सहयोग से ही रोकेंगे। अधिवेशन में मुख्य रूप से एन ई रेलवे मेंस कांग्रेस लखनऊ मंडल मन्त्री राकेश वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह, एआईआरटीयू ज़ोनल अध्यक्ष अजय कुमार सरोज, अटेवा उत्तर प्रदेश महामंत्री नीरज पति त्रिपाठी, मुरादाबाद से अध्यक्ष सुभाष यादव, मन्त्री विनोद यादव, शिवेंद्र प्रताप सिंह, ओमपाल सिंह यादव, फ्रंट अगेंस्ट एनपीएस इन रेलवे राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अखिलेश यादव, मंडल मंन्त्री तुलसी राम यादव, पवन यादव, श्रीकांत यादव, सचिन सिन्हा, विपिन यादव सहित उत्तरीय रेलवे के सभी मंडल से रेलवे कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। ज़ोनल पदाधिकारियों की आम सभा मे अनुवेदन के बाद लखनऊ मंडल की नई कार्यककरणी को आम सभा मे पास किया गया।

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना हेतु 2 करोड़ 50 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत प्रदेश के जनपदों में मनरेगा कन्वर्जेन्स / पटटाधारक द्वारा स्वयं अथवा अन्य विभागों के माध्यम से सुधारे गये ग्राम सभा के पटटे के तालाबों में प्रथम वर्ष निवेश पर तथा मत्स्य बीज बैंक की स्थापना के लिए अनुदान हेतु प्रथम किश्त के रूप में धनराशि रू0 250.00 लाख (रू0 दो करोड पचास लाख मात्र) की धनराशि स्वीकृत की है। मत्स्य विभाग द्वारा इस संबंध में शासनादेश जारी कर महानिदेशक, मत्स्य को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं योजना हेतु निर्धारित दिशा निर्देशों/गाइड लाइन्स एवं संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा।

अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान

अहिल्याबाई के कार्य आज भी प्रासंगिक

अवधनामा ब्यूरो

काकोरी लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष और लखनऊ जिले के प्रभारी त्रयंबक त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय मौर्य ने की।

जयंती समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंबक त्रिपाठी ने रानी अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल में किए गए कार्यों की सराहना की और उन्हें आज के आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और अनुकरणीय बताया। उन्होंने विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहिल्याबाई के योगदान पर प्रकाश डाला। त्रयंबक त्रिपाठी ने कहा कि अहिल्याबाई ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान किए। उन्होंने यह भी बताया कि अहिल्याबाई ने महिलाओं की शक्ति का उपयोग करते हुए 500 महिलाओं की एक सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। त्रयंबक त्रिपाठी ने आगे कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों को भी समाप्त करने का कार्य किया। उन्होंने दहेज प्रथा के उन्मूलन, विधवाओं को कानूनी अधिकार प्रदान करने और उनके पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए। धार्मिक प्रवृत्ति की होने के साथ-साथ अहिल्याबाई होल्कर का पर्यावरण के प्रति भी गहरा लगाव था। त्रयंबक त्रिपाठी ने बताया कि उनके शासनकाल में प्रत्येक किसान के लिए पीपल, नीम जैसे 20-20 नए वृक्ष लगाना अनिवार्य था। रास्तों के दोनों ओर छायादार वृक्ष लगाए जाते थे और बंजर भूमि पर भील, गोंड आदिवासियों द्वारा वृक्षारोपण कर उन्हें रोजगार भी दिया जाता था। उनके शासनकाल में पेड़ों को काटना या तोड़ना अपराध माना जाता था, और आज के अभ्यारण उनकी ही देन हैं। इस जयंती कार्यक्रम में अभियान के संयोजक व जिला उपाध्यक्ष अरविंद यादव, लखनऊ जिले के महामंत्री राजकुमार वर्मा, रामलाल वर्मा, उपाध्यक्ष हंसराज लोधी, मनोज प्रजापति, ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओमप्रकाश शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि काकोरी शिशिर यादव, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि माल रामकुमार राही, नगर पंचायत अध्यक्ष काकोरी रोहित साहू, महिला मोर्चे की जिला अध्यक्ष अंजु रस्तोगी सहित लखनऊ जिले के मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी, एनजीओ, प्रकोष्ठ एवं विभाग के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाषा विवि में योगाभ्यास सत्र का सफल आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आज ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के परिसर में सामूहिक प्राणायाम, ध्यान एवं योगासनों पर आधारित एक विशेष योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। यह आयोजन कुलपति प्रो. अजय तनेजा के निर्देशन एवं संरक्षण में सम्पन्न हुआ। योग सत्र का संयोजन एनएसएस समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के विषय प्रभारी श्री मोहम्मद शारिक द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। योगासनों का प्रदर्शन एवं अभ्यास शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हसन मेहदी के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने प्रतिभागियों को सटीक विधियों के साथ योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ, एनएसएस स्वयंसेवक तथा अन्य कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। योगाभ्यास सत्र के अंतर्गत अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाति जैसे प्रभावशाली प्राणायामों के साथ-साथ ध्यान और विविध योगासनों का अभ्यास कराया गया। इस आयोजन का उद्देश्य मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सकारात्मक जीवन शैली को बढ़ावा देना एवं योग के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करना रहा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजाने अपने संदेश में कहा कि योग मात्र व्यायाम नहीं, बल्कि यह आत्म-अनुशासन, आंतरिक संतुलन एवं जीवन की गुणवत्ता को सुधारने का माध्यम है। उन्होंने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय समुदाय से नियमित योगाभ्यास करने का आह्वान किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय की संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाता है और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा देता है।

लापता महिला को पुलिस ने परिवार से मिलाया

अवधनामा ब्यूरो

काकोरी लखनऊ। काकोरी पुलिस टीम ने डेढ़ साल पहले प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र से लापता हुई एक वृद्ध महिला कैला देवी को सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया है। महिला, जिनकी पहचान कैला देवी पत्नी स्वर्गीय रामचंद्र, निवासी लालविहारा, पोस्ट बमरौली, थाना धूमनगंज, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है, 30 मई, 2025 को रहमानखेड़ा फार्म हाउस के पास सड़क पर अचेत अवस्था में मिली थीं। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर के साथ पुलिस बल मौके पर पहुंचा और एंबुलेंस बुलाकर महिला को सीएचसी काकोरी में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बलरामपुर अस्पताल में महिला से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम कैला देवी और गांव का नाम लालविहारा बताया। सी-प्लान ऐप और अन्य जानकारी के आधार पर प्रभारी निरीक्षक ने धूमनगंज थाना प्रभारी से संपर्क किया, जिससे पता चला कि बेगमबाजार के अंतर्गत लालविहारा गांव आता है। महिला की फोटो व्हाट्सएप के जरिए उनके बेटों को भेजी गई, जिन्होंने उनकी पहचान की पुष्टि की। कैला देवी के पुत्र फूलचंद्र और अन्य परिजन बलरामपुर अस्पताल पहुंचे। महिला लगभग डेढ़ साल पहले घर से चली गई थीं और परिजनों से मिलकर काफी खुश दिखाई दे रही थीं। परिजनों ने काकोरी पुलिस टीम की सराहना की। इस कार्य को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर, हेड कांस्टेबल नवीन कुमार, कांस्टेबल रोहित यादव, महिला कांस्टेबल पूजा सिंह और महिला कांस्टेबल मोनिका सिंह शामिल थीं।

टेराकोटा म्यूरल एवं मूर्ति कला कार्यशाला संपन्न

लखनऊ। राज्य संग्रहालय लखनऊ, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल वृंदावन योजना, सेक्टर 9 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय टेराकोटा म्यूरल एवं मूर्ति कला कार्यशाला का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की लखनऊ पब्लिक स्कूल , वृंदावन योजना में प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यशाला में लगभग 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों द्वारा गौतम बुद्ध, शिव महादेव, नायिका,संगीतकार, सांकेतिक चिन्ह, एवं अन्य पारंपरिक दृश्य उकेरे गए। इस अवसर पर राज्य संग्रहालय लखनऊ की सहायक निदेशक डॉव मीनाक्षी खेमका के साथ डॉ0 अनीता चौरसिया, प्रमोद कुमार, परवेज खान एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल के अध्यापक एवं अध्यापिकाएं राजेश कुमार, श्रीमती सोनी चौरसिया, संदीप कुमार, प्रमुख कलाकार के रूप में ऋषभ कुमार, प्रतिभागी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों में खूब उत्साह देखने को मिला।

अंबर फाउंडेशन द्वारा आयोजित छात्र सम्मान समारोह के तीसरे और चौथे चरण का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। अंबर फाउंडेशन द्वारा आयोजित छात्र सम्मान समारोह के तीसरे चरण का आयोजन आज नबीउल्लाह रोड स्थित अंबर फाउंडेशन के सभागार में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर एरा यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. अब्बास अली मेहदी, लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रो. मनोज पांडेय, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, ध्येय और उड़ान की सीईओ हाई कोर्ट अधिवक्ता वर्षा सिंह, शिया वक्फ बोर्ड के सीईओ ज़ीशान रिज़वी साहब तथा समाजसेवी ज़मानत अली साहब मंचासीन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस पूरे समारोह का संचालन मनोवैज्ञानिक और मोटिवेशनल स्पीकर शाज़िया हसन ने किया। उन्होंने अपने विचारों और ऊर्जा से पूरे माहौल को सकारात्मकता और प्रेरणा से भर दिया। उनकी बातों ने न सिर्फ छात्रों को बल्कि उनके अभिभावकों को भी गहराई से प्रभावित किया। समारोह में विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रेरणा से आयोजित किया गया, जिनका शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है।

अंबर फाउंडेशन के चेयरमैन वफ़ा अब्बास ने कहा कि इन छात्र-छात्राओं का सम्मान करना उनके हौसलों को पंख देने जैसा है। यह देश के भविष्य का सम्मान है, और हम सभी को गर्व है कि हम इस गौरव का हिस्सा हैं। अभिभावकों का समर्पण अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह स्वयं शिक्षा को लेकर बेहद गंभीर हैं और अंबर फाउंडेशन कलेक्टर बिटिया जैसे सफल कोर्स के माध्यम से छात्राओं को आगे बढ़ने का मंच और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं भी दे रहा है। प्रो. अब्बास अली मेहदी ने कहा कि बायोलॉजी विषय चुनने वाले छात्रों के लिए पैरामेडिकल और मेडिकल क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। इसके जरिए वे मानवता की सेवा में अपना योगदान दे सकते हैं। प्रो. मनोज पांडेय ने कहा कि शिक्षा में सफलता पाने के लिए एकाग्रता सबसे ज़रूरी है। जब मन और लक्ष्य एक हो जाएं, तो कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

एमएलसी मुकेश शर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रयास कर रही हैं और सभी वर्गों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने वफ़ा अब्बास की उस पहल की सराहना की जिसमें वे निजी फंड से गरीब और होनहार छात्रों के लिए शिक्षा योजनाएं चला रहे हैं। अधिवक्ता वर्षा सिंह ने कहा कि 10वीं के बाद सही करियर का चयन करना अत्यंत आवश्यक है और इसके साथ ही करियर का एक वैकल्पिक रास्ता (Option B) भी तैयार रखना समझदारी का प्रतीक है। इससे भविष्य में सही निर्णय लेने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं के टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उनके अभिभावकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिनकी मेहनत और समर्पण के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।